हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 02.01.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 161 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

कैबिनेट ने डीएपी उर्वरक के लिए 3,850 करोड़ रुपये तक के विशेष पैकेज को दी मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में किसानों के लिए डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) फर्टिलाइजर के लिए अतिरिक्त सब्सिडी को मंजूरी दी है। कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने डीएपी फर्टिलाइजर के लिए 3,850 करोड़ रुपये का एकमुश्त पैकेज दिया है। किसानों को 1,350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम की दर से डीएपी उर्वरक मिलता रहेगा। अतिरिक्त लागत सरकार वहन करेगी।

उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने किसानों को किफायती कीमतों पर डीएपी की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक जनवरी 2025 से अगले आदेश तक एनबीएस सब्सिडी से परे डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) पर एकमुश्त विशेष पैकेज के विस्तार को मंजूरी दी। उन्होंने बताया कि भू-राजनीतिक कारणों से डीएपी की वैश्विक बाजार कीमतें अस्थिर हैं लेकिन अतिरिक्त खर्च सरकार वहन करेगी। उन्होंने बताया कि लाल सागर जैसे प्रमुख समुद्री मार्ग संघर्षों के कारण असुरक्षित हैं। मालवाहक जहाजों को भारत में उर्वरक लाने के लिए केप ऑफ गुड होप के रूट का इस्तेमाल करना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव का भारत में उर्वरकों की कीमत पर असर पड़ेगा। 2014 से प्रधानमंत्री मोदी ने सुनिश्चित किया है कि किसानों को कोविड और युद्ध संबंधी व्यवधानों के कारण बाजार में उतार-चढ़ाव का खमियाजा न उठाना पड़े। 2014-24 तक उर्वरक सब्सिडी 11.9 लाख करोड़ थी, जो 2004-14 (5.5 लाख करोड़ रुपये) से दोगुनी है।

इस फैसले से क्या होगा लाभ

किसानों को सब्सिडी वाले, किफायती और उचित मूल्य पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। किसानों को किफायती मूल्य पर डीएपी उर्वरक की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्वीकृत एनबीएस सब्सिडी के अतिरिक्त एक जनवरी 2025 से अगले आदेश तक डीएपी पर 3,500 रुपये प्रति मीट्रिक टन की दर से विशेष पैकेज प्रदान किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि उर्वरक निमार्ताओं/आयातकों के माध्यम से किसानों को रियायती मूल्य पर 28 ग्रेड के पीएंडके उर्वरक उपलब्ध कराए जाते हैं। पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी एक अप्रैल 2010 से एनबीएस योजना द्वारा शासित है। किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, भारत सरकार ने डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) उर्वरक की कीमत को अपरिवर्तित रखते हुए किसानों को बड़ी राहत दी है। भू-राजनीतिक बाधाओं और वैश्विक बाजार स्थितियों की अस्थिरता के बावजूद सरकार ने खरीफ और रबी 2024-25 के लिए किसानों को किफायती मूल्य पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित करके किसान हितैषी दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखी है।

सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2025 की पहली कैबिनेट में लिए गए प्रमुख निर्णयों के आलोक में बुधवार को दोहराया कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमें अपने सभी किसान बहनों और भाइयों पर गर्व है जो हमारे देश का पेट भरने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। 2025 की पहली कैबिनेट हमारे किसानों की समृद्धि बढ़ाने के लिए समर्पित है। मुझे खुशी है कि इस संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा कि नए वर्ष का पहला निर्णय हमारे देश के करोड़ों किसान भाई-बहनों को समर्पित है। हमने फसल बीमा के लिए आवंटन बढ़ाने को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं की फसलों को और ज्यादा सुरक्षा मिलेगी, वहीं नुकसान की चिंता भी कम होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि डाय-अमोनियम फॉस्फेट पर एकमुश्त विशेष पैकेज बढ़ाने के कैबिनेट के फैसले से हमारे किसानों को किफायती कीमतों पर डीएपी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नए साल के प्रथम दिन केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में किसानों के लिए दो बड़े फैसले लिये गये। सरकार ने फसल बीमा योजना के आवंटन को बढ़ाकर 69,515 करोड़ रुपये करने के साथ ही किसानों के लिए डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) फर्टिलाइजर के लिए अतिरिक्त सब्सिडी को मंजूरी दी। सरकार ने डीएपी फर्टिलाइजर के लिए 3,850 करोड़ रुपये का एकमुश्त पैकेज दिया है। किसानों को 1,350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम की दर से डीएपी उर्वरक मिलता रहेगा। अतिरिक्त लागत सरकार वहन करेगी।

खरसावां का शहीद स्मारक आदिवासी समुदाय के संघर्ष और शहादत का प्रतीक : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज नए वर्ष का पहला दिन है। नव वर्ष के पहले दिन यानि बुधवार को खरसावां गोलीकांड के अमर वीर शहीदों के सम्मान में खरसावां स्थित शहीद स्मारक में माल्यार्पण कर उन्हें अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हर वर्ष की भांति एक बार फिर आज यहां हम सभी एकत्र हुए हैं और आगे भी एकत्रित होते रहेंगे। यह दिन खरसावां गोलीकांड के अमर वीर शहीदों के प्रति सम्मान और आदर के साथ उनके दिखाए पथ पर आगे बढ़ने के संकल्प लेने का दिन है। मुख्यमंत्री ने खरसावां गोलीकांड की 77वीं बरसी पर सरायकेला -खरसावां जिला के खरसावां स्थित शहीद पार्क में शहीद स्मारक (शहीद बेदी) और वीर शहीद केरसे मुंडा चौक के शहीद स्मृति चिन्ह पर माल्यार्पण कर अमर वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

आदिवासियों की शहादत और संघर्ष की पहचान है यह शहीद स्थल

मुख्यमंत्री ने कहा कि खरसावां का शहीद स्मारक आदिवासी समुदाय के हक- अधिकार को लेकर किए गए संघर्ष और शहादत का प्रतीक है। हमारे आदिवासियों और मूलवासियों का जीवन हमेशा से संघर्षमय रहा है। इन्हीं के संघर्ष और शहादत की वजह से ही आज हमारी पहचान है। हमारे ये शहीद स्थल सदैव हमारे मार्गदर्शक रहेंगे।

आदिवासियों का प्रकृति से रहा है गहरा जुड़ाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समुदाय का हमेशा से प्रकृति के साथ गहरा जुड़ाव रहा है। जल -जंगल और जमीन की रक्षा के लिए वे शुरू से संघर्ष करते रहे हैं। आज अगर प्रकृति के प्रति लगाव को लेकर आदिवासी समुदाय के पद चिन्हों पर चलते हुए उसका अनुसरण कर रहे होते तो प्राकृतिक आपदाओं तथा पर्यावरण संरक्षण की खातिर इतनी जद्दोजेहद नहीं करनी पड़ती।

शहीद स्मारक का पूर्ण रूपेण होगा विकास

मुख्यमंत्री ने खरसावां गोलीकांड के शहीदों के सम्मान में निर्मित शहीद स्मारक के पूर्ण रूपेण विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। आज यहां मंत्री, विधायक और उपायुक्त के साथ बैठक में उन्होंने यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं के विस्तार के साथ विकास की नई योजनाओं का विस्तृत कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया । मुख्यमंत्री ने कहा कि खरसावां शहीद स्मारक को विश्व पटल पर एक अलग पहचान दिलाएंगे ताकि आने वाली वाली पीढ़ी अपने इन वीर शहीदों से भली- भांति वाकिफ रहें और उनके बताये राह पर आगे बढ़ें। मंत्री दीपक बिरुवा, मंत्री रामदास सोरेन, सांसद मती जोबा मांझी, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक दशरथ गगराई, विधायक सुखराम उरांव, विधायक सविता महतो एवं विधायक जगत मांझी समेत अनेकों विशिष्ट जन तथा हजारों की संख्या में लोगों ने शहीद स्थल को नमन कर अमर वीर शहीदों को सुमन-अर्पित किए।

नववर्ष पर रांची के मंदिरों में उमड़े लोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आंग्ल नववर्ष पर राजधानी रांची के सभी मंदिरों में बुधवार सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ी हुई है। रांची के पहाड़ी मंदिर, चुटिया के सुरेश्वर धाम, मेन रोड के काली मंदिर, हनुमान मंदिर, दुर्गा बाड़ी, रातू रोड के दुर्गा मंदिर सहित अन्य मुहल्लों के मंदिरों में सुबह से ही लोग पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

लोगों ने परिवार के साथ नए वर्ष की शुरूआत भगवान के दर्शन के साथ की। साथ ही बेहतर स्वास्थ्य, समृद्धि और सुख-शांति की कामना की। इस दौरान रांची के पहाड़ी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस के जवान और स्वयंसेवक मुस्तैद थे। पहाड़ी मंदिर में भक्त अरघा सिस्टम से जल अर्पण कर रहे हैं। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए ने बताया कि भीड़ के मद्देनजर पहाड़ी मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

नववर्ष के पहले दिन बुधवार को प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए श्रद्धालु देर रात से ही लाइन में लगे थे। सुबह चार बजे बाबा का मंदिर खुला। इसके बाद स्थानीय तीर्थ पुरोहित ने कांचाजल पूजा की। फिर सरकारी पूजा के बाद आम भक्तों के लिए मंदिर का कपाट खोल दिया गया। पूजा करने को लेकर लोगों की लाइन दो किलोमीटर दूर तक लगी है। नववर्ष में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर जिले के उपायुक्त विशाल सागर बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंचे। विधि-व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का निरीक्षण किया। साथ ही प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीसी ने कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर सभी प्रकार की गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान मंदिर प्रभारी सह अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नरेश रजक, जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार, जिला साख्यांकी पदाधिकारी, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, बाबा मंदिर थाना प्रभारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित अधिकारी और मंदिर कर्मी आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल को हेमन्त-कल्पना ने दी बधाई

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को राजभवन में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने मुलाकात की। दोनों ने राज्यपाल को नववर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

एक नजर

भारत और पाकिस्तान ने अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची एक-दूसरे को सौंपी

नयी दिल्ली : भारत और पाकिस्तान ने बुधवार को द्विपक्षीय समझौते के तहत अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। यह समझौता दोनों देशों को एक-दूसरे के परमाणु ठिकानों पर हमला करने से रोकता है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत और पाकिस्तान ने आज नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक माध्यमों से एक साथ दोनों देशों के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले के निषेध पर समझौते के अंतर्गत शामिल परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची एक-दूसरे को सौंपी।

नये साल में कुएं में डूबने से पांच युवकों की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड के हजारीबाग जिले में नए साल के पहले दिन एक दर्दनाक हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। चरही थाना क्षेत्र के सरबाहा गांव में कुएं में डूबने से पांच युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुंदर करमाली (27 वर्ष), विनय कुमार, पंकज करमाली, सूरज भुइयां (24 वर्ष) और राहुल करमाली (26 वर्ष) के रूप में हुई है। सभी युवक एक ही गांव के निवासी थे।

पति-पत्नी के विवाद ने लिया भयावह मोड़

यह हादसा तब हुआ जब एक घरेलू विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। सुंदर करमाली और उसकी पत्नी रूपा देवी के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई। गुस्से में आकर सुंदर ने कुएं में मोटरसाइकिल सहित कूदने की धमकी दी। कुछ देर बाद, उसने अपनी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल के साथ कुएं में छलांग लगा दी। यह देखकर उसकी पत्नी रूपा देवी चीखने-चिल्लाने लगी।

बचाव के प्रयास में जान गंवाए चार युवक

सुंदर को बचाने के लिए मोहल्ले के दो भाई, विनय कुमार और पंकज करमाली, तुरंत कुएं में कूद गए। इसके बाद सूरज भुइयां और राहुल करमाली भी बचाव के लिए कुएं में उतर गए। हालांकि, बचाव का यह प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण साबित हुआ और पांचों युवक पानी में डूब गए।

घटनास्थल पर मची अफरा-तफरी घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव और आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी शवों को कुएं से बाहर निकाला। सूचना मिलते ही चरही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया। नए साल के पहले दिन हुई इस दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया।

बोलेरो और बाइक की टक्कर में तीन की मौत

लातेहार : जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत डिग्री कॉलेज के पास बुधवार को मोटरसाइकिल और बोलेरो की सीधी टक्कर में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। फिलहाल, मृत युवकों की पहचान नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीनों युवक जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे एक बोलेरो से उनकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि घटनास्थल पर ही तीनों युवकों की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस युवकों को एंबुलेंस से अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में लातेहार थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े ने बताया कि मृत युवकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस उनकी पहचान कराने की कोशिश कर रही है।

नए साल में झारखंड को मिलेगा 4000 मेगावाट का सुपर थर्मल पावर प्लांट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नए साल 2025 में झारखंड को 4000 मेगावाट का सुपर थर्मल पावर प्लांट मिलेगा। झारखंड बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाएगा। हालांकि 2024 में ही इस पावर प्लांट को शुरू किया जाना था। राज्य सरकार और एनटीपीसी के साथ हुए समझौते के अनुसार 85 फीसदी बिजली राज्य सरकार को मिलेगी।

केंद्र सरकार की ओर से कहा गया था कि जो भी सहयोग राज्य सरकार को चाहिए केंद्र की ओर से मिलेगा। केंद्र ने यह भी कहा था कि पावर प्लांट को प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराने का प्रयास राज्य सरकार करें। पीएम नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2022 को पतरातू पावर प्लांट की ऑनलाइन समीक्षा की थी। इस दौरान पीएम मोदी को झारखंड के मुख्य सचिव ने बताया था कि वर्ष 2024 से पतरातू के निमार्णाधीन 4000 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट से बिजली उत्पादन होने लगेगा। अब 2025 में इससे बिजली उत्पादन होने लगेगा।

वर्ष 2015 में झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड और एनटीपीसी के बीच ज्वाइंट वेंचर कंपनी पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) बनी। वर्ष 2016 में कंपनी को एनटीपीसी हवाले किया गया। इसके बाद इस वर्ष जनवरी में भेल को इसका कार्यादेश दिया गया।

डीईओ और प्लस टू हाई स्कूल के प्रिंसिपल को झामुमो नेता ने कार्यालय में घुसकर धमकाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का गृह जिला है। यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता अब अधिकारियों को धमकाने का काम कर रहे हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम को उनके कार्यालय में घुसकर धमकाया गया और उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। यहां तक की गोला प्रखंड के प्लस टू उत्क्रमित विद्यालय डिमरा के प्राचार्य और शिक्षकों को भी धमकी दी गई। यह पूरा मामला तब उजागर हुआ जब जिला शिक्षा पदाधिकारी ने रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बुधवार को बताया कि यह सारे अनैतिक कार्य झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता श्रवण कुमार पटेल के जरिये किया गया है। इस मामले में अब कानूनी कार्यवाही आवश्यक है। उनके जरिये विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों को पहले भी धमकी दी जाती रही है। इसके बाद वे जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय में घुसकर सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और सरकारी कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने जैसी हरकत भी कर चुके हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि 28 दिसंबर को गोला प्रखंड के

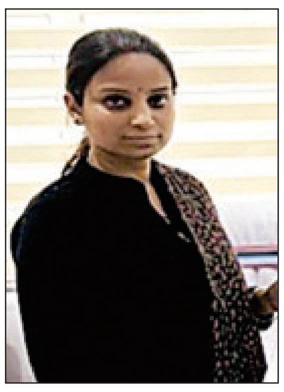

डीमरा गांव निवासी श्रवण कुमार पटेल ने कार्यालय में प्रवेश कर सरकारी कार्य में बाधा डाली और अभद्र व्यवहार किया। साथ ही अभद्र एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। श्रवण पटेल ने स्वयं को नेता बताते हुए कथित रूप से मंत्री के प्रभाव का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी एवं कार्यालय कर्मचारियों को धमकाया। डीईओ ने रामगढ़ थाने में श्रवण कुमार पटेल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी में कहा गया है कि श्रवण मुख्यमंत्री के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल कर डीईओ का तबादला किसी कनिष्ठ पद पर करा देंगे या उन्हें कॉलेज प्रिंसिपल के रूप में नियुक्त कर देंगे। डीईओ ने बताया कि इसी तरह की एक घटना चार सितंबर को भी हुई थी। इसमें श्रवण पटेल ने धमकियां दी और कार्यालय परिसर के भीतर अनुचित आचरण किया। साथ ही लिपिक का स्थानांतरण उनके अनुसार करने का दबाव डाला था। ये कोई मंत्री के संबंधी नहीं है ये सिर्फ एक दलाली का काम करते हैं। श्रवण पटेल की ओर से कहा गया है कि उनके पिता पारा टीचर है उन्हें छुट्टी नहीं दी जा रही है। इस संबंध में डीईओ ने बताया कि यह मेरे कार्य क्षेत्र से बाहर है। यह जिला शिक्षा अधीक्षक के अंदर में आता है। श्रवण ने मध्यान भोजन का भी कंप्लेंट किया हैं। यह भी जिला शिक्षा अधीक्षक के अंदर में आता है। उनके पिता की छुट्टी के बारे में मुझे कोई भी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

समाज का संरक्षण और संवर्द्धन परिषद का मुख्य उद्देश्य : गुरुदेव गुप्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : ठंड से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से विश्व हिंदू परिषद की बरही प्रखंड इकाई ने रविदास टोला में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम इंटर कॉलेज बरही के पास आयोजित हुआ, जिसमें सैकड़ों जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता, जिला परिषद सदस्य प्रीति गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर कुमार, प्रखंड अध्यक्ष निरंजन केशरी, सह मंत्री प्रदीप चंद्रवंशी, तारा देवी, काजल कुमारी, अंशराज सहित कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुरुदेव गुप्ता ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद सनातन धर्म और संस्कृति के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए सतत कार्यरत है। समाज के अभिन्न अंग को सहयोग प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है। इसी क्रम में ठंड से राहत देने के लिए यह कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस मौके पर स्थानीय लोगों ने परिषद के इस प्रयास की सराहना की और कंबल वितरण से लाभान्वित हुए। लाभुकों में देवकी देवी संजू देवी रीना देवी सुरेखा देवी अर्चना देवी ललिता देवी गिरिजा देवी दीपाली देवी सुनीता देवी नीलम देवी सीता देवी गीत देवी परमेश्वरी देवी किरण देवी ज्योति देवी मालती देवी आरती कुमारी मनीषा देवी सीमा देवी सहित 36 लाभुक शामिल थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम से समाज में बढ़ता है मेल-जोल : अमित सिन्हा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रांची रोड स्थित गंगा रेजेंसी में नववर्ष की पूर्व संध्या पर निधि इवेंटस के जरिये धूम मचाले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि समाज सेवी अमित कुमार सिन्हा, विशिष्ट अतिथि नंदकिशोर गुप्ता, विनोद कुमार, रंजन फौजी, हरि रत्नम साहू एवं निधि इवेंटस के राजू कैंथ मौजूद थे। अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। गणेश वंदना से कार्यक्रम आरंभ हुआ। धूम मचाले कार्यक्रम के दौरान कोलकाता से आए प्रसिद्ध डीजे श्रेया ग्रुप के जरिये पेश गीत और नृत्य में उपस्थित लोग थिरकने को विवश हो गए। इस क्रम में ग्रुप ने बेहतरीन गायन और नृत्य का नमूना पेश किया। डीजे ग्रुप के कार्यक्रम से उपस्थित लोग इतने मंत्रमुग्ध हो गए की कार्यक्रम के दौरान घंटो

थिरकते रहे। इस दौरान गायक दिप्ती और पार्थो प्रतीम के जरिये एक से बढ़कर एक गाने पेश किए गए।नटराज ग्रुप के कलाकरों जरिये एक से बढ़कर एक डांस पेश किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि समाज सेवी अमित कुमार सिन्हा ने लोगों को नववर्ष की शुभकामाएं देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम का काफी महत्व है। क्योंकि इस तरह के कार्यक्रमों से जहां लोगों में उत्साह का संचार होता है वहीं, लोगों के बीच आपसी मेलजोल भी बढ़ता है। इसलिए इस प्रकार के कार्यक्रम काफी महत्त्वपूर्ण होते हैं। कार्यक्रम की निर्णायक मंडली में आरडी शर्मा, महेंद्र मोदी, अन्नू सिन्हा, सूरज जायसवाल, शामिल थे। निर्णायक मंडली के जरिये कार्यक्रम के दौरान लक्की कूपन से 10 लोगों को नवाजा गया। जबकि तीन लोगों को लक्की कपल से नवाजा गया। वहीं, अमितेश प्रकाश एवं पूनम सिंह को बेस्ट कपल के खिताब से नवाजा गया। साथ ही नितिन कपूर एवं पत्नी मनीषा को द्वितीय और पुलक तथा पत्नी आलिया को तृतीय बेस्ट कपल के खिताब से नवाजा गया।

नेपाल घूमने गया परिवार, चोरों ने लाखों रुपये के जेवरात उड़ाये

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ थाना क्षेत्र के रामानगर के एक बंद घर से चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दी है। जानकारी के अनुसार तुलसी अग्रवाल उर्फ पिंटू अपने सपरिवार के साथ 24 दिसंबर को नेपाल घूमने गए थे। अपने घर की देख भाल के लिए राम राजा सिंह को रात में घर मे सोने के ललिए बोलकर गये थे। उन्होंने बताया कि मंगलवार को 8.40 बजे घर पर चोरी होने की सूचना राम राज सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि रात को मेन गेट ताला खोल कर जब वह अंदर प्रवेश किया तो चैनल गेट सहित अंदर के सभी दरवाजों का ताला टूटा हुआ था, मैं उसे वक्त गोरखपुर में था और सूचना मिलते ही, वहां से रामगढ़ के लिए निकला। दोपहर 12:30 के करीब घर पहुंचकर पर पाया कि अज्ञात चोरों ने मेरे घर पर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरी की सूचना उन्होंने रामगढ़ पुलिस को दी। सूचना पाकर रामगढ़ थाना के सब इंस्पेक्टर अरविंद सिंह और आशुतोष सिंह पहुंचकर मामले की जानकारी घर वालों से ली। साथ ही मामले की छानबीन में जुट गए। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने फिंगरप्रिंट टीम को इसकी जानकारी दी और घटनास्थल पहुंचकर साक्ष्य जुटाने में जुट गई। इस दौरान सब इंस्पेक्टर बीरबल हेंब्रम ने कई स्थानों का फोटो खींचे। पिंटू अग्रवाल ने बताया कि घर में रखे करीब डेढ़ लाख नकद, चांदी के पूजा के बर्तन एवं सिक्के जिसका वजन करीब 800 ग्राम, सोने की अगूंठी, कान का टॉप्स एवं नाक का नथ जिसका वजन 20 से 22 ग्राम, लैपटॉप, पांच पेन ड्राइव सहित अन्य सामानों की चोरी हुई है।

महुदी में कार व ट्रक में भिड़ंत पांच गंभीर रूप से घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण प्रखंड क्षेत्र के लोग लगातार सड़क दुर्घटना से सहमे हुए हैं ।प्रखंड के जीटी रोड महुदी में कार और ट्रक आमने-सामने भीड़ गया। टक्कर इतना जोरदार था कि कार संख्या बीआर 02 पीए 7704 का परखच्चे निकल गया। बताया जाता है कि कार में सवार पांच लोग नव वर्ष पर पिकनिक मनाने के लिए मैथन डैम गए थे। जहां जमकर मांस-मदिरा का सेवन कर अपने घर गया बिहार लौट रहे थे। साथ ही कार में सवार होकर रास्ते मे धूम्रपान का भी लुफ्त उठा रहे थे। दुर्घटना होते ही आसपास के लोग बचाने के लिए कार से बाहर निकालने के लिए दरवाजा खोला गया तो अंदर से आग लगने पर जिस तरह धुवां निकलता है, वैसे ही कार से निकला। मनमार कर एक एक कर पांचो को बाहर निकालने में सभी का मुंह से शराब का गंध निकल रहा था। जिसमे सवार अजीत कुमार 42, अमनजीत कुमार 38, मनोज कुमार 55, संतोष कुमार 36 एवं कारू कुमार 39 गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायलो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण में भर्ती किया गया। जहां प्रखंड चिकित्सा प्रभारी डॉ भुनेश्वर गोप ने प्राथमिक इलाज कर गंभीरावस्था को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। घायलो ने रेफर करने पर हजारीबाग के जगह गया बिहार चला गया। बताते चलें कि सरकार ने शराब पीकर वाहन चलाने पर रोक लगाने के लिए लाखों रुपये का हाई टेक्नॉलॉजी का इंटर सेक्टर कार सभी थाना में दिया था। जिसकी खासियत थी कि कोई भी चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा है तो उक्त वाहन में अलार्म बजने लगता था।

प्रदीप प्रसाद की समाज सेवा से विधायक पद तक की रही यादगार और प्रेरणादायक यात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : वर्ष 2024 में प्रदीप प्रसाद का राजनीतिक सफर एक ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंचा। अपने समाज सेवा के कार्यों और जनसंपर्क के माध्यम से, उन्होंने जनता का ऐसा विश्वास अर्जित किया कि वह 23 नवंबर 2024 को विधायक के पद पर आसीन हुए। उनकी इस सफलता ने यह सिद्ध किया कि ईमानदारी, मेहनत और जनसेवा का मार्ग ही सच्ची नेतृत्व की पहचान है। प्रदीप प्रसाद का सफर एक आम नागरिक के रूप में शुरू हुआ, जहां उन्होंने अपने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को गहराई से समझा। शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, और स्वच्छता जैसे मुद्दों

पर उन्होंने अपने निजी संसाधनों और सीमित साधनों के साथ कार्य शुरू किया। गरीब और वंचित वर्ग की मदद के लिए उनकी तत्परता ने उन्हें जनता के बीच एक सशक्त और भरोसेमंद व्यक्ति के रूप में स्थापित किया। चुनाव के दौरान प्रदीप प्रसाद ने हर घर, हर गांव, और हर व्यक्ति से व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया। उन्होंने उनकी समस्याओं को ध्यान से सुना और उनकी बेहतरी के लिए स्पष्ट व ठोस योजनाएं पेश कीं। उनकी सादगी, ईमानदारी और व्यवहारिक दृष्टिकोण ने जनता को प्रभावित किया। प्रदीप प्रसाद का नारा आपकी सेवा, मेरा धर्म लोगों के दिलों में गूंजने लगा। चुनाव परिणामों ने दिखाया कि जनता ने उन्हें केवल एक नेता के रूप में नहीं, बल्कि अपने परिवार के सदस्य के रूप में अपनाया। उनकी जीत न केवल उनके कार्यों की स्वीकार्यता थी, बल्कि समाज में एक सकारात्मक बदलाव की शुरूआत भी थी। विधायक बनने के बाद, प्रदीप प्रसाद ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दीं। उनका ध्यान मुख्य रूप से क्षेत्र के विकास और आम लोगों की समस्याओं के समाधान पर केंद्रित रहा। उनकी शुरूआती उपलब्धियों में शामिल जिसमें शिक्षा में सुधार, सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार और शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाना स्वास्थ्य सेवाएं अस्पतालों में डॉक्टरों और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना। सड़क और बुनियादी ढांचा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सड़क, जल आपूर्ति और बिजली की व्यवस्था को बेहतर बनाना। रोजगार युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना और स्वरोजगार को बढ़ावा देना। प्रदीप प्रसाद ने अपनी कार्यशैली में जनता के साथ संवाद को सबसे अधिक महत्व दिया है। हर महत्वपूर्ण फैसले जनता की राय से लेने की उनकी कार्यशैली ने उन्हें एक आदर्श जनप्रतिनिधि के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने हर दिन एक जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन शुरू किया।

एक नजर

शीतकालीन अवकाश के दौरान बच्चों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

बड़कागांव : बच्चों को शैक्षणिक ज्ञान देने के उद्देश्य से उत्क्रमित मध्य विद्यालय कांडतरी बड़कागाँव के द्वारा शीतकालीन अवकाश के दौरान बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। इस दौरान बच्चे पश्चिम बंगाल के व्रकेश्वर गर्म कुंड, तारापीठ, मायापुरी, साइंस सिटी कोलकाता, गंगासागर आदि विभिन्न पर्यटक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। मौके पर मुख्य रूप से प्रधानाध्यापक संतोष कुमार, विद्यालय के शिक्षक रामकुमार प्रसाद, रवीन्द्र कुमार, प्रकाश कुमार, अशोक कुमार एवं बाबूलाल कुमार उपस्थित थें।

उप विकास आयुक्त ने दिव्यांग बच्चों संग मनाया न्यू ईयर

हजारीबाग : उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने नववर्ष के अवसर पर स्पेस्टिक विद्यालय के मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के संग न्यू ईयर मनाया। उप विकास आयुक्त अपनी धर्मपत्नी के साथ बच्चों को मिठाई,केक तथा फल का वितरण किया। नए वर्ष के प्रथम दिन उप विकास आयुक्त ने उपस्थित सभी बच्चों और संस्था के कर्मियों को नववर्ष की शुभकामनायें दी। सामाजिक समस्या निवारण एवं कल्याण संस्था के द्वारा हुरहुरु, हजारीबाग में इस संस्था का संचालन किया जाता है, साथ ही समाज कल्याण विभाग के द्वारा इनके संचालन के लिए वित्तीय सहयोग भी दिया जाता है। आज सभी बच्चे उपहार मिलने से काफी उत्साहित नजर आए। इस दौरान जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी संजय प्रसाद उपस्थित थे।

नववर्ष के पहले दिन मां भद्रकाली के दरबार पहुंचे विधायक

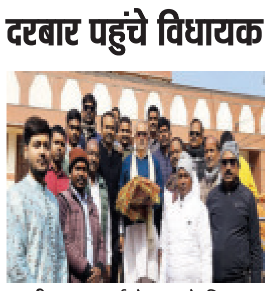

बरही : नए वर्ष के पहले दिन इटखोरी स्थित ऐतिहासिक और पावन माँ भद्रकाली मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। इस अवसर पर बरही विधायक मनोज कुमार यादव भी माँ भद्रकाली के दरबार पहुंचे। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। मंदिर परिसर में पहुँचते ही विधायक मनोज कुमार यादव ने पुजारियों के मार्गदर्शन में मंत्रोच्चार के बीच मां भद्रकाली की आराधना की। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर माता के चरणों में फल-फूल अर्पित किए और क्षेत्र के लोगों की भलाई व तरक्की की कामना की। पूजा के बाद उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास भी किया। विधायक मनोज यादव ने इस मौके पर कहा कि नववर्ष का यह पावन दिन मां भद्रकाली के चरणों में बिताना सौभाग्य की बात है। मैंने माता से प्रार्थना की है कि इस साल हमारे क्षेत्र के हर घर में खुशहाली और समृद्धि का वास हो। इस अवसर पर विधायक के साथ कई स्थानीय नेता और समर्थक भी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

बड़कागांव के पर्यटन स्थलों पर लोगों ने पिकनिक का लिया आनंद

बड़कागांव : नया साल 2025 हजारीबाग जिले के बड़कागाँव प्रखंड के विभिन्न मनोरम स्थलों पर सैलानी जुटें। स्थानीय लोग एवं बाहर से आए पर्यटको ने पिकनिक मनाने पहुंचें थे। अधिकांश परिवारों ने प्राकृतिक की गोद में खाना बनाकर भोजन का आनंद लिया। बड़कागांव के बुढ़वा महादेव, डुमारो नदी, द्वारपाल गुफा, छगरी गोदरी गुफा, डूमारो गुफा, इसको गुफा,बरसों पानी, बादम के गट्टी कोचा झरना, सांढ़ के महुडरवा, राजदहा नदी, नापोखुर्द के मुरली पहाड़, जुगरा का पैलवा पहाड़, इसको गुफा, टिप टिपवा झरना समेत दर्जन रमणीक स्थलों में सैलानियों ने पिकनिक मनाया। इनमें से बुढ़वा महादेव स्थित डुमारो नदी में सबसे अधिक सैलानियों की भीड़ उमड़ी। नव वर्ष की पहला दिन के मौके पर बुढ़वा महादेव मंदिर में बाबा भोले के शिवलिंग पर शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया। पिकनिक में भोजन के बाद लोगों ने गुफाओं को निहारा। दर्जनों झरना एवं जलप्रपात एवं रमणीक स्थलों का आनंद लिया। पर्यटको ने बरसों पानी में ताली बजाकर पानी बरसाया। राजा दलेल सिंह के किले एवं नाग फन आकर के चट्टानों में लोगों ने सेल्फी लिया।

बिरसा परियोजना के कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

बड़कागांव : राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के क्षेत्रीय सचिव सह हजारीबाग कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष राजू यादव बरका सयाल एरिया के उरीमारी परियोजना के बेस वर्क शॉप, परियोजना कार्यालय, पोटंगा वर्क शॉप, 33/11 के भी सब स्टेशन, फिल्टर प्लांट, उरीमारी साइडिंग, बिरसा परियोजना के वर्क शॉप, परियोजना कार्यालय आदि जगहों पर जाकर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मिला कर नए वर्ष 2025 का शुभ कामना संदेश दिए। बिरसा परियोजना कार्यालय में परियोजना पदाधिकारी सुबोध कुमार के साथ नए वर्ष के शुभ अवसर पर कर्मचारियों के बीच सम्मान समारोह कार्यक्रम में शामिल हुए एवं सम्मानित किए। साथ ही साथ उरीमारी परियोजना के शाखा अध्यक्ष सीताराम किस्कू, क्षेत्रीय त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति सदस्य सह ऑल इंडिया एससी, एसटी व ओबीसी एम्पलाई कोऑर्डिनेशन काउंसिल के शाखा सचिव गणेश राम, डा. जी आर भगत, पूर्व पंचायत समिति सदस्य कानू मरांडी, अली हसन खान, दीपक विश्वकर्मा, टहल गोप संजय यादव, सुखदेव मांझी, चंदू जैसवाल, अमित कुमार रॉय,दीपक यादव, सीबू हेंब्रम, मन्नू टुडू, नथु प्रसाद,आलमगीर, कामेश्वर कुमार, अनिल कुमार, भूपेंद्र किशोर, जय प्रकाश, चरकू यादव, रतन पावरिया, रवि पावरिया, राधे श्याम रजक, पप्पू यादव, बिनोद प्रजपति, संजय सिंह, सियाराम नोनिया आदी शामिल थे।

कृषि निदेशक ने माधोपुर केज साइट का किया दौरा

हजारीबाग : कृषि निदेशक ताराचंद द्वारा माधोपुर केज साइट का दौरा किया गया। इस दौरान केज कल्चर तकनीक से हो रहे मछली पालन की प्रगति का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मौके पर उपस्थित मत्स्य मित्र के साथ इस तकनीक के माध्यम से क्षेत्र में संभावित विकास एवं किसानों की आयवृद्धि पर चर्चा की। माधोपुर केज साइट जिले में मत्स्य पालन के क्षेत्र में नवाचार का एक बेहतरीन उदाहरण है। कृषि निदेशक के नेतृत्व और मार्गदर्शन से यह पहल क्षेत्र के किसानों को सशक्त बनाने और मत्स्य पालन में आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में सहायक होगी। इस दौरान जिला मत्स्य पदाधिकारी प्रदीप कुमार एवं मत्स्य मित्र उपस्थित थे।

सांसद पहुंचे पोस्टमार्टम हाउस, शोकाकुल परिजनों से मिलकर बढ़ायी हिम्मत

हजारीबाग : चरही थाना क्षेत्र में हुए हृदयविदारक घटना में पांच युवकों की मौत की सूचना मिलते ही हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल तत्काल मेडिकल कॉलेज स्थित पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया त्वरित कराने में सहयोग करते हुए हुए शोकाकुल परिवारजनों से मिलकर उनके इस विकट दु:ख की घड़ी में ढांढस बंधाया और हिम्मत बढ़ाया साथ ही उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा भी जताया। सांसद मनीष जायसवाल ने मृतकों के परिवारजनों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी कराई। अस्पताल से ही सांसद मनीष जायसवाल ने संबंधित सीओ और थाना प्रभारी को हर संभव सहयोग का निर्देश भी दिया और मृतकों को आपदा प्रबंधन के तहत मुआवजा दिलाने का आग्रह किया।

जुगरा गांव से महिला लापता, पति ने थाने में दिया आवेदन

बड़कागांव : डाड़ीकला थाना में पत्नी की गुमशुदगी को लेकर पति नापोखुर्द निवासी अजय साव ने आवेदन देकर सनहा दर्ज कराया है। मामले को लेकर अजय ने बताया कि थाने में आवेदन दिया गया है। 28 दिसंबर को मेरी पत्नी 28 वर्षीय किरण देवी लापता हो गई। काफी खोजबीन किया नहीं मिली। आवेदन में अजय ने बताया की किरण 28 दिसंबर को खाना खाने के लिए कह कर के घर से बाहर निकल गई तब से फिर वह लौटकर घर नहीं आई, वह सांवली रंग की है, लाल रंग की नाइटी और हरा रंग का स्टॉल पहनी हुई है। मैं 4 साल पूर्व अपने जीजा वकील साव के गांव जुगरा गांव में ईट का व्यवसाय कर घर का भरण पोषण करता हूं। लापता 28 वर्षीय किरण देवी के दो पुत्र हैं एक 10 एवं एक 8 वर्ष का लड़का है। डाड़ीकला थाना प्रभारी पिंटू कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मामले की छानबीन व लोगों से पूछताछ की जा रही है।

एक नजर

केके वर्मा को फिर मिला एक्सटेंशन

रांची : झारखंड ऊर्जा संरचरण निगम के एमडी, जेरेडा के निदेशक व जेबीवीएनएल के कार्यकारी निदेशक केके वर्मा को एक वर्ष का अवधि विस्तार दिया गया है। इससे पूर्व केके वर्मा को सेवानिवृत्ति के बाद तीन वर्षों का अवधि विस्तार देते हुए उपरोक्त पदों पर नियुक्त किया गया था। इसमें एक वर्ष का अवधि विस्तार देते हुए वर्मा की नियुक्ति 31 दिसंबर 2025 तक के लिए या अगले आदेश तक के लिए की गयी है। कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया।

राज्य में छाया रहेगा कोहरा, ठंड में हुई वृद्धि

रांची : झारखंड में न्यूनतम तापमान में बड़ी गिरावट आई है। बुधवार को सुबह में हल्के दर्जे का कोहरा छाया रहा। पहाड़ों से आ रही सर्द हवाओं ने लोगों को ठिठुरने के लिए मजबूर कर दिया है। अगले चार दिनों तक कोहरा छाया रहेगा। धीरे-धीरे मौसम साफ होगा। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 08.6 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटे में डाल्टेनगंज का अधिकतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 09.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बोकारो का अधिकतम तापमान 22.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री सेंटीग्रेड गुमला में दर्ज किया गया। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 25.4 डिग्री सेंटीग्रेड चाईबासा में रहा। पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा।

छेड़खानी का विरोध करने पर भाई की पिटाई, मामला पहुंचा थाना

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में हर दिन बेटियों के साथ कहीं ना कहीं छेड़खानी की घटना हो जा रही है। पुलिस छेड़खानी करने वालों पर कार्रवाई तो करती है साथ ही दावा करती है कि शहर में छेड़खानी करने वालो को बख्शा नहीं जाएगा वाबजूद इन मनचलों के हौसले पर कोई फर्क नहीं पड़ता और ये जहाँ मौका मिलता है वारदात करने से नहीं चूकते । इसी कड़ी में आज देर रात धुर्वा थाना क्षेत्र में एक बेटी के साथ बदमाशो ने छेड़खानी की जब इसका विरोध लड़की के भाई ने किया तो उसकी पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि नाबालिग लड़की घर से निकल कर भाई के साथ कुछ समान लेने जा रही थी। इसी दौरान मनचले पहुंचे और अश्लील हरकतकरने लगे उनके गंदी टिप्पणी करने पर लड़की ने अपने भाई को शिकायत की , जब लड़की के भाई ने बहन के साथ छेड़खानी करने वाले लड़कों का विरोध किया तो मनचले ने लड़की के भाई की जमकर पिटाई कर दिया। बदमाशों के दहशत से डरा सहमा परिवार इस घटना को लेकर धुर्वा थाना में मामला दर्ज कराया है। जिसके बाद 'महिला सुरक्षा कोषांग' ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार अपराधियों में शंकर उरांव और सूरज कुमार शामिल है। 'महिला सुरक्षा कोषांग' के द्वारा ऊछरअ के साथ समन्वय बना कर पीड़िता एवं उसके जख्मी भाई (पीड़ित) को मुआवजा राशि दिए जाने के लिए अंतरिम राहत की व्यवस्था की गई है।

नववर्ष पर गुलजार रहे रांची के मंदिर, पार्क और पिकनिक स्पॉट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नव वर्ष पर बुधवार को राजधानी रांची के मंदिर, पार्क और विभिन्न पिकनिक स्पॉट में लोगों की भीड़ रही। इस दौरान युवाओं ने खूब सेल्फी ली। रांची के बरियातू पहाड़, हुण्डरु फॉल, दशम फॉल, दिउड़ी मंदिर, सूर्य मंदिर, जोन्हा फॉल, गेतलसूद डैम, सीता फॉल, गौतम धारा, रुक्का डैम, ऑक्सीजन पार्क, बिरसा मुण्डा पार्क, रॉक गार्डन, कांके डैम, सिदो-कान्हू पार्क, मछली घर, नक्षत्र वन, हटिया डैम सहित अन्य स्थानों पर लोग सुबह से लेकर शाम तक घूमते रहे।

इस दौरान कई जगहों पर गाजे-बाजे के साथ भी लोग पहुंचे थे। उन्होंने खाना-पीना बनाकर खाया और जमकर डांस की। पिकनिक स्पॉट पर पुलिस बल और दंडाधिकारी भी तैनात रहे।

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि पार्क, डैम और अन्य पिकनिक स्पॉट पर शांतिपूर्वक लोगों ने नव वर्ष का आनंद लिया। कहीं से भी कोई अप्रिय घटना की सूचना अबतक नहीं है। सभी पिकनिक स्पॉट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

शिबू सोरेन से बंधु तिर्की ने की मुलाकात, दी नववर्ष की शुभकामनाएं

रांची : नव वर्ष के पहले दिन बुधवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन से पूर्व मंत्री और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने उनके आवास पर मुलाकात की। तिर्की ने उनके दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना की। तिर्की ने रुपी सोरेन से भी भेंट कर नये साल की शुभकामनायें देते हुए स्वस्थ एवं लम्बी आयु की कामना की। सोरेन दंपति ने भी तिर्की को आशीर्वाद दिया और नववर्ष की शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

ब्रह्म की प्राप्ति भ्रम की समाप्ति : निरंकारी मिशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : ब्रह्म ज्ञान प्राप्ति के बाद ही जीवन में वास्तविक भक्ति शुरू होती है और इसकी स्थिरता से ही जीवन भक्तिमय और आनंदमय बनता है।' उक्त शब्द सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के संदेश को सांझा करते हुए नववर्ष के शुभारंभ पर रांची नामकुम में आयोजित विशेष सत्संग को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। यह जानकारी रांची ब्रांच के बहन ललित सूद ने दी। ईश्वरीय ज्ञान के महत्व को समझाते हुए कहा कि ब्रह्मज्ञान का अर्थ हर पल उसके प्रकाश में जीना है और यह अवस्था हमारे जीवन में तभी आती है जब यह निरंतर हो, इससे सही मायनों में मुक्ति मिलती है। लेकिन इसके विपरीत यदि हम माया (भ्रम और आसक्ति) के प्रभाव में रहते हैं, तो आनंद और मुक्ति की स्थिति प्राप्त करना संभव नहीं है। जीवन का वास्तविक उद्देश्य माया के प्रभाव से खुद को बचाना और जीवन के उद्देश्य को समझना है, जो कि ईश्वर को जानना है। इस संसार में निरंकार और माया दोनों की उपस्थिति निरंतर बनी रहती है। इसलिए हमें निरंकार के साथ जुड़कर भक्ति में लीन होना होगा। सेवा, सिमरन, सत्संग हमारे जीवन में या हमारी चेक लिस्ट में मात्र शब्द नहीं हैं, बल्कि हमें निरंकार के साथ जुड़कर अपने कल्याण के लिए काम करना चाहिए। बहन जी ने उदाहरण देकर समझाया कि जब विद्यार्थी विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते हैं और विषय समझ में नहीं आता तो शिक्षक हमारी शंकाओं का समाधान करने के लिए होते हैं।

कोल इंडिया रांची मैराथन 2025 तीसरे संस्करण की वेबसाइट लांच

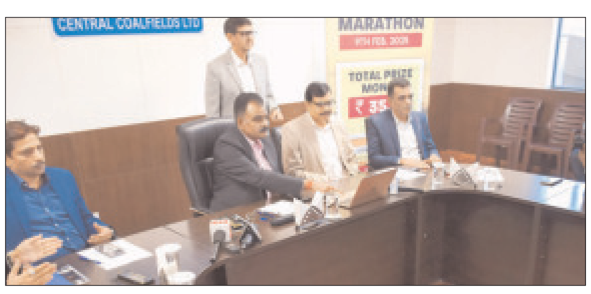

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने कोल इंडिया रांची मैराथन के तीसरे संस्करण की आधिकारिक वेबसाइट का उद्घाटन किया है, जो इस प्रतिष्ठित आयोजन की सफलतापूर्वक संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वेबसाइट का उद्देश्य स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और सामुदायिक एकजुटता को बढ़ावा देना है, साथ ही इसमें इस आयोजन से संबंधित सभी पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी।

इस वेबसाइट का शुभारंभ सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने बड़े उत्साह के साथ किया। इस अवसर पर उनके साथ सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) हरीश दूहन, मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए मैराथन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सीसीएल कोयला उत्पादन में उत्कृष्टता के साथ-साथ समाज और समुदाय के कल्याण के लिए कई सराहनीय कार्य कर रहा है। इस आयोजन को स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने का अद्भुत मंच बताते हुए उन्होंने इसे समुदाय के बीच जागरूकता फैलाने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया।

यह मैराथन 9 फरवरी 2025 को आयोजित की जाएगी और इसे पिछले दो संस्करणों की अपार सफलता के आधार पर और भी प्रभावी और आकर्षक बनाने की योजना है। पिछले संस्करणों ने हजारों धावकों को आकर्षित किया और स्वास्थ्य व तंदुरुस्ती के साथ-साथ एकता और सहयोग की भावना को भी मजबूती प्रदान की। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार की मैराथन एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ पंजीकृत है और इसका मार्ग एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस द्वारा प्रमाणित है। यह आयोजन न केवल पेशेवर धावकों के लिए बल्कि आम नागरिकों के लिए भी एक विशेष अवसर है।

तीन प्रमुख श्रेणियों में फुल मैराथन (42 किमी), हाफ मैराथन (21 किमी), और 10 किमी दौड़ आयोजित की जाएंगी। प्रत्येक श्रेणी के विजेताओं के लिए आकर्षक नकद पुरस्कार रखे गए हैं, जिसमें फुल मैराथन के शीर्ष विजेताओं को 3.30 लाख, हाफ मैराथन के विजेताओं को 2.20 लाख और 10 किमी दौड़ के विजेताओं को 1.10 लाख का पुरस्कार मिलेगा। कुल मिलाकर 35.10 लाख की पुरस्कार राशि शीर्ष प्रतिभागियों में वितरित की जाएगी।

वेबसाइट को नवीनतम तकनीक और उपयोगकर्ता अनुभव को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इसमें पंजीकरण पोर्टल, मैराथन रूट की जानकारी, कार्यक्रम का विवरण और दिशा-निर्देश शामिल हैं। ज्ञात हो कि इस वेबसाइट को सीसीएल के इन-हाउस प्रणाली विभाग के अभियंताओं द्वारा तैयार किया गया है।

राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव के मेले में पहुंचे 25 हजार लोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड उद्योग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25 के 13 वे दिन 1 जनवरी 2025 होने के कारण नव वर्ष को लेकर भारी उत्साह है। महोत्सव में लोगों द्वारा नव वर्ष का जश्न मनाया जा रहा है। सुबह से ही खीली एवं गुनगुनी धूप में लोगों को आगमन शुरू हो गया था। महोत्सव में लगभग 20000 टिकट बिके एवं लगभग 25000 लोगों ने भ्रमण किया। महोत्सव परिसर में झारखंड पर्यटन विभाग की तरफ से लगाए गए स्टाल में झारखंड के सभी पर्यटन स्थलों की जानकारी विस्तृत रूप से दी जा रही है। मेला परिसर में स्केचिंग का जीवन प्रदर्शन किया जा रहा है। कालीन जोन में लोगों द्वारा कालीन बहुत पसंद किया जा रहा है ईरानियन कारपेट करीब ढाई लाख का बिक्री किया जा रहा है कालीन में बहुत बारीक काम किया गया है। बारीकी का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि कालीन की 2 इंच की बुनाई दो दिन में पूरी होती है जो सिल्क के धागों से बना है। इस कालीन पर पूरे गांव का नक्शा बना हुआ है ल आज महोत्सव में आने वाले आगंतुक एवं बच्चे स्वयं चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाना उत्साह के साथ सीख रहे हैं साबरमती आश्रम के जीवंत प्रदर्शनी में बच्चों की भीड़ अधिक रहती है,तथा गांधी जी से संबंधित चित्र प्रदर्शनी से बहुत ही जानकारी प्राप्त की जा सकती है। महोत्सव में राजकीय शोक समाप्त होने के पश्चात दिनांक 2.1.2025 से बच्चों के खेलकूद प्रतियोगिता एवं प्रतिदिन महोत्सव में आने वाले आगंतुकों के मनोरंजन के लिए कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जाएगी दिनांक 2.1 .2025 को कला एवं संस्कृति विभाग के द्वारा महोत्सव में विश्व देव महतो एवं दल पूर्वी सिम जमशेदपुर द्वारा नटुवा नृत्य तथा जैनब जुबिन एवं दल द्वारा हिंदी गायन की प्रस्तुति की जाएगी।

परमहंस योगानंद जिन्होंने क्रिया योग को आम जनों तक पहुंचाया

अलकेश त्यागी

रांची : गणित के समान सत्य "क्रियायोग" के शाश्वत विज्ञान को आमजन तक पहुंचाने के लिए महान आध्यात्मिक विभूतियों ने जिस बालक को चुना उसका नाम था मुकुंद घोष। जन्म से लेकर महासमाधि तक की घटी घटनाएं उनके अवतार सदृश जीवन की गवाह है।

5 जनवरी 1893 को गोरखपुर में एक बंगाली दंपति के घर बालक मुकुंद घोष का जन्म कोई साधारण घटना नहीं थी। यदि साधारण होती तो जनवरी 1894 के कुंभ मेले में, उनके गुरु स्वामी श्री युक्तेश्वर गिरी से, जो उस समय स्वामी भी नहीं थे, अमर गुरु महावतार बाबाजी यह नहीं कहते कि कुछ वर्षों बाद मैं आपके पास एक शिष्य भेजूंगा जिसे आप पश्चिम में योग का ज्ञान प्रसारित करने के लिए प्रशिक्षित कर सकते हैं। और अंततः स्वामी श्री युक्तेश्वरजी से, जुलाई 1915 में सन्यास दीक्षा ले मुकुंद, योगानंद बन गए। इसके अलावा सितंबर 1893 में शिकागो में स्वामी विवेकानंदजी ने एक किशोर डिकेन्सन से कहा कि... नहीं बेटा, मैं तुम्हारा गुरु नहीं हूं। तुम्हारे गुरु बाद में आएंगे। वह तुम्हें चांदी का गिलास देंगे। अंततः 1936 में योगानंदजी से क्रिसमस उपहार पा डिकेन्सन ने स्वीकार किया कि आज, तैंतालीस साल पूर्व स्वामी विवेकानंद द्वारा दिया आश्वासन पूरा हुआ। कालान्तर में सच हुईं, दोनों ही घटनायें तब घटीं जब योगानंदजी क्रमशः मात्र एक वर्ष और 9 महीने के थे।

ग्यारह वर्ष की आयु में मां को खोने के बाद मिला, मां का संदेश और कवच (ताबीज) भी उनके अवतारी होने को प्रमाणित करते हैं। शिशु योगानंद के लिए लाहिड़ी

जयंती पर विशेष

महाशय का कहना कि छोटी मां तुम्हारा पुत्र एक योगी होगा। एक आध्यात्मिक इंजन बनकर यह अनेक आत्माओं को ईश्वर के साम्राज्य में ले जाएगा। योगानंदजी के अवतारी जीवन का भौतिक प्रमाण वह घटना थी, जब प्रार्थना करती उनकी मां के जुड़े हाथों के बीच एक गोल विचित्र ताबीज प्रकट हुआ। इसमें संस्कृत के अक्षर खुदे थे। ताबीज के बारे में उनकी माँ को एक साधु ने बताया था कि गुरुजन उन्हें बताना चाहते हैं कि अगली बीमारी उनकी अंतिम बीमारी सिद्ध होगी। अमानत के रूप में रखने के लिए उन्हें एक चांदी का ताबीज दिया जाएगा जिसे मृत्यु की घड़ी में अपने बड़े बेटे को देकर एक वर्ष बाद दूसरे बेटे मुकुंद को सौंपने के लिए कहना। उस ताबीज के मर्म को मुकुंद समझ लेगा। कथन की सच्चाई को प्रमाणित करने के लिए साधु ने कहा कि मैं ताबीज नहीं दूंगा। कल प्रार्थना के समय वह स्वतः तुम्हारे हाथों में प्रकट होगा और फिर वैसा ही हुआ। समय के साथ लाहिडि महाशय और साधू के कथन सही सिद्ध होना प्रमाण ही हैं। योगानंदजी ने 1917 में,योगदा सत्संग सोसाइटी yssofindia.org की नींव डाली। 1920 में उन्हें अमेरिका के बोस्टन में आयोजित धार्मिक उदारवादियों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि के रूप में भाग लेने का निमंत्रण मिला। योगानंदजी की, ईश्वर से आश्वासन की प्रार्थना पर, महावतार बाबाजी ने 25 जुलाई 1920 को दर्शन देकर कहा कि अपने गुरु की आज्ञा का पालन करो और अमेरिका चले जाओ। डरो मत; तुम्हारा पूर्ण संरक्षण किया जाएगा। तत्पश्चात उन्होंने क्रियायोग के प्रसार हेतु अमेरिका में 1925 में self-realization फैलोशिप की स्थापना की और अंत में 7 मार्च 1952 को लॉस एंजिलिस में भारतीय राजदूत विनयरंजन सेन के सम्मान भाषण के बाद मंच पर खड़े-खड़े महासमाधि लेना और उनकी पार्थिव देह का निर्विकारता की अद्भुत अवस्था प्रदर्शित करना उनके अवतारी जीवन का अंतिम प्रमाण था।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सभी को दी नव वर्ष की बधाई

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नव वर्ष पर सभी को बधाई दी है। राज्यपाल ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि नववर्ष आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा, अपार खुशियां, सफलता और समृद्धि लेकर आए, यही मेरी हार्दिक कामना है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर कहा है कि राज्य के अमर वीर शहीदों और महान क्रांतिकारियों के सपनों तथा राज्यवासियों के आकांक्षाओं को साकार करते हुए सोना झारखंड का निर्माण हमें मिलकर करना है। अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक संवेदनशीलता के साथ पहुंचकर हम उन्हें राज्य के सर्वांगीण विकास का हिस्सा बनाने का भी काम करेंगे। उन्होंने कहा है कि सभी के सहयोग से आने वाले समय में बेहतर और दूरदर्शिता के साथ राज्य आगे बढ़ेगा। नववर्ष 2025 आप सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सुख-शांति लाए। सभी स्वस्थ रहें, यही कामना करता हूं।

राज्यपाल से मुख्य सचिव सहित अन्य ने की मुलाकात, दीं शुभकामनाएं

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को राजभवन में राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी सहित अन्य ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने राज्यपाल को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने भी उनको नव वर्ष की मंगलकामनाएं दी। राज्यपाल से राज्य के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने भेंट की और नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने भी पुलिस महानिदेशक को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। इसी प्रकार राज्यपाल से राजभवन में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने भेंट कर नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। राज्यपाल ने भी उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इसके अलावा राज्यपाल से रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने भेंट कर राज्यपाल को नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। राज्यपाल ने भी उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

डीजीपी ने नव प्रोन्नत अधिकारियों को बैज लगाकर किया सम्मानित

रांची : पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने नव वर्ष के प्रथम दिन बुधवार को कार्यालय कक्ष में नव प्रोन्नत पुलिस महानिरीक्षक अनुप बिरथरे, पटेल मयूर कन्हैया लाल, पुलिस उप-महानिरीक्षक चन्दन कुमार झा और पुलिस उप महानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा को बैज लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एडीजी सुमन गुप्ता, आईजी अभियान अमोल विणुकांत होमकर, आईजी पंकोज कम्बोज, ए विजयालक्ष्मी, कार्तिक एस, डीआईजी नौशाद आलम, शैलेन्द्र वर्णवाल, एसपी अमीत रेणु तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने गत मंगलवार रात को इन अधिकारियों को प्रोन्नति दी थी।

श्रीश्याम मंदिर में भक्तों का उमड़ा सैलाब

रांची : पहली जनवरी के अवसर पर हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पहली जनवरी के अवसर हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में आज विशेष अनेक कार्यक्रम हुये। प्रात: 5 बजे श्रीश्याम मंदिर के पट खोले गए। मंगला आरती करके बालभोग अर्पित किया। इसी समय से श्रीश्याम मंदिर में भक्तों की आपार भीड़ रही जो देर रात मंदिर के पट बन्द होने तक निरन्तर रही। खाटूनरेश सहित सभी देवी-देवताओं को केशरिया कलर का नया पौशाक पहनाया गया। श्रृंगारित दरबार का पट खोलकर श्रृंगारित आरती करके मंदिर में निर्मित 101 किलो शुद्ध घृत का बुदिया, लड्डू का भोग अर्पित किया गया। श्रृंगार आरती में 1000 से ज्यादा श्रद्धालु ने भाग लिया। लगभग 20 हजार से ज्यादा भक्तजनों ने खाटूनरेश के दरबार में शीश झुकाया। दोपहर 2 बजे विश्राम के लिए पट बन्द कर दिया गया। पुन: सायं 4.30 बजे मंदिर के कपाट खोले गए। इसके पहले से ही भक्तों की लम्बी-लम्बी कतारें लग गयी थी। रात्रि 7 बजे ग्वाल भोग अर्पित कर पंचदीपो से ग्वाल आरती की गयी। इस अवसर पर 101 दीप जलायें गए। मण्डल के मंत्री श्यामसुंदर शर्मा के नेतृत्व में मंदिर के पंच आचार्यों ने सभी देवी-देवताओं का श्रृंगार किया। श्रीश्याम मंदिर के बाहर स्कूटर,कार, साईकिल का जमघट लग गया। मंदिर प्रबंधकों ने यातायात की सुचारू व्यवस्था में सहयोग किया। उर्मिला देवी जैन, अजय - कविता जैन, अकवी जैन, अभिषेक जैन के परिवार ने पहली जनवरी के कार्यक्रम की सेवा निवेदित कर खाटूनरेश के दरबार में मत्था टेका। महामंत्री श्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि खाटूधाम स्थित श्रीश्याम मंदिर के परम्परा के अनुसार ही हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में सम्पूर्ण कार्य सम्पादित हुए।

एक नजर

बोकारो ओपन बास्केटबॉल चैंपियनशिप संपन्न

बोकारो : बोकारो के जनवृत 12 स्थित बास्केटबॉल कोर्ट में 21वा बोकारो ओपन बास्केटबॉल चैंपियनशिप सोमवार को प्रारंभ हुआ। प्रतियोगिता में बोकारो की लगभग 30 टीमें भाग ली है। प्रतियोगिता में अंडर 14 बालक एवं बालिका, किड्स ग्रुप एवं सीनियर टीम भी भाग ली है। सभी मैच लीग मैच के आधार पर कराई गई है। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि अनुराधा सिंह विशिष्ट अतिथि डायरेक्टर प्रिंसिपल ओरिएंटल पब्लिक स्कूल डॉ अमीर हुसैन थे। अनुराधा सिंह डॉ.आमिर हुसैन ने कहा कि इस तरह की आयोजन होने से बच्चों के अंदर जो प्रतिभा है वह बाहर निकलती है। इसके आयोजन में सभी पुराने एवं नए खिलाड़ी बढ़ चढ़ कर भाग लेते हैं। प्रतियोगिता में ही बेहतर प्रदर्शन के आधार पर अंडर 14 16 के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों का चयन भी किया गया एवं चयनित खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता के लिए प्रशिक्षण दिया गया। खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 28 दिसम्बर एवं टीमों का चयन 29 दिसंबर को शाम में 5 बजे किया गया था। बालिका प्रतियोगिता मे द वारियर और होपर्स के बीच मुकाबला हुआ।

खरसावां गोलीकांड के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

बोकारो: शहर के सेक्टर 12 स्थित जयपाल नगर में आदिवासी समुदाय ने खरसावां गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान शहीद स्मारक की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया। अध्यक्षता रेंगो बिरूआ ने किया। मौके पर योगो पूर्ती ने कहा कि एक जनवरी के दिन ही खरसावां हाट में 50 हजार से अधिक आदिवासियों की भीड़ पर ओड़िशा मिलिटरी पुलिस ने अंधाधुंध गोलीबारी की थी। जिसमें 25 से 30 हजार लोग शहीद हुए। इस सभा स्थल में संविधान सभा के सदस्य जयपाल सिंह मुंडा स्वतंत्रता अधिनियम के तहत आदिवासी क्षेत्रों के करार की जानकारी देने पहुंचने वाले ही थे। लेकिन पुलिस ने भीड़ को घेर कर बिना कोई चेतावनी दिए निहत्थे लोगों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। आगे बताया कि खरसावां के इस ऐतिहासिक मैदान में एक कुआं था, भागने का कोई रास्ता भी नहीं था। कुछ लोग जान बचाने के लिए मैदान में मौजूद एकमात्र कुएं में कूद गए, पर देखते ही देखते वह कुआं लाशों से पट गया। आदिवासी समुदाय के लोग खरसावां को आड़िशा में विलय किये जाने का विरोध कर रहे थे और खरसावां को बिहार में शामिल करने की मांग करे रहे थे। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज अपने इतिहास को जानने की कोशिश करें। साथ ही नए साल के त्योहार को त्याग करते हुए अपने वीर शहीदों को नमन व याद करें।

प्रबंधन की अनुपस्थिति से यूनियन के सदस्यों में आक्रोश

बोकारो : जहां नए साल में लोगों में खुमार चढ़ा हुआ है वहीं दूसरी तरफ विस्थापित एवम् कर्मचारियो के 16 सूत्री मांगो को लेकर टी टी पी एस विद्युत कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी आज प्रबंधन के बुलावे पर वार्ता हेतु टी टी पी एस ललपनिया के प्रशासकीय भवन पहुंचे। लेकिन कार्यालय में वार्ता के लिए प्रबंधन के कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं थे। टी टी पी एस प्रबंधन के इस रवैए को देखकर यूनियन के के लोग आक्रोशित। हो गए और नारेबाजी करने लगे।और धरने के शक्ल में मुख्य गेट पर बैठ गए ।यह देखते हुए प्रबंधन ने सुरक्षा व्यवस्था भंग न हो इसको लेकर केंद्रीय सुरक्षा बल को तैनात कर दिया। बताते चले कि यूनियन द्वारा एक अगस्त को 16 सूत्री मांगो पर समझौता वार्ता करने के लिए आग्रह भी किया गया । परन्तु कोई नतीजा नहीं निकला। आचार संहिता में अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो ने महाप्रबंधक को मामले को लेकर वार्ता करने का निर्देश दिया।

नाबालिग प्रेमी जोड़े ने 30 वर्षीय युवक की पत्थर से मारकर की हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : प्रेमी जोड़े को आपत्तिजनक स्थिति में देखना एक युवक को महंगा पड़ गया। प्रेमी जोड़े ने युवक की निर्मम तरीके से हत्या कर दी। युवक का शव घोषालडीह गांव के पीछे नया विश्वाडीह के जंगल में झाड़ियों के बीच पाया गया। पुलिस ने हत्यारोपी प्रेमी जोड़े को हिरासत में ले लिया है। 30 वर्षीय मृतक संतोष महतो उर्फ मजनू घोषालडीह गांव का रहने वाला था। हत्यारोपी प्रेमी जोड़ा नाबालिग है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मृत संतोष रोजाना की तरह मंगलवार को अपने घर के लगभग पांच सौ मीटर पीछे मवेशियों को चरा रहा था। इसी क्रम में संतोष ने जंगल में प्रेमी जोड़ा को आपत्तिजनक

स्थिति में प्रेमालाप करते हुए देख लिया। इस घटना के बाद प्रेमी जोड़े ने अपने कुकर्मों का पदार्फाश होने के भय से संतोष को दबोच कर जमीन पर पटकते हुए उसके सिर पर पास में ही पड़े बड़े पत्थर से प्रहार कर दिया। जोरदार तरीके से की गई प्रहार से संतोष का सिर बुरी तरह क्षत विक्षत हो गया। साथ ही मृतक की आंखें तक बाहर आ गई थी। घटना के दौरान मृतक का चीख सुनकर गांव के ही दो छोटे बच्चे घटनास्थल की ओर दौड़े। बच्चों ने वहां से भागते हुए प्रेमी जोड़े को देख लिया। दोनों बच्चों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। इसके गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंचे, तब-तक युवक की मौत हो चुकी थी। रोते बिलखते परिजनों ने घटना की सूचना पूर्वी टुंडी पुलिस को दी। थानेदार तारीख वसीम दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के सामने एक चांदी का चेन, कोंडोम बरामद किया। पुलिस ने खून से लथपथ पत्थर को भी जब्त किया है। घटना के प्रत्यक्षदर्शी उक्त दोनों बच्चों ने थानेदार के सामने प्रेमी जोड़े का नाम भी बताया। प्रेमी जोड़ा दसवीं कक्षा में एक साथ पढ़ता है। जानकारी के अनुसार इन दोनों के बीच काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। थानेदार तारीख वसीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रेमी जोड़े को हिरासत में ले लिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

मॉक टेस्ट का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : संकल्प एजुकेशन अंगार पथरा में आज जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2025 को लेकर एक मॉक टेस्ट का आयोजन किया गया। जिसमें कतरास एवं धनबाद क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मॉक टेस्ट में कुल 80 प्रश्न थे। 40 प्रश्न मानसिक योग्यता से 20 प्रश्न गणित से एवं 20 प्रश्न भाषा विषय से थे। प्रतिभागियों में प्राथमिक विद्यालय पासी टांड़ मलकेरा के छात्र प्रतीक कुमार एवं हिंदी गुजराती मध्य विद्यालय कतरास का छात्र युग आर्य 97% अंक लाकर प्रथम स्थान पर रहे ।टाटा डीएवी स्कूल भेलाटांड़ का छात्र आदित्य शर्मा एवं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तेतुलमारी का छात्र अक्षत कुमार 96% अंक लाकर द्वितीय स्थान पर रहे। न्यू केशलपुर प्राथमिक विद्यालय की छात्रा मानवी कुमारी प्रीमिया ऋषिकेश भेलाटांड़ की छात्रा स्नेहा कुमारी एवं सिंबोसिस पब्लिक स्कूल बरवाड़ा का छात्र रोहित कुमार 94% अंक लाकर तीसरे स्थान पर रहे। विजेताओं को संकल्प एजुकेशन के निदेशक सहदेव महतो ने पुरस्कृत किया। 18 जनवरी को धनबाद जिले के विभिन्न केन्दो पर जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का आयोजन धनबाद जिले में 80 सीटों के लिए होना तय है।

नववर्ष पर चेचकाधाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, डीडीसी ने की पूजा अर्चना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास प्रखण्ड पंचायत कुमहरी स्थित पौराणिक चेचकाधाम में नवबर्ष मे श्रदालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रदालुओं ने दामोदर नदी में स्नान कर शिवालय में पुजा अर्चना कर मन्नत मांगी। चेतु धाम स्थित शिव मंदिर, पार्वती मंदिर, काल भैरवी, शीतला, माँ वैष्णवी, शनि, बजरंगबली, नंदी, गणेश, राधाकृष्ण, तथा भगवान विष्णु का पद चिन्हों का दर्शन कर पुजा अर्चना किया। पुजारी बाबा सर खेल, दिलीप पाठक, बिजय उपाध्याय, सदानंद उपाध्याय, बाबा मृत्युजंय तिवारी, काजल तिवारी, विजय उर्फ बुलबुल उपाध्याय, आदि पंडित ने श्रदालुओं को पुजा अर्चना कराया। इस अवसर पर संजय उपाध्याय व बुलबुल उपाध्याय के नेतृत्व में श्रदालुओं के सहयोग से 551 किलो दुध का

जुडी. भोग (खीर) चढाया गया। एंव हजारो श्रदालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। बोकारो उप विकास आयुक्त सपरिवार के साथ चेचकाधाम पर माथा टेक कर पुजा अर्चना किया। बोकारो वासीयों केलिए सुख समृद्धि अमन चैन की दुवा मांगी। उन्होंने चेचकाधाम की चहुमुखी विकास करने की बात कही। उनहोंने कहा चेचकाधाम में पेयजल, चेकडेमनिर्माण, बगल के तलाब का जीर्णोद्धार कार्य सहित विकास के कार्य किया जाएगा ।चेचकाधाम पर सबका सहयोग से किसी भी प्रकार की श्रदालुओं की सुविधाओं की कमी नहीं होगी। चेचकाधाम कमेटी का गठन करने का निर्देश मुखिया वनिता देवी को निर्देश देते हुए कहा कि अभिलंब बैठक कर एक सशक्त कमेटी बनाया जाए और नहीं तो सरकारी कमेटी बनेगी । मुखिया वनिता देवी ने डीसी महोदय से आग्रह करते हुए कहा कि बहुत जल्द एक सप्ताह में बैठक कर कमेटी बनाई जाएगी।

तीन जनवरी को श्यामल चक्रवर्ती का शहादत दिवस मनाने का फैसला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : बुधवार को श्यामल चक्रवर्ती स्मारक समिति एवं भाकपा माले जिला कमेटी के एक बैठक आईआईटी आईएसएम प्रथम गेट के समीप धनबाद में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता स्मारक समिति का अध्यक्ष सह पुर्व विधायक आनंद महतो ने की एवं संचालन माले जिला सह सचिव कार्तिक प्रसाद ने किया। बैठक में निर्णय लिया गया की 3 जनवरी को शहीद श्यामल चक्रवर्ती की शहादत दिवस मनाने का निर्णय लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दयामणि बारला एवं विशिष्ट अतिथि में निरसा विधायक अरूप चट्टर्जी, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, बोकारो

विधायका श्वेता सिंह, चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक, पुर्व विधायक विनोद सिंह, पूर्व विधायक राजकुमार यादव होंगे। साथ ही निर्णय लिया गया की स्मारक समिति के सदस्यों द्वारा मुख्य अतिथि एंव विशिष्ट अतिथि को मोमेंटम एवं गुलदस्ता देकर सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में धनबाद कोयलांचल से हजारों समर्थकों का जुटान होगा एवं श्रद्धांजलि सभा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होकर शहीद श्यामल चक्रवर्ती को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से काशीनाथ चटर्जी, निताय महतो, हरि प्रसाद पप्पू, बिन्दा पासवान, समीर गोस्वामी, पवन महतो, राणा चटराज, कल्याण घोषाल, डोरा मंडल, सम्राट चौधरी, कल्याण चक्रवर्ती, हिमांशु मंडल, विश्वजीत राय, रोहित महतो, चन्दन भूमिहार आदि उपस्थित थे।

ट्रक ने स्कॉर्पियो को मारी टक्कर, बाल-बाल बचे लोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : तिलाटांड़ में बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर मिनी ट्रक ट्रक ने यात्री सवार स्कॉर्पियो को पीछे से टक्कर मार दी। दोनों वाहन कतरास से भटमुरना की ओर एक ही दिशा में जा रहे थे। दुर्घटना में स्कॉर्पियो सवार यात्री बाल-बाल बच गए। हादसा इतना गंभीर था कि स्कॉर्पियो के पिछले हिस्से को भारी क्षति पहुंची, लेकिन गनीमत रही कि कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ट्रक चालक की लापरवाही से यह घटना हुई है। ट्रक और स्कॉर्पियो दोनों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस का बयानः पुलिस के अनुसार, ट्रक चालक का पता लगाया जा रहा है, और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सभी यात्रियों की हालत फिलहाल सामान्य बताई जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और गति सीमा का पालन करें। आपके सतर्कता से हादसों को टाला जा सकता है। डीपीएस बोकारो के शिक्षक प्रोसांता कुमार एवं मेकअप आर्टिस्ट दीपान्विता कुमार की सुपुत्री त्रिनयोना को बचपन से ही नृत्य में रुचि रही है और वह इसी क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहती है। पांच साल की उम्र से ही उसने नृत्य सीखना शुरू कर दिया था और विद्यालय में गहन प्रशिक्षण पाते हुए अपने कौशल को निखारकर आज वह अपने मुकाम की ओर तेजी से अग्रसर है। उसने नृत्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पुरस्कार अर्जित किए हैं।

जलियांवाला बाग हत्याकांड से भी बड़ी घटना थी खरसावां हत्याकांड : देवनारायण मुर्मू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से पेटरवार+2 हाईस्कूल मैदान में खरसावां के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। अध्यक्षता पेटरवार सेंगेल विडीयो विजय कुमार मारंडी ने किया। मौके पर मुख्य अतिथि आदिवासी सेंगेल अभियान के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष देवनारायण मुर्मू ने कहा कि आज का दिन आदिवासी समाज के लिए काला दिन है। आज ही के दिन 1 जनवरी 1948 को खरसावां के बाजार टांड़ में हजारों आदिवासी जमा हो कर खरसावां जिला पश्चिमी सिंहभूम आदि को उड़ीसा राज्य में शामिल होने का विरोध कर रहे थे। सभा को आदिवासी नेता

जयपाल सिंह मुंडा संबोधित करने वाले थे। लेकिन उड़ीसा पुलिस ने शांति पूर्ण सभा कर रहे निहत्थे लोगों के उपर गोलियां चलाई और हजारों लोगों को मौत के घाट उतार दिया, भागदौड़ में बहुत से लोग वहां स्थित कुएं में गिर गाए। आजाद भारत के इतिहास में यह जलियांवाला बाग हत्याकांड से भी बड़ी घटना थी। जिनकी जांच भी तक नहीं हुई तथा उनको न्याय नही मिला। उसी प्रकार 2 जनवरी 1948 को कलिंग नगर गोली कांड में तीन निहत्थे आदिवासियों को गोली मार दिया गया जो टाटा कम्पनी के द्वारा जबरन जमीन कब्जा करने का विरोध कर रहे थे। अपनी जमीन बचाने के लिए आन्दोलन करने पर उन्हें मार दिया गया। इसलिए 1और 2 जनवरी को आदिवासी समाज के लिए दुःख का दिन है। सभा को सेंगेल मांझी परगना मंडवा प्रदेश अध्यक्ष चन्द्र मोहन मार्डी सेंगेल सरना धर्म मंडवा प्रदेश अध्यक्ष रामकुमार मुर्मू हजारीबाग जोनल अध्यक्ष विजय टुडू बोकारो महिला मोर्चा अध्यक्ष ललिता सोरेन ने भी संबोधित किया मौके पर पेटरवार प्रखंड युवा मोर्चा अध्यक्ष संजय टुडू संयोजक हरिश्चन्द्र मुर्मू नमिता टुडू विनोद हेम्ब्रम चितमुनी मरांडी, सुनीता कुमारी,लालमुनी टुडू आदि लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

लोयाबाद में दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

धनबाद : लोयाबाद सुमंत स्कूल के 8 नंबर ग्राउंड में बीते शाम दो दिवसीय नाइट लोयाबाद प्रीमियर लीग (एलपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि लोयाबाद 8 नंबर मदरसा के इमाम मेहराब आलम,गुलाम रजा एवं दैनिक अखबार के संवाददाता जितेंद्र चौधरी ने सयुक्त रूप से फीता काटकर टूर्नामेंट की शुरूआत की। खेल की शुरूआत और टीमें पहली पारी सरफराज सुपर किंग और अरशद वॉरियर्स के बीच खेली गई। इस टूर्नामेंट में कुल चार टीमों ने हिस्सा लिया। शॉर्ट पिच क्रिकेट पर आधारित यह टूर्नामेंट अपनी रोमांचक प्रतियोगिताओं के लिए जाना जा रहा है। युवाओं की मेहनत इस आयोजन की पूरी योजना और तैयारी स्थानीय युवाओं द्वारा पिछले एक सप्ताह से की गई थी। ग्राउंड की सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाएं युवाओं के सहयोग से की गईं। यह आयोजन क्रिकेट प्रेमियों और खिलाड़ियों के बीच उत्साह का माहौल बना रहा। मुख्य योगदानकर्ता इस टूर्नामेंट को सफल बनाने में मोहम्मद अरशद, मोहम्मद इकबाल, मोहम्मद सरफराज (बाबू), एहसान, मोहम्मद आजाद (नाथू), सेहवाज, मासूम और सब्बीर का विशेष योगदान रहा। इस आयोजन का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करना और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है। टूर्नामेंट के सीजन एक की शानदार शुरूआत से लोयाबाद के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है।

टीके सेनगुप्ता के निधन पर ईसीआरकेयू में शोक की लहर

धनबाद: धनबाद रेल मंडल के यूनियन का भूतपूर्व नेता टी के सेनगुप्ता का निधन का समाचार सुनते ही धनबाद रेल मंडल में ईसीआरकेयू मैं शोक की लहर दौड़ पड़ी यूनियन के मीडिया प्रभारी ने बताया कि, टीके सेनगुप्ता धनबाद मंडल के गोमो शाखा के एक दशक से ज्यादा समय तक शाखा सचिव पद में थे और बाद मे उन्होंने केंद्रीय पदाधिकारी भी रहे उस समय धनबाद रेल मंडल पूर्व रेलवे में आता था। इसलिए उस समय यूनियन को पूर्व रेलवे मेंस यूनियन नाम से जाना जाता है। जो अभी ईस्ट सेंटर रेलवे कर्मचारी यूनियन, ईसीआरकेयू नाम से जाना जाता है। टीके सेनगुप्ता अपना शाखा सचिव और केंद्रीय पदाधिकारी पद पर रहते हुए बहुत सारा रेल मजदूर हित में काम किये साथा ही साथ एक कर्मठ योग और ईमानदार देता थे वह कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और बी सिंह हॉस्पिटल सियालदह में भर्ती थे। अपने मरने से पहले वह भरपूर परिवार एक लड़का एक लड़की और पत्नी को छोड़ गये। ईसीआरकेयू केंद्रीय अध्यक्ष डीके डी के पांडेय, मोहम्मद जियाउद्दीन, ओपी शर्मा, नेताजी सुभाष,सोमेन दत्ता एन के खवास के अलावे धनबाद मंडल के सभी शाखा अध्यक्ष और शाखा सचिवों पीके सिन्हा, ए के भगत, बृज किशोर साव, अभय कुमार, बीबी सिंह ने गहरा दुख जाताये और भगवान से प्रार्थना किये की उनके आत्मा को शांति दे।

अमृत पार्क में खराब झूले दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण

धनबाद : रामराज मंदिर और लिलोरी स्थान में आज भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। दोनों धार्मिक स्थलों पर पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने मां लिलौरी और भगवान राम को प्रसाद चढ़ाकर सुख-समृद्धि की कामना की। नव वर्ष के अवसर पर पार्क में उमड़े लोगों की भीड़ के बीच बच्चों के झूलों की खराब स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। कई झूले जर्जर हो चुके हैं, जिससे बच्चों की सुरक्षा को गंभीर खतरा है। लिलोरी स्थान स्थित अमृत पार्क में बच्चों के साथ आए अभिभावक इस बात से काफी परेशान हैं। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द झूलों की मरम्मत कराने की मांग की है। खराब झूलों से बच्चों के गिरने और चोट लगने का खतरा रहता है। बच्चों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना नगर निगम धनबाद की जिम्मेदारी है। पार्क के देख रेख में लगे अधिकारियों को इस मामले पर तुरंत ध्यान देना चाहिए और झूलों की मरम्मत करवाना चाहिए। पार्क और मंदिर परिसर में अपने परिवार बच्चों के साथ लोगों ने पिकनिक का आनंद उठाते हुए देखा गया।

फरवरी में होने वाले श्री राम महायज्ञ के लिए सहयोग राशि काउंटर का हुआ शुभारंभ

धनबाद: आगामी फरवरी माह में होने वाले श्री राम महायज्ञ के सहयोग राशि काउंटर का उद्घाटन आज धनबाद सांसद ढुलू महतो के भतीजे प्रेम शंकर और खुशवंत देवा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, यज्ञ आयोजन समिति के सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। उद्घाटन के दौरान प्रेम शंकर ने कहा कि यह महायज्ञ समाज में आध्यात्मिक जागरूकता और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक सहयोग देने की अपील की। खुशवंत देवा ने कहा कि यह महायज्ञ न केवल धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह समाज में शांति, सद्भाव और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने इसे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताते हुए यज्ञ में सक्रिय भागीदारी की अपील की। इस अवसर पर यज्ञ आयोजन समिति ने बताया कि सहयोग राशि काउंटर का उद्देश्य अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को इस धार्मिक आयोजन से जोड़ना है। सहयोग राशि से महायज्ञ की सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति ने सभी सहयोगियों और उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। मुख्य रूप से कमल महतो, उमेश महतो, प्रकाश प्रसाद, बाबूलाल महतो, अजय राय, राहुल कुमार, यश सिंह, अंकित कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

असहाय लोगों के बीच थर्ड जेंडर राजकुमारी ने किया कंबल वितरण

बोकारो : हर साल की भांति नव वर्ष के शुभ अवसर पर थर्ड जेंडर राजकुमारी ने गरीब और असहाय लोगों को कंबल वितरण किया। उन्होंने कहा कि मैं एक किन्नर जो गरीब को हमेशा मदद के रूप में सामने आकर खड़ी रहती हूं। अनाथ बच्चों का पालन पोषण गरीब लोगों को कपड़ा जाड़े में कंबल वितरण करती हूं इस नव वर्ष की शुभ अवसर पर लोगों को मदद करना मुझे अच्छा लगता है और मैं प्रत्येक साल 1 जनवरी को साइक्लोन गरीब लोगों को कंबल वितरण करती हूं।

एक नजर

मोटरसाइकिल दुर्घटना में तीन घायल

साहिबगंज/बरहेट : बुधवार के अपराह्न बरहेट थाना क्षेत्र के सिंगा गांव निवासी 21 वर्षीय करण पंडित, 20 वर्षीय सनातन टुडू, एवं 18 वर्षीय करन तुरी, एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर बरहेट बाजार से अपने घर सिंगा जा रहा था तभी कुम्हारटोला बरहेट के पास मोटरसाइकिल असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें तीनों घायल हो गया। सभी का प्राथमिक उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में किया गया। दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल 21 वर्षीय करण पंडित को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। मोटरसाइकिल क्यों और कैसे असंतुलित हुई इस संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

जंगली हाथियों ने ग्रामीण को कुचलकर मार डाला

खूंटी: खूंटी जिले में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाथियों ने नववर्ष से पहले ही दिन कर्रा प्रखंड के छोटका केदली गांव में चुनकू बाखला नामक एक ग्रामीण की जान ले ली। जानकारी के अनुसार चुनकू बाखला बुधवार को अपने घर से खेत की ओर जा रहा था। रास्ते भी उसका सामना एक जंगली हाथी से हो गया। जंगली हाथी ने अपनी सूंढ़ से उसे उठाकर पटक दिया। इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही खूंटी के झामुमो विधायक राम सूर्या मुंडा छोटका केदारी गांव पहुंचे और मामले की जानकारी ली। गांव से ही उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। मामले की जानकारी मिलते विभाग के अधिकारी गांव पहुंचे और मृतक के परिजनों को 20 हजार रुपये की सहायता राशि दी। मौके पर विधायक ने कहा कि जंगली हाथियों से ग्रामीण दूर रहे और उनके साथ किसी प्रकार की छेड़खानी न करे। उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों को हर संभव सरकारी सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

उपायुक्त ने बुजुर्गों के बीच कंबल और खाद्य सामग्री का किया वितरण

कोडरमा : नए साल के पहले दिन बुधवार को उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने झुमरीतिलैया नगर परिषद स्थित वृद्धा आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के बीच बिताया। उपायुक्त ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से उनका हाल-चाल जाना और वृद्धों के बीच कम्बल और खाद्य सामग्री वितरित किया। उन्होंने वृद्धों से वृद्धाश्रम में होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी भी ली। इसके पश्चात उन्होंने कोडरमा स्टेशन स्थित काली मंदिर में पूजा अर्चना की। साथ ही वहां मौजूद सभी जरूरतमंदों के बीच कम्बल एवं खादय सामग्री का वितरण किया। उन्होंने जिलेवासियों को नए साल की बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे में ये वृद्ध अकेलापन महसूस न करें, इसलिए वे इनके बीच पहुंचकर कम्बल एवं खाद्य सामग्री का वितरण किये है। उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम में रह रहे लोगों के जरिये एजेंसी के बारे में कई शिकायतें मिल रही थी। इस पर संज्ञान लेते हुए समाज कल्याण विभाग को नई एजेंसी को इसकी देखभाल करने का जिम्मा देने का निर्देश दिया गया है। मौके पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग नीतीश कुमार निशांत, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

नववर्ष पर लोगों में दिखा उत्साह पिकनिक स्पॉट रहे गुलजार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : नव वर्ष 2025 का स्वागत को लेकर लोगो में भारी उत्साह देखा गया। किस्को, सेन्हा, कुडू और पेशरार प्रखण्ड क्षेत्र के पिकनिक स्पॉट मे लोगो की काफी भीड़ देखने को मिली। दिन भर पिकनिक स्पॉट गुलजार रहा, पिकनिक स्थल पर तरह तरह के पकवान के साथ लोग डीजे के धुन पर थिरकते नजर आए। बच्चे बूढ़े, महिलाएं सभी पिकनिक स्पॉट पर पहुंचकर विभिन्न प्रकार के भोजन बनाकर उसका लुत्फ उठाते देखे गए। किस्को प्रखण्ड के बंजारी डैम, बगड़ू पहाड़,लावापनी जलप्रपात, केकरांग जलप्रपात, पाखर, देवदरिया, चोरगाई सहित अन्य स्थानों के पिकनिक स्पॉट पर लोगो ने जाकर पिकनिक का लुत्फ उठाया। किस्को प्रखण्ड क्षेत्र के पिकनिक स्पॉट पर किस्को के आलावे, लोहरदगा, कुडू, भंडरा, सेन्हा सहित अन्य जगहों से भी लोग पहुंचे थे। साथ ही लोग यहां के मनोरम दृश्य को देख प्रफुल्लित हुए। यहां के हसीन वादियों को लोग कैमरे में कैद करते नजर आए। फैमली के साथ पहुंचकर पिकनिक स्पॉट में लोगो का उत्साह देखते ही बन रही थीं। वही अधिकांश लोग गांव घर,नदी तालाबों किनारे भी पिकनिक मनाते नजर आए। जो लोग कही बाहर नही जा पाए, वे परिवार के साथ घर में ही पिकनिक मनाते नजर आए। वहीं नव वर्ष को लेकर मटन और चिकन दुकानों में काफी भीड़ देखी गई। वही इन दिनों में देसी और विदेशी शराब की बिक्री भी जोरो पर रही। दिन भर इन दुकानों में लोगो की भीड़ रही। ठंड के बावजूद सुबह से ही लोगो मे काफी उत्साह देखी गई। चारों ओर से लोग अपने-अपने परिवारों और मित्रों के साथ देर शाम तक पिकनिक मनाते रहे। नव वर्ष को देखते हुए बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ी रही। जिले में सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए थे। पिकनिक स्थलों में भी सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे।

नो हेलमेट, नो फ्यूल एवं नो सीट बेल्ट नो फ्यूल का अभियान चलाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के अंतर्गत जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में आज साहिबगंज जिले के सभी पेट्रोल पंप पर नो हेलमेट नो फ्यूल एवं नो सीट बेल्ट नो फ्यूल का अभियान चलाया गया। सड़क सुरक्षा की दृष्टि से सभी वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील होने का आग्रह किया गया एवं सभी को बताया गया कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करे एवं जिले एवं राज्य में हो रहे सड़क दुर्घटना में कमी ला सके एवं अपने एवं दूसरों का अनमोल जीवन की रक्षा कर सके। हर साल सड़क दुर्घटना में अनेकों जीवन की हानि हो रही है जिसे सड़क सुरक्षा के नियम एवं उपकरण जैसे हेलमेट, सीट बेल्ट आदि का प्रयोग कर सड़क हादसों से बचा जा सकता है। मौके पर सड़क सुरक्षा सदस्य मौजूद रहे।

प्रेरणा दिवस के रूप में रामटहल चौधरी का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : ओरमांझी रांची के पूर्व सांसद राम टहल चौधरी का 83वां जन्मदिन प्रेरणा दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बुधवार की सुबह से ही उनके आवास राम भवन दड़दाग में समर्थकों, शुभचिंतकों का तांता लगा रहा। जिन्होने श्री चौधरी से मिलकर उन्हे जन्मदिन की बधाई व शुभकामना देकर उनके सतत सक्रिय व बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। लोगों ने पौधा, बुके, डायरी, किताबें और अंगवस्त्र उन्हे भेंट किए। मुख्य कार्यक्रम झारखंड नागरिक विकास परिषद के बैनर तले आर.टी.सी.कॉलेज, दड़दाग के विवेकानंद सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें राज्यसभा सांसद प्रो.आदित्य प्रसाद साहु,बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी, सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो, कांके विधायक सुरेश बैठा, जिप सदस्य, कमिश्नर मुंडा, सरिता देवी, अनुराधा मुंडा, उप प्रमुख ओरमांझी रिजवान अंसारी, नामकुम उप प्रमुख वीणा देवी, शिक्षाविद डॉ.पारस नाथ महतो, डॉ.रूद्र नारायण महतो, श्यम नारायण महतो, सोमनाथ महतो, संतोष महतो, प्यारे लाल महतो, मनरखन महतो, डॉ. धनेश्वर महतो, पूर्व उप प्रमुख मुंतजीर अहमद रजा, जुगेश महतो,अनिल कुमार महतोसहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम में समाज में बेहतर काम करने वाले पत्रकार, किसान, समाजसेवी एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मजबूल खान, सुनील नायक, सरस्वती सुमन जैसे कलाकारों तथा छऊ नृत्य कलाकारों ने उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। मौके पर केक काटा गया और गीतों के जरिए कला कारों ने पूर्व सांसद को शुभकामना दी।कार्यक्रम में स्वागत भाषण नागरिक विकास परिषद के उपाध्यक्ष रणधीर कुमार चौधरी ने स्वागत भाषण एवं धन्यवाद ज्ञापन राजीव रंजन सिन्हा तथा शानदार संचालन शैलेन्द्र मिश्र ने किया।

डिजिटल महाकुम्भ : रेलकर्मियों की जैकेट पर लगे स्कैनर से यात्री बना सकेंगे टिकट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : महाकुम्भ 2025 को ध्यान में रखते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल ने डिजिटल तकनीक के उपयोग से टिकटिंग प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए एक अभिनव पहल शुरू की है। महाकुम्भ के दौरान, रेलवे के वाणिज्य विभाग के कर्मयोगी प्रयागराज जंक्शन पर विशेष ड्यूटी पर तैनात रहेंगे और हरे रंग की जैकेट पहनेंगे। इन जैकेट्स के पीछे एक क्यूआर कोड अंकित होगा, जिसे श्रद्धालु अपने मोबाइल से स्कैन कर सीधे यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। यह ऐप यात्रियों को बिना लाइन में खड़े अनारक्षित टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान करेगा। इस पहल से श्रद्धालु रेलवे स्टेशन पर भीड़ और लंबी लाइनों से बचते हुए सहजता से टिकट प्राप्त कर सकेंगे। डिजिटल भुगतान के माध्यम से टिकट बुकिंग की यह प्रक्रिया न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि महाकुम्भ के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करेगी। रेलवे कर्मी हरे रंग की जैकेट पहनकर स्टेशन और विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर अपनी सेवाएं देंगे, जिससे श्रद्धालुओं को टिकट बुकिंग संबंधित सहायता हर जगह मिल सके। क्यूआर कोड स्कैन करने पर एक लिंक मिलेगा, जो सीधे यूटीएस ऐप पर ले जाएगा। इसके माध्यम से यात्री टिकट बुकिंग के साथ-साथ अन्य सुविधाओं का भी लाभ उठा सकते हैं। उत्तर मध्य रेलवे की यह पहल डिजिटल इंडिया की दिशा में एक कदम और महाकुम्भ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी राहत साबित होगी। रेलवे का यह प्रयास तीर्थयात्रियों के अनुभव को और भी यादगार बनाएगा।

विभिन्न पिकनिक स्थलों पर रही सैलानियों की भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : अंग्रेजी नववर्ष के अवसर पर जिला के तालझारी प्रखंड क्षेत्र के मोतीझरना, बरहेट प्रखंड क्षेत्र के शिवगादी धाम, बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के बिंदुवासिनी मंदिर, उधवा प्रखंड क्षेत्र का उधवा पक्षी अभ्यारण, बोरियो प्रखंड क्षेत्र का बोंगाकोचा, मंडरो प्रखंड क्षेत्र का फॉसिल्स पार्क, राजमहल प्रखंड क्षेत्र का कन्हैया स्थान, मां पगली दुर्गा मंदिर मुंडली सहित अन्य पर्यटक स्थल,शहर के पहाड़ की तलहटी,झरना किनारे पिकनिक स्थलों में बिहार झारखंड बंगाल के सैलानी पहुंचे। जहां पूजा पाठ करके परिवार संग नववर्ष का पहला दिन उत्सव के साथ मनाया गया। ट्रेन, फोर व्हीलर,टू व्हीलर,तीन पहिया वाहन से सैलानी पहुंचकर नववर्ष की खुशी मना रहे है। डीजे प्रतिबंध के बावजूद युवाओं का उत्साह पिकनिक के लिए कम नहीं हुआ।

सामाजिक संगठन को मजबूत करने की जरूरत : नारायण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : नए साल पर बुधवार को बरनवाल सेवा सदन में अहिबरन जयंती सह परिवार मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि पेंशनर समाज के अध्यक्ष नारायण मोदी, रेड क्रॉस के चेयरमैन अजीत बरनवाल, बन्धन बैंक के प्रबंधक जय कुमार, कन्हैया लाल बरनवाल, निरंजन प्रसाद मौजूद थे। वहीं अतिथियों के साथ ही समाज के सतीश कुमार दीपू, शम्भू लाल, महादेव लाल और गोपाल प्रसाद ने महाराज अहिबरन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की।कार्यक्रम का संचालन आरके बसन्त ने किया। पेंशनर समाज के अध्यक्ष नारायण मोदी ने कहा कि इस तरह के आयोजन जरूरी हैं। समाज को आगे बढाने और संगठन को मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में यह समाज आगे बढ़ रहा है यह हर्ष का विषय है। रेड क्रॉस के चेयरमैन अजीत बरनवाल ने नए साल की शुभकामना देते हुए कहा कि इससे समाज की एकता को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि समाज संगठित रहेगा तो आगे बढ़ेगा। बैंक प्रबंधक जय कुमार ने समाज की एकता पर बल देते हुए सकारात्मक कार्य करने की अपील की। इस दौरान आयोजित म्युजिकल चेयर में रेखा बरनवाल, सोनी बरनवाल, श्वेता आनंद, जलेबी रेस में अमाया, तानवी, आरुही, चम्मच दौड़ जूनियर में ऋषिका बरनवाल, आरव, काव्या और सीनियर में तानवी, नित्या और प्रिंस आर्या विजयी रहे। इस दौरान स्वर संगम म्यूजिकल ग्रुप के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। ग्रुप के सुधीर पांडेय, दीपक सिंह, आनंद मुखर्जी, विकास कुमार, प्रेम भारती, मोना कुमारी, आराधना देवी, राजा चौरसिया, पंकज कुमार ने भजन और गानों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजीव समीर, निरंजन लाल, महादेव लाल, अक्षय बरनवाल, आशीष कुमार, संजय कुमार, विक्की बरनवाल, दिवाकर, रमेश, सुबोध, बिट्टू, राहुल, दीपक, उमेश लाल, दीपक, परमानंद, जनार्दन, कांता लाल, अशोक बरनवाल, प्रमोद, गोपाल प्रसाद सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

लोगों ने नववर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाया

सिल्ली: सिल्ली मुरी आसपास के क्षेत्र में लोगों ने बुधवार को नव वर्ष पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया। लोग रात के 12 बजते ही पटाखे छोड़ने लगे और अपने सगे संबंधियों एवं मित्रों को सोशल मीडिया के जरिए बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी। लोग नववर्ष के पहले दिन मंदिरों में जाकर पूजा पाठ कर सुख समृद्धि की कामना की। इसी क्रम में मांस, मछली और मुर्गा की दुकानों में लंबी कतार देखी गई। सिल्ली के हिरण पार्क, ऑडियो विजुअल पार्क एवं मुरी के टुंगरी पार्क में लोगों का अच्छा खासा भीड़ रहा। नदी किनारे पिकनिक स्पॉटों पर भी लोग नववर्ष का जश्न मनाए। इधर सिल्ली के अंबेडकर पार्क में बुधवार को साप्ताहिक बंदी होने के कारण लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा। क्षेत्र के विभिन्न पार्कों एवं पिकनिक स्पॉटों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सिल्ली थाना एवं मुरी ओपी दिनभर गश्ती करते हुए नजर आई।

नौ दिवसीय शिव शक्ति महायज्ञ सह राम कथा का होगा आयोजन

साहिबगंज: जिला के बरहेट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय रक्सी के प्रांगण में 9 दिवसीय शिव शक्ति महायज्ञ सह राम कथा का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर आज भव्य कलश शोभायात्रा निकाला जाएगा इसको लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है बता दें कि यज्ञ का आयोजन इंटरनेशनल भिखारी बाल संत त्यागी जी महाराज की अगवाई में ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा है। इस आयोजन के साथ-साथ यज्ञ क्षेत्र में मेला का भी आयोजन किया गया है जिसमें झूला खेल तमाशा के दुकान भी लगेगी इसी यज्ञ और राम कथा के प्रारंभ होने से पहले गुरुवार को पूर्वाहन भव्य कलश शोभायात्रा रक्सी गांव में निकल जाएगा जिसमें सैकड़ो श्रद्धालु शामिल होंगे यज्ञ स्थल को पुरानी की आश्रमों की भांति बनाया गया है वहीं आसपास पूरा साफ सफाई भी की गई है दर्जनों दुकानें सज गई हैं।

बजरंग मेला हर्षोल्लास के साथ हुआ संपन्न

सिल्ली: सिल्ली प्रखंड अंतर्गत बुधवार को सिल्ली पिस्का पथ पर उरंगगाढ़ा नदी पुल के समीप कमेटी के सदस्यों के द्वारा नये साल के अवसर पर बजरंग मेला का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया।मेला परिसर में पाता नाच, झूमर समेत विभिन्न कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। मौके पर प्रतिभागियों को प्रोत्साहित भी किया गया। मेले में विभिन्न प्रकार की दुकानें लगाई गयी। मेला देखने के लिये दोपहर से ही लोगों के आने जाने का सिलसिला शुरू हो गया। जो शाम तक चलता रहा। विधि व्यवस्था को लेकर सिल्ली थाना मुरी ओपी एवं आयोजन कमेटी के सदस्य लगातार व्यस्त रहे। मेले के सफल आयोजन में अनिल महतो, प्रकाश महतो, प्रवीण कुमार, विकास कुमार मांझी, पवन कुमार, रोहित कुमार, राजेश महतो, लालू प्रसाद महतो, उदय महतो, कमल महतो, प्रकाश महतो, कार्तिक महतो, मनसा महतो, डीके महतो, पुसुआ मांझी, भरत महतो, आजित महतो, पुरन, निर्मल नाग समेत समिति के सदस्यों एवं आसपास के ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा।

गो मांस के साथ एक गिरफ्तार

कोडरमा : कोडरमा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चेचाई में प्रतिबंधित गौ मांस के साथ एक युवक को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान मो साहिल अहमद के रुप में की गयी है। वह चेचाई गांव का रहने वाला है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के बाद कोडरमा थाना प्रभारी सुजीत कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान प्रतिबंधित गौ मांस के साथ आरोपित को गिरफ्तार किया गया। कोडरमा थाना प्रभारी सुजीत कुमार ने बताया कि चेचाई में मो साहिल के बाउंड्री से घर नुमा जगह से लगभग 100 केजी प्रतिबंधित मांस जब्त करते हुए उक्त युवक को गिरफ्तार किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार वहां इस तरह की घटना हमेशा होती है और मुख्य आरोपित गिरफ्त से बाहर है। उसकी तलाश के लिए संभावित ठिकानों में छापेमारी की जा रही है।

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम

ज्ञापांक......................../दिनांक........................

आम सूचना

झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा–204 के प्रावधानों के अनुसार मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत भूमिगत जल श्रोत संबंधी सारे अधिकार नगरपालिका में निहित है। धारा–209 में मेदिनीनगर नगर निगम को यह शक्ति प्राप्त है कि यथाविर्निष्टि शर्तो पर तथा वार्षिक शुल्क के भुगतान करने पर मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र अन्तर्गत नलकूप, कुआँ, तालाब, डीप बोरिंग, चहबच्चा, कुण्ड या फुहारा खोदने या बनवाने की अनुमति या अनुज्ञप्ति जारी कर सकेगा।

शहरी क्षेत्र में नगर निकाय के अनुमति के बिना बड़ी संख्या में रिवर्स ओसमोसिस (R.O.) वाटर उपचार संयत्र संचालित हो रहे हैं। जिससे शहरी क्षेत्रों में भू–गर्भ जल स्तर में लगातार कमी हो रही है। भूमिगत जलश्रोतों के अत्याधिक दोहन से ग्रीष्मकालीन ऋतु में आमजनों को जल संकट का सामना करना पड़ता है।

नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड रॉंची की अधिसूचना सं०–3370, दिनांक 06.09.2024 के आलोक में सभी जल आपूर्ति अभिकरण को मेदिनीनगर नगर निगम से अनुज्ञप्ति प्राप्त करना आवश्यक है।

मेदिनीनगर नगर निगम कार्यालय द्वारा अनुज्ञप्ति जारी करने की प्रक्रिया

1. जल आपूर्ति अभिकरण/आर०ओ० वाटर संयत्र के संचालक द्वारा मेदिनीनगर नगर निगम को जरूरी दस्तावेजों के साथ आवेदन विधिवत् रूप से भर कर जमा करना होगा।
2. आवेदन के साथ जल आपूर्ति अभिकरण/आर०ओ० वाटर संयत्र के संचालक द्वारा निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न किये जायेंगे–
(क) व्यक्तिगत मामले में आधार कार्ड।
(ख) कम्पनी या फर्म के मामलें में क्रमशः निगमन या पंजीकरण का कागजात।
(ग) अद्यतन बिजली बिल।
(घ) होल्डिंग कर रसीद।
3. केन्द्रीय भूगर्भ जल प्राधिकार के द्वारा निर्गत अनापति प्रमाण–पत्र।
4. जल आपूर्ति अभिकरण द्वारा फोटो के साथ वर्षा जल संचयन संरचना (Rain Water Harvesting) का विवरण समर्पित किया जायेगा। खुली भूमि के मामले में लाईसेंस धारक द्वारा एक हलफनामा समर्पित करना होगा कि संरचना का निर्माण होने के बाद (Rain Water Harvesting) का निर्माण कर लिया जायेगा।

- जल आपूर्ति अभिकरण के संचालक द्वारा मेदिनीनगर नगर निगम को जरूरी दस्तावेजों के साथ विधिवत् रूप से भरे आवेदन सूचना प्रकाशन के तिथि से 15 दिनों के अंदर जमा करना अनिवार्य होगा।
- आवेदन के साथ अनुज्ञप्ति शुल्क 5,000/– एवं वार्षिक शुल्क 20,000/– रूपए एक मुस्त देय होगा।
- जाँचोपरांत कार्यालय द्वारा स्वीकृत किये गये आवेदनों पर नियमानुसार एवं सशर्त अनुज्ञप्ति निर्गत किया जायेगा।
- किसी भी आवेदन को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार नगर निगम कार्यालय के पास सुरक्षित होगा।
- बिना पंजीकरण आर०ओ० प्लांट उपचार संयत्र संचालित किये जाने पर राशि रूपए 50,000/– दण्ड शुल्क मेदिनीनगर नगर निगम द्वारा जल आपूर्ति अभिकरण से लिया जायेगा।
- दण्ड शुल्क जमा नहीं किये जाने की स्थिति में कार्यालय द्वारा आर०ओ० प्लांट उपचार संयत्र को सील कर दिया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए मेदिनीनगर नगर निगम कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क किया जा सकता है।

नगर आयुक्त–सह–प्रशासक,
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 343354 District(24-25).D

दिल्ली चुनावों पर 'रेवड़ी कल्चर' का खतरनाक साया

ललित गर्ग

खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रत्तर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते-रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी 'रेवड़ी कल्चर' का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। 'फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेस या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है।

'मुफ्त की सौगात' राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा की घोषणाएं की गयी है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी 'मुफ्त की संस्कृति' की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक 'विकासशील राष्ट्र' बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह अपनी अर्थ-व्यवस्था को रसातल में न ले जाये?

आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों-ग्रंथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे। भला राजनीतिक स्वार्थ की रोटियों के बीच भगवान कहां से आ गये? शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत योजनाएं तो ठीक से चला नहीं पाते, अच्छे-भले सम्पन्न एवं निष्कंटक जीवन का निर्वाह करने वाले लोगों के लिये मुक्त की सुविधाएं कैसे कल्याणकारी हो सकती है? पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा की थी, क्या हुआ उस योजना का? दिल्ली में 250 से अधिक इमामों को 17 महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिला है। मुफ्त बिजली एवं पानी देने की घोषणाएं भी ठण्डे बस्ते में चली गयी। ऐसी अनेक घोषणाएं हैं जो चुनावी मुद्दा तो बनती है, मतदाताओं को लुभाती है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद धरती पर उतरती कभी नहीं। सभी राजनीतिक दलों की बड़ी लुभावनी घोषणाएं होती हैं, घोषणा पत्र होते हैं-जनता को पांच वर्षों में अमीर बना देंगे, हर हाथ को काम मिलेगा, सभी के लिए मकान होंगे, सड़कें, स्कूल-अस्पताल होंगे, बिजली और पानी, हर गांव तक बिजली पहुंचाई जायेगी, शिक्षा-चिकित्सा निःशुल्क होगी। ये राजनीतिक घोषणाएं पांच साल में अधूरी ही रहती है, फिर चुनाव की आहट के साथ रेवडियां बांटने का प्रयत्न किया जाता है, कितने ही पंचवर्षीय चुनाव हो गये और कितनी ही पंचवर्षीय योजनाएं पूरी हो गईं पर यह दुनिया का आठवां आश्चर्य है कि कोई भी लक्ष्य अपनी समग्रता के साथ प्राप्त नहीं हुआ।

खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है। चाहे वह मुफ्त राशन हो, बेरोजगारी भत्ता हो या फिर महिलाओं को वजीफा हो, मुक्त बिजली-पानी हो, मुफ्त चिकित्सा हो, मुफ्त यात्रा हो, पुजारियों, मौलवियों एवं ग्रंथियों को मुफ्त वेतन हो- इस मामले में किसी भी राजनीतिक दल की सरकार पीछे नहीं है। अब तो इस मामले में जैसे एक-दूसरे को पछाड़ने की होड़-सी नजर आने लगी है। सवाल है कि सरकारें इस पहलू पर कब विचार करेंगी कि हर हाथ को काम मिले, रोजगार बढ़े, स्वरोजगार की स्थितियां बने। इस तरह देश साधन-सम्पन्न लोगों में मुफ्तखोरी की आदत डालना सही नहीं है। मुफ्तखोरी की राजनीतिक से लोकतंत्र को खतरा हो सकता है और इससे देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का भी खतरा है।

संपादकीय

ट्रंप का हृदय परिवर्तन

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप और जेडी वेंस का प्रशासन 20 जनवरी को कार्यभार ग्रहण कर लेगा। राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप का यह दूसरा कार्यकाल है। इस बीच दुनिया के विभिन्न देशों के विशेषज्ञ इस बात का लेखा-जोखा ले रहे हैं कि ट्रंप प्रशासन की नीतियों से उन पर क्या असर पड़ेगा। ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान उनकी आर्थिक संरक्षणवाद, अवैध आव्रजन पर रोक तथा विश्व के अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा जिम्मेदारियां को कम करने की उनकी नीतियों का विदेशी और घरेलू मोर्चे पर व्यापक विरोध हुआ था। इस बार के चुनाव प्रचार के दौरान भी उन्होंने अपनी संरक्षणवादी नीतियों को आगे बढ़ाने और आव्रजन नीतियों को सख्त करने का मुद्दा उठाया था। लेकिन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मंत्रिमंडल में शामिल किए गए प्रमुख उद्योगपति टेस्ला के मालिक एलन मस्क और भारतीय मूल के तकनीकीविद विवेक रामास्वामी के हस्तक्षेप और विरोध के बाद एच 1 बी वीजा के प्रति ट्रंप का हृदय परिवर्तित हो गया है। उन्होंने एच 1 बी वीजा को कायम रखने की बात कह कर सबको चौंका दिया है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह एक साक्षात्कार में कहा कि मुझे हमेशा से वीजा पसंद रहा है। ट्रंप के इस बदले रुख से उनके रूढ़िवादी आधार में विभाजन हो गया है और दो गुट उभर आए हैं। एक गुट एच 1 बी वीजा पर पूर्ण प्रतिबंध चाहता है तो दूसरा इसे अमेरिका की जरूरतों के लिए अनिवार्य मानता है। ऐसा समझा जा रहा है कि विशेषकर एलन मस्क के कारण ट्रंप के रुख में बदलाव आया है। यह भारत से अमेरिका गए लाखों विशेषज्ञ और पेशेवरों के लिए राहत की बात है। अमेरिकी कंपनियां प्रत्येक वर्ष करीब 65 हजार पेशेवरों की नियुक्तियां करती हैं जिनमें 70 फीसद भारतीय होते हैं। जाहिर है कि इस पर प्रतिबंध लगाने से सबसे अधिक प्रभावित भारतीय ही होते। अमेरिका के लिए एच 1 बी वीजा इसलिए जरूरी है कि वहां इतने पेशेवर, कुशल तकनीशियन, चिकित्सक नहीं हैं जिनसे अमेरिकी कंपनियां अपने कारोबार का संचालन कर सके। हकीकत यह है कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी की दुनिया में शीर्ष पर लाने में प्रवासियों की बहुत बड़ी भूमिका है। एलन मस्क इस सच्चाई को जानते हैं। इसलिए उन्होंने एच 1 बी वीजा पर प्रतिबंध लगाने की नीति का जमकर विरोध किया। अगर इसमें कुछ कमियां हैं तो इसे सुधारा जाना चाहिए। बहरहाल, ट्रंप के रूप में आए बदलाव से भारत के पेशेवरों के साथ अमेरिकी हितों को भी लाभ होगा।

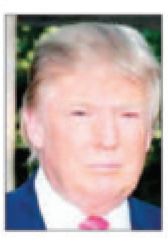

चिंतन-मनन

मृत्यु की चिंता और चिंतन का महत्व

एक महात्मा अपने शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे और उन्हें योगाभ्यास सिखाते थे। वह सत्संग भी करते थे। एक शिष्य चंचल बुद्धि का था। बार-बार गुरु से कहता, आप कहां जंगल में पड़े हैं, चलिए एक बार नगर की सैर करके आते हैं। महात्मा ने कहा, मुझे तो अपनी साधना से अवकाश नहीं है। तुम चले जाओ। शिष्य अकेला ही नगर चला गया। नगर में बाजार की शोभा देखी। मन अति प्रसन्न हुआ। इतने में एक भवन की छत पर निगाह पड़ी। देखा कि एक परम सुंदरी छत पर कपड़े सुखा रही है। बस वह कामदेव के बाण से आहत हो गया। जब शिष्य आश्रम लौटा तो चेले का चेहरा देखकर महात्मा जान गए कि यह बच्चा काम वासना शिकार हो गया है। पूछने पर चेले ने उत्तर दिया - गुरुदेव! हृदय में असहनीय पीड़ा हो रही है। महात्मा बोले, क्या नजर का कांटा हृदय में गड़ गया? चेले ने सारा वृत्तांत कह सुनाया। चेले से गुरुजी ने उस स्त्री का पता पूछा तो पता चला कि वह नगर के एक सेठ की पत्नी है। महात्मा ने एक पत्र के जरिए सेठ को अपनी पत्नी को लेकर आश्रम में एक रात के लिए आने के लिए कहा। सेठ आया तो उसे अलग बैठाकर महात्मा स्त्री को लेकर शिष्य के पास गए और कहा, यह स्त्री रात भर तेरे पास रहेगी, पर ध्यान रखना कि सूर्य निकलते ही तेरा देहांत हो जाएगा। उस स्त्री को सारी बात बता कर आश्वासन दिया कि तुम्हारे धर्म पर कोई आंच नहीं आएगी। इधर चेला रात भर कांपता रहा। सारी वासना काफूर हो गई। सुबह गुरुजी ने पूछा, तेरी इच्छा पूरी हुई? शिष्य ने आपबीती सुना दी। स्त्री को सम्मानपूर्वक सेठ के साथ रवाना कर महाराजजी ने शिष्य से कहा, मृत्यु की चिंता और चिंतन सदा करते रहना चाहिए। यही तुझे बचाएगी।

भारत में तेज गति से बढ़ती बिलिनायर (अतिधनाडयों) की संख्या

प्रहलाद सबनानी

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।

हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर ऐम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनायर (अतिधनाडयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनायर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनायर की संख्या 835 हैं एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनायर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनायर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनायर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष बिलिनायर की सूची में 84 नए बिलिनायर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनायर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनायर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनायर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनायर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनायर की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनायर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति। पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनायर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि अमेरिका में बिलिनायर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। चीन में तो बिलिनायर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनायर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनायर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनायर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं।

भारतीय बिलिनायर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनायर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वर्ष 2021 में 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2023 में 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तुलना में लगभग आधी है। चीन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं चीन में 4,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई है, फिलिपीन में 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं पाकिस्तान में 3,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अन्य देशों में रह रहे इन देशों के नागरिकों द्वारा भेजी गई है।

भारत में भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों एवं एशिया के कुछ देशों यथा मलेशिया एवं सिंगापुर का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं। आज तक भारतीय मूल के इन नागरिकों द्वारा एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई है। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। वर्ष 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने अपने देशों को भेजी गई है। यह राशि वर्ष 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों में निवास कर रहे नागरिकों द्वारा भेजी गई उक्त राशि में से 20 प्रतिशत से अधिक की राशि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों द्वारा ही अकेले भारत में भेजी गई है। इस प्रकार, भारतीय मूल के नागरिकों की सम्पत्ति न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों में भी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है।

क्रिकेट: सवालों के घेरे में निर्णय की तकनीक

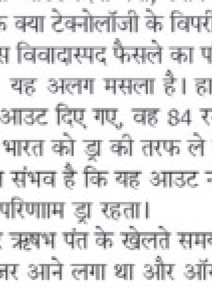

मनोज चतुर्वेदी

मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर खेले गए भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट में आखिरी दिन भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को जिस तरह से आउट दिया गया, उसने एक नई बहस छेड़.दी है कि क्या टेक्नोलॉजी के विपरीत फैसला देना उचित है। इस विवादास्पद फैसले का परिणाम पर क्या असर हुआ, यह अलग मसला है। हालांकि यशस्वी जिस समय आउट दिए गए, वह 84 रन पर खेल रहे थे और वह भारत को ड्रा की तरफ ले जाते नजर आ रहे थे। बहुत संभव है कि यह आउट नहीं दिया जाता तो मैच का परिणाम ड्रा रहता।

यशस्वी और ऋषभ पंत के खेलते समय भारत अच्छी स्थिति में नजर आने लगा था और ऑस्ट्रेलिया विकेट की जरूरत महसूस कर रहा था। इसी दौरान पैट कमिंस की लेग साइड पर ऊपर आती गेंद पर यशस्वी ने पुल करने का प्रयास किया और गेंद विकेटकीपर कैरी के ग्लब्स में चली गई। इस पर की गई अपील को अंपायर जोएल विल्सन के नकारे जाने पर पैट कमिंस ने डीआरएस लिया। स्लो मोशन में थर्ड. अंपायर शरफुद्दौला को दिखा कि गेंद की ग्लब्स या बल्ले से लग कर दिशा बदली है। पर जब उन्होंने स्निको मीटर को देखा तो उसमें कोई हलचल नहीं दिखी। शरफुद्दौला ने गेंद की दिशा बदलने की वजह से आउट देने का फैसला किया जो विवादास्पद बन गया। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कमेंट्री करते समय इस फैसले पर नाखुशी जाहिर की। उनका कहना था कि जब आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हैं तो उसके हिसाब से ही फैसला करना चाहिए था यानी जब स्निको मीटर में कोई हलचल नहीं हुई तो यशस्वी को नॉट आउट दिया जाना चाहिए था क्योंकि मैदानी अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया था। वैसे भी नियमों के मुताबिक थर्ड. अंपायर मजबूत साक्ष्य होने पर ही मैदानी अंपायर के फैसले को बदलता है और यहां स्पष्ट साक्ष्य नहीं था। वैसे भी कई बार गेंद देर तक स्विंग करती है, जिससे कई बार उसके बल्ले से लगने का भ्रम हो जाता है और इस मामले में भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी। गेंद बल्ले या ग्लब्स से लगती तो स्निकोमीटर में कोई न कोई हलचल जरूर होती। वहीं रवि शास्त्री ने तो कहा कि इस सीरीज में अंपायर ऑस्ट्रेलिया के लिए छठे गेंदबाज की भूमिका निभा रहे हैं। इस सीरीज के पर्थ टेस्ट में केएल राहुल के कैच नहीं दिए जाने के समय साफ दिख रहा था कि गेंद उनके बल्ले से लगी है, पर स्निको मीटर में हलचल नहीं दिखने की वजह से उन्हें कैच नहीं दिया गया था, इसलिए तकनीक को लेकर एकरूपता होनी चाहिए। अब सवाल है कि जब अंपायर स्निको मीटर को वरीयता दे रहे हैं तो उन्हें इस मसले पर भी यही नियम अपनाना चाहिए था। पिछले एक-दो दशक से फैसलों को त्रुटिहीन बनाने के उद्देश्य से ही आईसीसी तनकीक के इस्तेमाल पर जोर दे रहा है पर जब तकनीक का सही इस्तेमोल नहीं होगा तो खिलाड़ियों का इस पर से भरोसा उठ सकता है। अंपायर्स कॉल का काफी समय से विरोध होता रहा है। इसमें किसी फैसले को लेकर अंपायर क्या सोचता है, इसका खिलाड़ियों को कई बार नुकसान और कई बार फायदा होता है। इस नियम के हिसाब से यदि अंपायर ने किसी बल्लेबाज को एलबीडब्लयू दे दिया है और डीआरएस लेने पर गेंद विकेट से छू गई है तो वह आउट हो जाएगा। दूसरी तरफ अंपायर ने आउट नहीं दिया है तो गेंद के विकेट को छू लेने भर से वह आउट हो जाएगा। इसलिए बेहतर हो कि गेंद विकेट को छू भर ले तो आउट दिया जाए, ऐसी तकनीक विकसित करके फैसलों को त्रुटिहीन बनाया। यशस्वी तीसरे अंपायर के फैसले से संतुष्ट नहीं थे। इसलिए फैसला आने पर मैदान छोड़ने से पहले वह मैदानी अंपायरों से कुछ कहते सुने गए। इस पर मैदान में भारी तादाद मौजूद भारतीय समर्थक बेईमान-बेईमान के नारे बुलंद करते नजर आए। अच्छी बात है कि आज कहीं भी क्रिकेट खेली जाए भारतीय दर्शकों की मौजूदगी रहती ही है। मेलबर्न मैदान पर सर्वाधिक दर्शकों का 88 साल पुराना रिकॉर्ड.टूट गया। इस टेस्ट को देखने के लिए 376651 दर्शक पहुंचे। इससे पहले 1937 में ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड टेस्ट को 350534 दर्शकों ने देख कर रिकॉर्ड.बनाया था। इससे यह भी साबित होता है कि यदि टेस्ट मैचों में अच्छी क्रिकेट खेली जाए तो वहां भी दर्शकों को टोटा नहीं रहता। यशस्वी के खिलाफ फैसले पर विवाद होने की वजह से तीखी प्रतिक्रियाएं जरूर आ रही हैं।

इस संबंध में पूर्व अंपायर साइमन टाफेल का कहना है कि मेरे विचार में फैसला आउट था और मेरी निगाह में तीसरे अंपायर ने फैसला सही किया। तकनीक प्रोटोकाल के साथ हम साक्ष्य भी देखते हैं। अगर अंपायर को लगता है कि गेंद की बल्ले से लगकर दिशा बदली है तो उसे तकनीक के उपयोग की जरूरत नहीं है। गेंद की दिशा में मामूली बदलाव भी महत्त्वपूर्ण साक्ष्य है। स्निको मीटर का संचालन बीबीजी स्पोर्ट्स करता है। इसके डायरेक्टर वॉरेन ब्रिनेन का कहना है कि स्निको मीटर में हलचल नहीं होने पर मैंने ऑड़ियो डायरेक्टर से पूछा तो उसने कहा कि किसी तरह की आवाज नहीं आई। वह कहते हैं कि ऐसी स्थिति में सिर्फ हॉट स्पॉट से ही किसी फैसले पर पहुंचा जा सकता था, लेकिन आईसीसी आजकल इसका इस्तेमाल नहीं कर रही है।

यूपी में 2025 में पूरे होंगे 5 मेगा प्रोजेक्ट्स

फाइलें लटका नहीं पाएंगे अफसर, देश के सबसे बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान शुरू होंगी

लखनऊ। यूपी के लिए 2025 बहुत खास साबित होने वाला है। देश के सबसे बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट नोएडा से उड़ान शुरू होंगी। अयोध्या में 3 मंजिल का राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे और गंगा एक्सप्रेस-वे पूरे हो जाएंगे। नए साल में सरकार फ्री में मोटा अनाज मुहैया करवाएगी। यूपी के 49 जिलों में नेचुरल खेती की शुरूआत होगी। नया साल नए बदलाव भी लेकर आया है। 1 जनवरी यानी आज से सभी सरकारी दफ्तरों में फाइलें और लेटर डिजिटल ट्रांसफर और हैंडओवर होंगे। अयोध्या में बन रहे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण 30 जून तक पूरा हो जाएगा। 22 जनवरी, 2024 को पीएम मोदी की मौजूदगी में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। उस वक्त ग्राउंड फ्लोर ही बना था। यह मंदिर 3 मंजिल का बन रहा है। 2025 में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान की शुरूआत होगी। ये उड़ान 17 अप्रैल, 2025 से शुरू होंगी। पहले दिन 30 उड़ानें शेड्यूल हैं। इसमें 25 घरेलू फ्लाइट्स हैं। 3 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें और 2 कार्गो फ्लाइट्स शामिल की गई हैं। यहां से उड़ान भरने वाली घरेलू उड़ानों में मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, लखनऊ, और देहरादून जैसे शहर शामिल होंगे। जबकि पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ानें ज्यूरिख, सिंगापुर और दुबई के लिए मिलेंगी। उत्तर प्रदेश में आधुनिक सुविधाओं वाला एक नया शहर स्वरूप लेता दिखाई देगा। राजधानी लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी के 27826 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को मिलाकर नया अउफ बसाया जाएगा। इस शहर में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से भी बेहतर सुविधाएं होंगी। आने-जाने के लिए सिटी बस और मेट्रो रेल की सुविधाएं दी जाएंगी। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे योगी सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इससे गोरखपुर, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के जरिए लखनऊ, आगरा और दिल्ली तक रास्ता आसान हो जाएगा। इससे गोरखपुर से लखनऊ की दूरी 3:30 घंटे में पूरी हो जाएगी। इस एक्सप्रेस-वे का सबसे ज्यादा फायदा 4 जिलों को होगा। इनमें गोरखपुर, अम्बेडकरनगर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ जिले शामिल हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे 2025 में शुरू हो जाएगा। यह मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। एक्सप्रेस-वे का उद्देश्य पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पूरब से जोड़ना है। दोनों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक यात्रा के सेतु की तरह काम करेगा। उम्मीद है कि जून तक इस पर वाहन दौड़ने लगेंगे। गंगा एक्सप्रेस-वे 12 जिलों के 518 गांवों से होकर गुजर रहा है। 594 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेस-वे की अनुमानित लागत 36,404 करोड़ है। एक्सप्रेस-वे पर 28 ओवर ब्रिज बनाए गए हैं। 1 जनवरी से सभी सरकारी दफ्तरों में फाइलें और लेटर डिजिटल ट्रांसफर होंगे। फाइलें लटकाने वालों पर कार्रवाई होगी। योगी सरकार ने सरकारी फाइलों के संबंध में नया आदेश जारी किया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सरकारी कार्यालयों में तैनात वाहन चालकों और अनुसेवकों का वर्दी भत्ता बढ़ा दिया है। शासनादेश के अनुसार, वर्दी की खरीद, नवीनीकरण और धुलाई के लिए भत्तों में वृद्धि की गई है। इस बार छुट्टियों में खास बात यह है कि ज्यादातर त्योहार वर्किंग डेज में पर पड़ रहे हैं। 2025 में कुल 24 सार्वजनिक और 31 अप्रतिबंधित छुट्टियां होंगी। केवल तीन त्योहार (गणतंत्र दिवस, रामनवमी और मोहर्रम) रविवार को पड़ेंगे। सरकार ने साफ कहा है कि अगर किसी दिन एक से अधिक त्योहार या जन्मतिथि पड़ती है, तो उस दिन केवल एक ही छुट्टी मिलेगी। यूपी में जनवरी 2025 में बड़े प्रशासनिक बदलाव की तैयारी। 48 आईएएस अफसरों का प्रमोशन होगा। 15 जिलों के डीएम की तब्दीली होगी। 2009 बैच के कुल 41 कैडर अधिकारियों को विशेष सचिव (डीएम) से सचिव स्तर पर पदोन्नति मिलेगी। प्रमोशन प्राप्त करने वाले इन अधिकारियों में लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, गाजियाबाद और मथुरा के जिलाधिकारी भी शामिल हैं। 2025 में उत्तर प्रदेश के 49 जिलों में प्राकृतिक खेती होगी। सरकार देसी गाय आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है। 26 जिलों में केंद्र सरकार और 23 जिलों प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देगी। किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्राकृतिक खेती शून्य लागत वाली खेती है। साल 2025 में एक जनवरी से राशन कार्ड धारकों को सरकार की ओर से मुफ्त राशन मिलने के साथ ही मोटा अनाज भी दिया जाएगा। ताकि लोग मोटे अनाज के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूक हों। जनवरी से मिलने वाले खाद्यान्न में गेहूं और चावल के साथ-साथ ज्वार और बाजरा भी दिया जाएगा।

नए साल का कुशीनगर मेले में लोगों ने किया वेलकम, जश्न के साथ सेल्फी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। अंतराष्ट्रीय पर्यटन व बुद्ध स्थली कुशीनगर में लगे मेले में पहुंचे हजारों लोगों ने अपने अंदाज में नए साल का स्वागत किया। सेल्फी ली और सोसल मीडिया पर शेयर किया। बुधवार सुबह से बुद्ध मार्ग से बुद्धा गेट तक सड़क पर काफी महिला, पुरुषों व बच्चों की भीड़ रही। मुख्य मन्दिर, रामाभार स्तूप, माथाकुवर मन्दिर में तथागत के दर्शन भी किया। बुद्धा घाट पर खेल पार्क, आनंद उपवन व रेस्टोरेंटों, चाट कारनरों पर चटपटे स्वाद लिए सेल्फी ली, झूला झूले और आनन्द उठाया। पुरे मेले की निगरानी रखने के लिए बिरला धर्मशाला व बुद्धा घाट पर बने सूचना केंद्र से निदेश प्रसारित हो रहे थे। नए साल के मेले में हजारों की भीड़ बिहार सहित प्रदेश के नजदीकी जनपद से आयी और पूरे दिन अपने अंदाज में नव वर्ष का स्वागत किया। देवरिया मार्ग पर रामभार तिराहे, बुद्ध गेट, रामनगर मार्ग, अनिरुद्धवा मार्ग, झुग्वा सहित विभिन्न मार्गों पर बैरियर बने थे। वाहन पड़ाव के लिए बुद्ध इंटर कालेज का क्रीड़ांगन, कृषि विश्वविद्यालय की भूमि, एयरपोर्ट जाने वाली सड़क सहित कई जगह वाहन खड़े किये गए। सभी वाहनों को मेला क्षेत्र में जाने से बर्जित कर दिया गया था जिसके वजह से सड़क पर वाहनों का लम्बा काफिला लगा हुआ था। नगरपालिका प्रशासन ने सफाई, पेयजल के इंतजाम कर रखे थे। नपाप अध्यक्ष कुशीनगर किरन जायसवाल व उनके प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने मेला स्थल का भ्रमण किया। इस अवसर पर जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रे जिम्मेदारियों का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने का निर्देश दिए। इस दौरान उप जिलाधिकारी कसया पारितोष मिश्र, क्षेत्राधिकारी कसया कुंदन सिंह, क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज, थाना प्रभारी कसया गिरिजेश उपाध्याय सहित पुलिस, पीएससी के जवान, अग्निशमन दल, एलआईयू टीम, अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वर्णिम दुनिया का संदेश देता है नववर्ष

संवाददाता

कुशीनगर। नववर्ष के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज राजयोग मेडिटेशन केंद्र शाखा फाजिलनगर में आयोजित कार्यक्रम राजयोग मेडिटेशन से स्वर्णिम भारत का उदय में ब्रह्माकुमारी भारती बहन ने कहा कि नववर्ष नवीनता और परिवर्तन का पावन संदेश देता है। यदि जीवन में सफलता प्राप्त करनी है, तो अपने विचारों और दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा। इसके लिए राजयोग मेडिटेशन को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना सबसे सरल और प्रभावी विधि है। ब्रह्माकुमारी सावित्री बहन ने अतिथियों का स्वागत किया और ब्रह्माकुमारी प्रीति बहन ने राजयोग मेडिटेशन के नित्य अभ्यास से जीवन के सर्वांगीण विकास की महत्ता पर प्रकाश डाला। ब्रह्माकुमारी गीता बहन ने कहा कि आत्मा और परमात्मा के मिलन की अनुभूति का नाम ही राजयोग मेडिटेशन है। संचालन ब्रह्माकुमार सूरज ने किया। इस अवसर पर डा.महेंद्र सिंह, ई.उदयभान सिंह, मैतुल मस्ताना, कवि संतोष गुप्त संगम, छात्र नेता जितेंद्र प्रजापति, शैलेश सिंह, सतेंद्र सिंह, रामायन सिंह ,हरीश गौड़, छोटेलाल यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति और ब्रह्माकुमारी संगठन सदस्य उपस्थित रहे।

नव वर्ष पर जगमग हुआ थाई मन्दिर, हुई पूजा

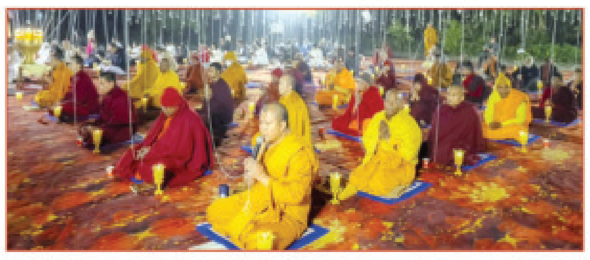

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नववर्ष के उपलक्ष्य में थाई मोनेस्ट्री कुशीनगर में विविध कार्यक्रम आयोजित किये गए। तथागत बुद्ध के पूजन अर्चन के साथ भिक्षुओं को भोजन दान दिया गया । नव वर्ष को लेकर एक दिन पूर्व सोमवार को थाई मन्दिर को भव्य रूप से सजाया गया। रात में मन्दिर विविध प्रकाश के रंगों की विहंगम छटा से आलोकित हो उठा। थाई भन्ते डा0 पी सोम पोंग के निर्देशन में भिक्षुओं ने रात में भगवान बुद्ध का पूजन अर्चन कर साधना की और बुधवार की सुबह मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में जाकर बुध्द की लेटी प्रतिमा का दर्शन , पूजन किया और चिवर चढ़ा कर विश्व कल्याण व भारत थाई सम्बन्धो की मधुरता की कामना की। कुशीनगर भिक्षु संघ से जुड़े भिक्षुओं को भोजन दान दिया गया। इस दौरान भिक्षु पी नरोंग, पी अनुवत, पी दम, पी आट, पी बुन मा के अलावे अम्बिकेश त्रिपाठी, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड़, सूरज यादव, गौतम शर्मा आदि मौजूद रहे।

नव वर्ष पर रोटरी क्लब के शिविर में 503 की हुई निःशुल्क ब्लड ग्रुप जांच

संवाददाता

कुशीनगर। रोटरी क्लब कुशीनगर ने नए वर्ष की शुरूआत में एक महत्वपूर्ण पहल की, चैरिटेबल ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क ब्लड ग्रुप जाँच शिविर में लोगों ने मुफ्त में अपने ब्लड ग्रुप की जाँच कराई।

कार्यक्रम का उद्घाटन नगर पालिका कुशीनगर के अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल व अधिशासी अधिकारी अंकिता शुक्ला ने फीता काट कर एवं अपना ब्लड ग्रुप जांच कराते हुए किया। मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि भाग दौड़ की वर्तमान जिन्दगी में प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपने ब्लड ग्रुप की जानकारी रखना बहुत जरूरी है। इससे खुद के किसी दुर्घटना का शिकार होने या मौका पड़ने पर किसी को रक्त देने व लेने में सहायता मिलती है। रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली ने बताया कि ब्लड ग्रुप पता होने से रोगों से मुक्ति एवं आकस्मिक संकट के समय विशेष लाभ मिल जाता है, साथ ही जिनका ब्लड ग्रुप एबी निगेटिव है जो कम लोगों में पाया जाता है, किसी को भी एबी निगेटिव रक्त की आवश्यकता पड़े तो वे सहर्ष रक्तदान कर लोगों के जीवन बचाने में सहयोग कर सकेंगे। सभासद केशव सिंह, राजेश मद्धेशिया, दिनेश तिवारी भोजपुरिया, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. संजय सिंह, पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के संरक्षण सहायक शादाब खान, प्रधानाध्यापक भगवंत सिंह सहित 503 लोगों ने अपने रक्त समूह की जांच कराई। जाँच के उपरांत सभी को प्रमाण पत्र भी दिया गया। इस अवसर पर सचिव अजय कुमार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार यादव, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, मीडिया अरूण कुमार वर्मा, राजीव तिवारी, अरूण कुमार मौर्या, रंजीत श्रीवास्तव, आदिल खान, शोभा राय, राजू चौहान आदि उपस्थित रहे।

भन्ते डॉ नन्द रतन के सानिध्य में हुआ पाली एक शास्त्रीय भाषा विषयक संगोष्ठी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। पाली सोसाइटी ऑफ इंडिया व सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय पुणे के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को श्रीलंका बुद्ध बिहार के अशोका हाल में ' पाली एक शास्त्रीय भाषा ' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में पाली को ज्ञान व रोजगार की भाषा बनाने का संकल्प लिया गया। सेमिनार में मुख्य अतिथि पाली एंड बुद्धिस्ट सोसायटी एसपीपीयू विभाग के अध्यक्ष प्रो0 महेश देवकर ने कहा कि भगवान बुद्ध के उपदेश ग्रंथों में निहित है। जो लोक भाषा पाली में है। जिस परिवेश में भाषा विकसित होती है। पाली एक ऐसी भाषा जिसका एक आधार है, शास्त्रीय, प्राचीन है। वैदिक भाषा की जो विशेषताएं हैं वो पाली में मिलती है। पाली भारत में ही नहीं थाईलैंड, श्रीलंका, म्यांमार, लाओस, कंबोडिया व अन्य बौद्ध देशों में भी असर रहा जो वहां की भाषा से प्रभावित हुई। इस भाषा में जीवन को बदलने की क्षमता है। पाली विषय के मर्म व कौशल को जानने की आवश्यकता है। शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने से इतराना नहीं है। बहुत कुछ करने की जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक महाराष्ट्र एड0 गौतम चबुकस्वार ने कहा कि भगवान बुद्ध के उद्देश्य, त्रिपिटक पाली में है। इस भाषा में देश बदलने की ताकत है। चीफ प्रॉक्टर वाइस चांसलर नव नालन्दा महा बिहार नालन्दा, बिहार प्रो0 राम नक्षत्र प्रसाद ने कहा कि पाली की साहित्यक यात्रा बहुत ही समृद्ध है। बीपीजी स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर डॉ बिनोद मोहन मिश्रा ने बताया कि कालेज में पाली विषय की जुलाई से डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होंगे। पाली सोसायटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव और श्रीलंका बुध्द बिहार के प्रमुख भन्ते डा. नन्द रतन ने सभी अतिथियों व देश के राज्यो से आये अतिथियों को पंचशील पट्टिका और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। संचालन डॉ निगम मौर्य ने किया। आभार ज्ञापन प्रो0 दीपक गायकवाड़ ने किया।

अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य बुध्द कि प्रो0 वीरेंद्र सिंह ने कहा कि पाली पुरानी परंपरा की पोषक रही है।

डॉ लता देवकर, प्रो0 तिरुपतिरानी तायड़े ने भी अपने विचार रखे।

इस दौरान भन्ते आलोक, भन्ते डॉ तेजेन्द्र अरहन्त, सुनील गायकवाड़, संजय पांडुरंग मोरे, वनिता ब्रम्हे, रंजना मौर्य, देवीदास ब्रम्हे, मंगल सोनौली, चित्रा खरक, तुषार आल्हाट, सुरेंद्र शांताराम ससाने, विद्याधर नरायन राजवंत, अतुल सनौने सहित सौ प्रतिनिधि मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

महाकुंभ में श्रीशंभू पंचायत अटल अखाड़े की पेशवाई

प्रयागराज। महाकुंभ मेले के लिए सभी अखाड़ों से जुड़े साधु-संतों का प्रवेश अब मेला क्षेत्र में हो रहा है। आज 1 जनवरी को चौथे अखाड़े की पेशवाई (छावनी प्रवेश) हुई। श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़े की पेशवाई में सबसे आगे देवता के रूप में भगवान गणेश और धर्म ध्वजा निकाली गई। इसके पीछे महामंडलेश्वर रथ और बग्घी पर सवार होकर निकले। इसके पीछे भस्म-भभूत लपेटे संतों ने लाठियां भांजी, फरसा लहराए और त्रिशूल लेकर चल रहे थे। अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मा सरस्वती महाराज की अगुवाई में 500 से ज्यादा साधु-संत और 100 से ज्यादा नागा संत महाकुंभ में बने अपने शिविर में प्रवेश किए। 5 किमी की यह यात्रा करीब 2 घंटे में पूरी हुई। पेशवाई में सबसे आगे देवता के रूप में भगवान गणेश और धर्म ध्वजा है। इसके पीछे रथ पर महामंडलेश्वर चल रहे हैं। इसके पीछे भस्म-भभूत लपेटे संतों ने लाठियां भांजी, फरसा लहराए और त्रिशूल लेकर चल रहे हैं। अखाड़े के श्रीमहंत बलराम भारती ने बताया- पेशवाई बख्शी बाध पुलिस चौकी के पास स्थित अखाड़े से निकाली गई। निराला मार्ग से होते हुए महानिर्वाणी अखाड़ा, बेणी बांधव मंदिर, दारागंज अड्डा, गंगा भवन, निरंजनी अखाड़ा होते महाकुंभ मेला क्षेत्र में पहुंचेगी। त्रिवेणी मार्ग से सेक्टर 20 में अखाड़े के शिविर में प्रवेश करेंगे। यह यात्रा करीब 5 किलोमीटर की है। अटल अखाड़े के सचिव श्रीमहंत बलराम भारती बताते हैं कि श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़े की स्थापना आदि शंकराचार्य के निर्देश पर 569 ईस्वी में गोंडवाना में हुई थी। इस अखाड़े में मौजूदा समय में दो लाख से अधिक नागा संन्यासी हैं। देशभर में 500 से अधिक मठ-मंदिर और तीर्थ हैं, जहां श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़े का प्रबंधन चलता है। इस अखाड़े की स्थापना आवाहन अखाड़े से अलग कर की गई। एक दौर था जब आवाहन अखाड़े में नागा संन्यासियों की संख्या अधिक हो गई थी। तब पूरे देश में धर्म की रक्षा के लिए एक जगह या एक ही केंद्र से इनका संचालन किया जाना संभव नहीं हो पा रहा था। इसलिए यह अखाड़ा अलग बनाया गया। श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़े की न्याय व्यवस्था सबसे अहम मानी जाती है। सभी अखाड़ों में श्रीपंच होते हैं, लेकिन अटल अखाड़े में श्रीशंभू पंच सबका सरपंच माना जाता है। चाहे किसी तरह के विवाद का निपटारा हो या फिर कोई अहम नीतिगत फैसला लेने का समय हो, 13 अखाड़ों की ओर से होने वाली ऐसी बैठकों में श्रीशंभू पंच का आसन लगाया जाता है।

बागपत में चोरी के 60 मोबाइल बरामदःसर्विलांस सेल को मिले 15 लाख रुपए के फोन

बागपत। सर्विलांस सेल बागपत द्वारा जनता के खोए हुए 60 मोबाइल फोन को बरामद किया गया है लगभग 6 माह में खोए और गुमशुदा मोबाइलों को बरामद किया गया है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में लगातार सर्विलास टीम देश के अलग-अलग राज्यों में फोनों की तलाश कर रही थी जिस पर बागपत की सर्विलांस टीम ने जम्मू कश्मीर उत्तराखंड हिमाचल झारखंड असम और स्थान पर पहुंचकर इन फोंस को बरामद किया है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन ने सर्विलांस टीम खोए और गुम हुए फोन की बरामदगी को लेकर निरंतर अभियान चला रही थी ऐसे में सर्विलांस टीम को कठिन परिश्रम के चलते बागपत जनपद अन्य जिलों और अलग-अलग राज्यों से विभिन्न कंपनी के साथ मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। जिनकी कीमत लगभग 15 लाख रुपए बताई जा रही है। वहीं आज पुलिस लाइन सभागार में प्रेस वार्ता करते हुए एसपी अरविंद विजय वर्गीय की मौजूदगी में फोन स्वामियों को फोन दिए गए। फोन मिलाने के बाद फोन स्वामियों ने बागपत पुलिस का धन्यवाद किया और कहा कि पुलिस की सतर्कता के चलते ही हमें फोन वापस मिल पाए हैं। फोन स्वामी वंश कुमार और समीर ने बताया कि फोन गुम हो जाने के बाद फोन मिलने की उम्मीद खत्म हो गई थी लेकिन पुलिस ने हमें हमारे फोन बरामद करके वापस दिए हम पुलिस के हमेशा शुक्रगुजार रहेंगे। पुलिस ने हमें नव वर्ष का तोहफा फोन बरामद करके दिया है।

लखनऊ में साल के पहले दिन बिजली कर्मचारियों का प्रदर्शन

लखनऊ । राजधानी लखनऊ में नए साल की शुरूआत बिजली कर्मियों ने विरोध के साथ किया। निजीकरण को लेकर लगातार चल रहा विरोध बुधवार को भी जारी रहा। बड़ी संख्या में बिजली कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर जन जागरण करने की बात कही। इसके अलावा शक्ति भवन का भी घेराव करने की तैयारी है। निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को 25 संगठनों ने समर्थन दिया है। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने बताया, राज्य कर्मचारियों के 25 संगठनों का समर्थन मिला है। इन संगठनों से 16 लाख कर्मचारी जुड़े हैं। हम सभी मिलकर निजीकरण का विरोध कर रहे हैं। हमारे साथ अब प्रदेश के राज्य कर्मचारी भी जुड़ गए हैं।

कर्मचारियों का दावा है कि निजीकरण से 77 हजार कर्मचारियों की छंटनी होने वाली है। इसमें 50 हजार संविदा कर्मचारी और 27 हजार अभियंता सहित अन्य कर्मचारियों की नौकरी जाएगी। उनका तर्क है कि रातों रात पूरा निगम बेच दिया जा रहा है। प्राइवेट कंपनी पैसा कमाने के लिए आ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कर्मचारियों की मांग पर विचार करना चाहिए।

एअर इंडिया की कुछ घरेलू फ्लाइट्स में अब वाई-फाई की सुविधा भी

मुंबई ।

एअर इंडिया की कुछ घरेलू फ्लाइट्स में अब वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। फिलहाल ये सर्विस एयरबस, बोइंग 787-9 और कुछ ए321 निओ विमानों में ही मिलेगी। एअर इंडिया घरेलू फ्लाइट्स में वाई-फाई इंटरनेट सर्विस देने वाली देश की पहली एयरलाइन बन गई है।

इंट्रोडक्टरी पीरियड के लिए वाई-फाई फ्री है और समय के साथ धीरे-धीरे इसे बेड़े के अन्य विमानों में शामिल किया जाएगा। इन-फ्लाइट वाई-फाई 10,000 फीट से ऊपर होने पर एक साथ कई डिवाइस कनेक्ट करने की अनुमति देगा। ये सर्विस सैटेलाइट कनेक्टिविटी और गवर्नमेंट रेस्ट्रिक्शन्स जैसे फैक्टर्स पर निर्भर करेगी।

अभी तक वाई-फाई सर्विस एयरबस ए350, चुनिंदा एयरबस ए321 नियो और बोइंग बी787-9 विमानों में पायलट प्रोग्राम के तहत इंटरनेशनल रूट पर मिलती थी। सक्सेसफुल पायलट रन के बाद अब सर्विस को घरेलू रूट पर शुरू किया जा रहा है।

डिवाइस में वाई-फाई ऑन करने के बाद एअर इंडिया वाई-फाई नेटवर्क सिलेक्ट करें, नेटवर्क सिलेक्ट करने के बाद डिवाइस के ब्राउजर में एअर इंडिया पोर्टल ओपन होगा, पीएनआर और लास्ट नेम जैसी जानकारी भरने के बाद इंटरनेट एक्सेस कर सकते है।

एअर इंडिया के प्रमुख ग्राहक अनुभव ऑफिसर ने बताया कि कनेक्टिविटी अब मॉडर्न ट्रैवल का एक अभिन्न अंग है। कुछ के लिए, यह रियल-टाइम शेयरिंग करने की सुविधा और कंफर्ट के बारे में है, जबकि अन्य के लिए, यह ज्यादा प्रोडक्टिविटी और एफिशिएंसी के बारे में है। उद्देश्य जो भी हो, हमें विश्वास है कि हमारे गेस्ट वेब से जुड़ने के विकल्प की सराहना करते और इन विमानों में एअर इंडिया के नए अनुभव का आनंद ले सकते है।

एयरक्राफ्ट एंटीना- हवाई जहाज में एक स्पेशल एंटीना होता है जिसे डेटा सिग्नल भेजने और रिसीव करने के लिए तैयार किया गया है। यह एंटीना आमतौर पर हवाई जहाज के टॉप पर स्थित होता है और जमीन पर स्थित सेलुलर टावरों या सैटेलाइट से जुड़ता है।

किसी भी बैंक से निकाल सकते हैं पेंशन

नए साल में 10 बड़े वित्तीय परिवर्तन

नई दिल्ली ।

1 जनवरी 2025 से कई बड़े वित्तीय बदलाव किए गए हैं इसमें पेंशनर को सबसे ज्यादा लाभ है इसके साथ ही किसानों को बिना गारंटी दो लाख रुपए लोन की सीमा को बढ़ाया गया है। यूपीआई के माध्यम से अब 10000 रूपये तक का भुगतान किया जा सकता है।

- फीचर फोन यूजर्स के लिए यूपीआई के माध्यम से लेनदेन की सीमा को 5000 से बढ़ाकर 10000 कर दिया गया है। यूपीआई लाइट के लिए भी प्रति लेनदेन अधिकतम सीमा 500 रूपये से बढ़कर 1000 रूपये कर दी गई है।
- किसान बिना किसी गारंटी के अब 200000 रूपये तक का लोन ले सकेंगे। पहले यह सीमा 1.6 लाख थी।
- ईपीएफओ के 78 लाख से ज्यादा पेंशन भोगी किसी भी बैंक की ब्रांच से अपनी पेंशन निकाल सकेंगे।
- 1 जनवरी से मारुति सुजुकी हुंडई महिंद्रा ऐंड महिंद्रा और अन्य वाहन की कीमतें 2 से 4 फीसदी तक महंगी हो जाएंगी।
- बैंक और एनबीएफसी वित्तीय संस्थाओं को अब एक माह के स्थान पर हर 15 दिन में क्रेडिट स्कोर को अपडेट करना होगा।
- जीएसटी पोर्टल पर एक्सेस के लिए अब कारोबारी को ओटीपी जैसे मल्टी फैक्टर पहचान को जरूरी बनाया गया है।
- जीएसटी के ई वे बिल अब 180 दिनों के भीतर जारी किए गए दस्तावेज के आधार पर ही बनाने की अनुमति होगी।
- बीएससी और बैंक के सेंसेक्स के साप्ताहिक अनुबंध को शुक्रवार के स्थान पर मंगलवार कर दिया गया है।
- राशन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों ने 31 दिसंबर 2024 तक अपना केवाईसी अपडेट नहीं कराया है। उनके राशन कार्ड रद्द हो गए हैं। अब उन्हें राशन नहीं मिलेगा।
- अमेरिका के इमिग्रेंट वीजा के लिए एक बार अपॉइंटमेंट रीशेड्यूल करने पर अब अलग से शुल्क नहीं लगेगा।

व्हाट्सएप करेगा यूपीआई सर्विस का विस्तार, यूजर्स कर सकेंगे आसानी से पेमेंट

-एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे पर लगी यूपीआई यूजर्स की लिमिट हटाई

नई दिल्ली।

व्हाट्सएप यूज करने वाले यूजर्स के लिए नए साल के शुरुआत होते ही गुड न्यूज आई है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने व्हाट्सएप पे पर लगी यूपीआई यूजर्स की लिमिट हटा दी है। एनपीसीआई ने कहा है कि इस सीमा को हटाए जाने के साथ ही व्हाट्सएप पे अब भारत में अपने सभी यूजर्स तक यूपीआई सर्विसेज का विस्तार कर सकेगा।

इससे पहले एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे को चरणबद्ध तरीके से अपने यूपीआई यूजर बेस का विस्तार करने की इजाजत दी थी। पहले यह सीमा 10 करोड़ यूजर्स तक थी जिसे एनपीसीआई ने अब हटा दिया है। एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे पर यूजर्स को जोड़ने की सीमा पर लगी पाबंदी हटा दी है। हालांकि व्हाट्सएप पे इस समय थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स पर लागू सभी यूपीआई दिशा-निर्देशों और परिपत्रों का पालन करना जारी रखेगा। एनपीसीआई भारत में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस स्ट्रक्चर को कंट्रोल करता है। यह देश में खुदरा भुगतान और निपटान

प्रणाली (आईबीए) के संचालन की मूल इकाई है। व्हाट्सएप के भारत में 50 करोड़ से भी ज्यादा यूजर्स हैं।

इसके लिए आपके स्मार्टफोन पर व्हाट्सएप का लेटेस्ट वर्जन होना चाहिए। व्हाट्सएप खोलिए और पेमेंट्स सेक्शन में जाइए। ऐड पेमेंट मेथड सेलेक्ट कीजिए। अपना बैंक चुनिए और इससे जुड़ा फोन नंबर एंटर कीजिए। व्हाट्सएप को एसएमएस भेजने और रिसीव करने की अनुमति दीजिए। इसके बाद अपना अकाउंट वेरिफाई करने के लिए यूपीआई पिन डाल दीजिए। एक बार आपका अकाउंट वेरिफाई होने के बाद आप किसी को भी पैसा भेज सकते हैं।

गुजरात की कंपनी ने पांच साल में निवेशकों को बना दिया करोड़पति

शेयरों में लगा रहा अपर सर्किट, कंपनी का मार्केट कैप 1.71 हजार करोड़

नई दिल्ली।

साल 2024 के आखिर दिन जहां शेयर मार्केट में गिरावट देखने को मिली वहीं कुछ शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। ऐसे ही एक शेयर में मंगलवार को अपर सर्किट लगा। इसने निवेशकों को पांच साल से भी काफी कम समय में करोड़पति बना दिया है। इस शेयर का नाम है मर्करी ईवी-टेक लिमिटेड।

यह गुजरात की कंपनी है। इस कंपनी के शेयर में मंगलवार को पांच फीसदी का अपर सर्किट लगा।

शेयर की कीमत 90 रुपए हो गई है। कंपनी का मार्केट कैप 1.71 हजार करोड़ रुपए है।

पिछले 6 महीने में इस कंपनी के शेयर ने निवेशकों को 26.57 फीसदी का फायदा दिया है। वहीं एक साल के रिटर्न को देखें तो इसने निवेशकों का नुकसान किया है। एक साल में इसमें 22.78 फीसदी की गिरावट आई है। पिछले एक साल में इस शेयर ने बेशक निवेशकों का नुकसान किया हो, लेकिन तीन साल में इसने करोड़पति बना दिया है। 31 दिसंबर 2021 को इसके शेयर की कीमत 85 पैसे थी। अब इसकी कीमत बढ़कर 90 रुपए हो गई है। ऐसे में तीन वर्षों में इसने 10493 फीसदी रिटर्न दिया है।

तीन साल पहले इसमें अगर एक लाख रुपए निवेश किए होते तो आज उनकी वैल्यू एक करोड़ रुपए ज्यादा होती यानी आप एक लाख रुपएनिवेश करके तीन साल में करोड़पति बन चुके होते।

इस शेयर ने पांच साल में 25625 फीसदी रिटर्न दिया है। पांच साल पहले इसके शेयर की कीमत मात्र 35 पैसे थी। अगर आपने पांच साल पहले इसमें एक लाख रुपए निवेश किए होते तो आज उनकी वैल्यू ढाई करोड़ रुपए से ज्यादा होती।

विश्लेषण में दिए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, एनबीटी के नहीं।

पांच प्रमुख कंपनियां इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

देश की पांच प्रमुख कंपनियां मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, टोयोटा और महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की तैयार कर रही हैं। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए साल 2025 क्रांतिकारी साबित होने वाला है।

यह नई पीढ़ी की गाड़ियां अत्याधुनिक तकनीक, लंबी रेंज और बेहतरीन फीचर्स के साथ बाजार में उतारी जाएंगी। हुंडई अपनी मशहूर एसयूवी क्रेटा का इलेक्ट्रिक वर्जन पेश करेगी। यह 5-सीटर ईवी एक बार चार्ज करने पर 450 किलोमीटर की रेंज देने का वादा करती है। इसका इंटीरियर और एक्सटीरियर मौजूदा क्रेटा जैसा होगा लेकिन ईवी-स्पेसिफिक टच के साथ इसे और आकर्षक बनाया जाएगा। जापानी कंपनी टोयोटा अपनी अर्बन क्रूजर ईवी लॉन्च करेगी, जो मारुति की ई-विटारा के डेरिवेट के रूप में पेश की जाएगी। यह इलेक्ट्रिक एसयूवी 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज के साथ दो बैटरी विकल्पों में उपलब्ध होगी।

मारुति सुजुकी भी अपनी बहुप्रतीक्षित मारुति सुजुकी ई वितारा पेश करने जा रही है, जिसमें दो बैटरी पैक और 500 किलोमीटर तक की रेंज होगी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा, जो एसयूवी मार्केट में पहले से ही अग्रणी है, अब अपनी एक्सयूवी3एक्सओ ईवी के जरिए इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में प्रवेश करेगी। यह एसयूवी 400 किलोमीटर की रेंज और आधुनिक फीचर्स के साथ आएगी। टाटा मोटर्स भी अपनी हैरियर का इलेक्ट्रिक वर्जन लॉन्च करेगी। टाटा हेरियर ईवी सिंगल और डुअल मोटर कॉन्फिगरेशन में आएगी, जिसकी रेंज 500 किलोमीटर से अधिक होगी। इन नई इलेक्ट्रिक एसयूवी की लॉन्चिंग से न केवल ईवी बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, बल्कि ग्राहकों को भी बेहतर विकल्प मिलेंगे।

छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें पहले की तरह रहेंगी

नई दिल्ली ।

अब स्मॉल सेविंग स्कीम्स (छोटी बचत) की ब्याज दरें पहले की तरह ही रहेंगी और इनमें चौथी तिमाही में भी कोई बदलाव नहीं किया गया ह है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल-जून , जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया था। यानी पब्लिक प्रोविडेंट फंड नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और किसान विकास पत्र सहित सभी स्मॉल सेविंग स्कीम्स पर मिलने वाले ब्याज दर अपरिवर्तित रहेंगी। अभी पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर 7.1 फीसदी और सुकन्या समृद्धि योजना पर 8.2 फीसदी ब्याज दर मिलती है। सरकार छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों पर फैसला लेने से पहले देश की तरलता स्थिति और महंगाई को ध्यान में रखती है। हालांकि सरकार छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों की हर तीन महीने पर समीक्षा करती है। स्मॉल सेविंग्स स्कीमों पर ब्याज दरें 4 फीसदी से 8.2 फीसदी के बीच हैं। सरकार ने दिसंबर 2023 में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। स्मॉल सेविंग्स स्कीम की ब्याज दरों का हर तिमाही में रिव्यू होता है।

साल के पहले दिन भी रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को साल के पहले दिन तीन पैसे की गिरावट के साथ ही सबसे निचले स्तर 85.64 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया एक समया पहले सत्र में गिरावट के साथ 85.69 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार ब्याज दरों में कटौती को लेकर फेडरल रिजर्व के सतर्क रुख तथा अमेरिकी 10 साल के बॉण्ड प्रतिफल में मजबूती से रुपया लगातार दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.63 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 85.69 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.61 के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

काले और नीले रंग की कारों के ग्राहकों की संख्या बढी

नई दिल्ली । भारत में काले और नीले रंग की कारों के खरीददारों की संख्या बढती जा रही है। इससे पता चलता है कि इन रंगों की कारों की लोकप्रियता अब बढ़ी है, और इन रंगों को खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2021 में काले रंग की कारों का खरीदी प्रतिशत 14.8 प्रतिशत था, जो अब 2024 में बढ़कर 20.2 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह, नीले रंग की कारों की लोकप्रियता भी बढ़ी है। 2021 में नीले रंग की कारों का हिस्सा 8.8 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 10.9 प्रतिशत हो गया है। हालांकि गहरे रंगों की कारों की लोकप्रियता बढ़ी है, सफेद रंग की कारें अब भी भारत में सबसे अधिक पसंद की जाती हैं। 2021 में सफेद कारों की खरीददारी 43.9 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर 39 प्रतिशत हो गई थी। लेकिन 2024 में सफेद रंग की कारों की मांग फिर से बढ़ी है, और अब ये बाजार में 39.3 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती हैं। ह्युंडै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने इस बदलाव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि काले रंग की कारों की लोकप्रियता में बढ़ोतरी हुई है। 2021 में एचएमआईएल के घरेलू बिक्री में काले रंग की कारों का हिस्सा 9 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 19 प्रतिशत हो गया है। हालांकि, सफेद रंग की कारें अब भी कंपनी की घरेलू बिक्री का बड़ा हिस्सा बनी हुई हैं, और पिछले चार वर्षों में इनकी हिस्सेदारी 54 प्रतिशत रही है। इसके साथ ही, गहरे हरे रंग की कारों की लोकप्रियता भी बढ़ी है। 2021 में इस रंग की केवल 1 प्रतिशत कारें बिकी थीं, जबकि 2024 के पहले 11 महीनों में इसकी बिक्री 5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। तरुण गर्ग के अनुसार, युवाओं में नए रंगों को अपनाने का रुझान बढ़ रहा है, और एसयूवी वाहनों की बढ़ती मांग के कारण गहरे रंगों की कारों की बिक्री में भी अच्छी वृद्धि देखी जा रही है। जैटो डायनैमिक्स के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय उपभोक्ताओं का रंग चयन वैश्विक रुझान के अनुरूप बदल रहा है। बीएएसएफ की जनवरी रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर काले रंग की कारों की लोकप्रियता 2022 में 18 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 21 प्रतिशत हो गई, जबकि सफेद रंग की कारों की हिस्सेदारी घटकर 36 प्रतिशत रह गई।

जल्द लांच होगी रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750

नई दिल्ली । हाल ही में रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 बाइक को दक्षिणी यूरोप में टेस्टिंग के दौरान देखा गया, और इसकी तस्वीरों से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह बाइक जल्द ही बाजार में आ सकती है। रॉयल एनफील्ड के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित हिमालयन 750 अब प्रोडक्शन के करीब है। हालांकि, इसकी आधिकारिक लॉन्चिंग 2026 में होने की संभावना जताई जा रही है। वर्तमान में इसे कंपनी प्रोजेक्ट आर2जी के नाम से पहचान रही है। नई हिमालयन 750 का डिजाइन पिछली बाइक्स से अलग और ज्यादा एडवांस है। इसमें 19 इंच फ्रंट और 17 इंच रियर स्पोक व्हील सेटअप होगा, जो कि एडजस्टेबल अपसाइड-डाउन फोर्क्स और मोनोशॉक के साथ आएगा। साथ ही, इसमें ड्यूल फ्रंट डिस्क ब्रेक सेटअप मिलेगा, जिसमें बॉब्रे कैलिपर्स का उपयोग किया जाएगा। यह रॉयल एनफील्ड का अब तक का सबसे एडवांस ब्रेकिंग सिस्टम होगा, जो बाइक के राइडिंग अनुभव को और बेहतर बनाएगा। बाइक में नया फ्रंट काउल और बड़ी विंडस्क्रीन भी दी गई है, जो इसे एडवेंचर और टूरिंग के लिए आदर्श बनाती है। इसमें बड़ा टीएफटी डिस्प्ले, गियर पोजिशन इंडिकेटर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और नेविगेशन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी होंगी। नई हिमालयन 750 में एक नया 750सीसी ट्विन-सिलेंडर इंजन होगा, जो मौजूदा 650सीसी इंजन का ज्यादा पावरफुल वर्जन होगा। यह इंजन 50+ बीएचपी और 55+ एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा, और इसे 6-स्पीड ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा जाएगा।

साल के पहले दिन शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ नए साल के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल मारुति सुजुकी सहित कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में उछाल से आया है। आज सुबह कारोबार की मिली जुली शुरुआत हुई पर समय बढ़ने के साथ ही बाजार में खरीददारी बढ़ने से तेजी आने लगी। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 368.40 अंक करीब 0.47 फीसदी ऊपर आकर 78,507.41 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 98.10 अंक तकरीबन 0.41 फीसदी बढ़कर 23,742.90 अंक पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 23 शेयरों में तेजी रही जबकि 7 शेयर नीचे आये। इनमें से मारुति सुजुकी का शेयर 3.26 फीसदी की बंपर उछाल के साथ 11221.20 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर बंद हुआ। वहीं मारुति के अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी उछले हैं। दूसरी ओर टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, जोमैटो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा और नेस्ले इंडिया के शेयर गिरे हैं। निफ्टी के 37 शेयर लाभ में रहे, जबकि 13 शेयरों में गिरावट रही। लाभ में रहने वाले शेयरों में मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस और टाटा मोटर्स के शेयर शामिल हैं। जिन कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे, उनमें हिंडाल्को, डॉ रेड्डीज, अदाणी पोर्ट्स, ओएनजीसी और टाटा स्टील शामिल हैं। वहीं एशिया के दूसरे बाजारों की बात करें, तो नए साल के अवसर पर जापान के निक्केई 225, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी, हांगकांग के हैंगसेंग और चीन के शंघाई कंपोजिट बंद रहे जबकि यूरोपीय बाजारों में भी कोई कामकाज नहीं हुआ। गत दिवस अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे वहीं इससे पहले बाजार की नये साल के पहले दिन सुबह मिली-जुली

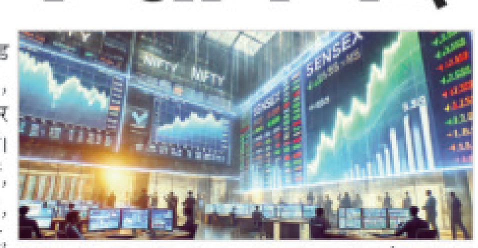

शुरुआत हुई। सुबह कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 126 अंकों के लाभ के साथ ही 78265 के लेवल पर खुला जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23 अंकों की गिरावट के साथ 23621 पर खुला है। कारोबार के दौरान बजाज ऑटो, आईसीआईसीआई बैंक, डॉक्टर रेड्डी, जेएसडब्ल्यू स्टील और अडानी पोर्ट्स के शेयर नीचे आये हैं जबकि अपोलो हॉस्पिटल, अडानी एंटरप्राइजेज, एशियन पेंट्स, एलएंडटी के शेयर उछले हैं। गिफ्ट निफ्टी टुडे गिफ्ट निफ्टी 23,733 के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा था, निफ्टी फ्यूचर्स के पिछले बंद से लगभग 72 अंकों की गिरावट है, जो भारतीय शेयर बाजार सूचकांकों के लिए नकारात्मक शुरुआत का संकेत दे रहा था।

जनवरी में विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के चलते बाजार लाल निशान पर

मुंबई।

पिछले 6 साल से जनवरी माह में शेयर बाजार में अमूमन गिरावट का ट्रेंड दिख रहा है। बीते 10 साल में 7 मौकों पर जनवरी में निफ्टी नुकसान में दिखाई दिए है। यह गिरावट मुख्य रूप से विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के चलते देखी गई। 2015 से लेकर 2024 के बीच 6 बार विदेशी निवेशक नेट सेलर्स रहे हैं। पिछले 10 साल जनवरी में निफ्टी का औसत रिटर्न 0.38 प्रतिशत रहा है।

पिछले 3 वर्षों में एफआईआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 87,899 करोड़ रुपए निकाले। इसके पहले जनवरी 2016, 2017 और 2019 में भी एफआईआई नेट सेलर्स थे। हालांकि 2015, 2018, 2020 और 2021 के जनवरी में इन्होंने भारतीय शेयर में खरीदारी की थी।

घरेलू संस्थाओं ने 10 में से 7 साल निवेश बढ़ाया

डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल निवेश (डीआईआई) जनवरी में 10 में से 7 मौकों पर खरीदार रहे। बीते 3 साल जनवरी में इन्होंने 87,899 करोड़ रुपए लगाए हैं। हालांकि 2015, 2020 और 2021 के जनवरी में ये नेट सेलर्स थे। वहीं, 2016 से 2019 तक 4 साल इन्होंने जनवरी में खरीदारी की।

साल के पहले दिन सेंसेक्स में 400 अंक की बढ़त, निफ्टी में 100 अंक की तेजी

शेयर बाजार में बुधवार साल के पहले दिन (1 जनवरी) बढ़त देखने को मिल रही है। सेंसेक्स करीब 400 अंक की बढ़त के साथ 78,650 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 100 अंक से ज्यादा की तेजी है, ये 23,750 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा

है। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और 5 में गिरावट देखने को मिल रही है।

2024 में 27 प्रतिशत बढ़े इक्विटी निवेशक

नए निवेशकों के लिहाज से 2024 बेहद शानदार रहा है। इस दौरान बाजार ने कई कीर्तिमान बनाए। बीते साल रिटेल निवेशक सालाना आधार पर 27 प्रतिशत से बढ़कर 11 करोड़ के करीब पहुंच गए। महाराष्ट्र और यूपी में निवेशकों की संख्या पहली बार 1 करोड़ पार निकल गई। हालांकि महिला निवेशकों की भागीदारी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही।

नए साल 2025 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कई चुनौतियां संभल कर करें निवेश

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत में निवेश करना शानदार समय होता है। इससे पूरे साल अपने निवेश का ट्रैक रखने में आसानी होती है। 2025 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में व्यापारिक तनाव, भू-राजनीतिक मुद्दे, मजबूत डॉलर और अन्य चुनौतियां देखने को मिल सकती हैं। भारतीय बाजार घरेलू आर्थिक स्थिरता और सही रणनीति से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। हीरो मोटोकॉर्प (टारगेट प्राइस: 5324 रुपए) मौजूदा कीमत: 4161.50 रुपए। दोपहिया वाहनों की बढ़ती मांग, नए मॉडल लॉन्च, और बेहतर शहरी-ग्रामीण संतुलन इमसें संभावित बढ़ोतरी 25 फीसदी है। नेशनल एलुमीनियम कंपनी का टारगेट प्राइस 256 रुपए है। एलुमीनियम की ऊंची कीमतें, परिचालन दक्षता, और कोयले का बेहतर उपयोग है इसमें संभावित बढ़ोतरी 20 फीसदी रह सकती है। सोनाटा सॉफ्टवेयर का टारगेट प्राइस 714 रुपए का है। एआई और क्लाउड सेवाओं पर फोकस, बड़े सौदों की पाइपलाइन में संभावित बढ़ोतरी 16 फीसदी। अशोक लेलैंड टारगेट प्राइस 250 रुपए के साथ वाणिज्यिक वाहनों की बढ़ती मांग, लागत नियंत्रण इसकी संभावित बढ़ोतरी 14 फीसदी और ऑयल इंडिया टारगेट प्राइस 600 रुपए है। परिचालन सुधार, ऊर्जा की बढ़ती मांग। इसमें संभावित बढ़ोतरी 41 फीसदी है। बाजार में उतार-चढ़ाव का ध्यान रखें। लंबी अवधि के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के आधार पर निवेश करें।

मां को श्रद्धांजलि देते हुए सीएम हुए भावुक

कल्याणबिगहा में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन, बिहार के राज्यपाल भी हुए शामिल

नालंदा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को अपनी माता परमेश्वरी देवी की 14वीं पुण्यतिथि के अवसर पर कल्याणबिगहा में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल मोहम्मद आरिफ खान भी पहली बार मुख्यमंत्री के पैतृक गांव पहुंचे, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने पुत्र निशांत और बड़े भाई सतीश कुमार के साथ स्वर्गीय राम लखन सिंह वाटिका पहुंचे, जहां उन्होंने माता परमेश्वरी देवी के स्मृति चिन्ह पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गहरे श्रद्धा भाव से अपनी मां की यादों को संजोया। निशांत ने भी अपनी दादी के स्मृति चिन्ह पर पुष्प अर्पित किए। साथ ही स्वर्गीय राम लखन सिंह और मंजू सिंह के स्मृति चिन्ह पर भी श्रद्धा सुमन चढ़ाए गए। राज्यपाल मो. आरिफ खान ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यपाल का गुलदस्ता देकर स्वागत किया।माता परमेश्वरी देवी अमर रहे का लगाया नारा कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि मुख्यमंत्री ने वाटिका से बाहर निकलते ही उपस्थित जनसमूह से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान जनता ने माता परमेश्वरी देवी अमर रहे के नारे लगाए। इसके बाद मुख्यमंत्री राज्यपाल के साथ अपने पैतृक आवास गए, जहां कुछ समय बिताने के बाद सड़क मार्ग से पटना के लिए रवाना हो गए। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, नालंदा सांसद कौशलेंद्र कुमार, जदयू जिलाध्यक्ष मो. अरशद, बिहारशरीफ अध्यक्ष गुलरेज अंसारी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। पुण्यतिथि के अवसर पर निर्गुण का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय कार्यकताओं और ग्रामीणों की भारी संख्या में उपस्थिति रही।

नालंदा के प्रभारी मंत्री विजय चौधरी और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रमुख कार्यकताओं में डा. धनंजय कु देव, महमूद बख्खो, रंजीत कुमार, पूर्व अध्यक्ष बनारस प्र. सिन्हा, देवन प्रसाद, अतिपिछड़ा अध्यक्ष अजय चंद्रवंशी, विकास कुमार, रोहित कुमार, विजय कुमार सिंह, हरनौत अध्यक्ष रविकांत कुमार, धीरज पटेल, राहुल रंजन कुशवाहा, राकेश पटेल, जनार्दन पंडित, डा. वसुंधरा कुमारी, जयप्रकाश, कुमार मंगलम समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और समस्त ग्रामीण उपस्थित रहे।

मंत्री रत्नेश सदा को ऑटो ने मारी टक्कर, घायल

सहरसा। में बुधवार को मद्य निषेध एवं निबंधन मंत्री रत्नेश सादा सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। घायल हालत में उनको सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना महिषी थाना क्षेत्र के बलिया सिमर गांव के पास की है। दरअसल नए साल को लेकर वे अपने गांव पहुंचे थे। सुबह में मॉर्निंग वॉक करने के दौरान तेज रफ्तार ऑटो ने टक्कर मार दिया। इससे वे और उनका एक गार्ड घायल हो गए।सदर अस्पताल में तीन घंटे इलाज चलने के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। वहीं घटना को लेकर मंत्री रत्नेश सादा ने कहा कि हल्की चोट लगी है। वहीं सिविल सर्जन डॉ कल्यानी मिश्रा ने कहा कि एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि मामूली इंजरी है। प्राथमिक उपचार के बाद उनको घर भेज दिया गया। वहीं इलाज कर रहे डॉ वरुण कुमार ने कहा कि पैर और सिर में चोट लगी थी।स्थिति नॉर्मल होने के बाद घर भेज दिया गया।

काम पर जा रहा हूं, 7 दिनों बाद आई लाश

दरभंगा। 30 साल का शगीर 26 दिसंबर को दरभंगा से चेन्नई के लिए निकला था। 28 को शगीर ने पिता को फोन कर कहा कि मैं अच्छे से पहुंच गया हूं और काम पर जा रहा हूं। पिता का कहना है कि आखिर बार बातचीत के बेटे से ठीक से बात हुई थी। वो घर परिवार से दूरी को लेकर थोड़ा दुखी थी, लेकिन काम पर जाने को लेकर खुश भी दिख रहा था। लेकिन मुझे क्या पता कि कुछ घंटे बाद ही उसकी मौत की खबर आ जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले मंगलवार को मेरा बेटा काम पर चेन्नई गया था और एक हफ्ते बाद इस मंगलवार की शाम को उसकी लाश आई। मृतक शगीर सिमरी थाना क्षेत्र के मनिहारी पंचायत के वार्ड पांच का रहने वाला था। शगीर अपने छोटे भाई के साथ चेन्नई में एक कंपनी में ट्रक मैकेनिक था। छोटे भाई ने ही फोन कर पिता को घटना की सूचना दी।शगीर के पिता ने बताया कि गुरुवार यानी 28 दिसंबर की सुबह करीब 8 बजे बेटे से बात हुई। करीब चार घंटे बाद 12 बजे काम के दौरान हादसा हो गया और एक घंटे बाद यानी 1 बजे मुझे छोटे बेटे ने फोन कर घटना की जानकारी दी गई। बताया गया कि शगीर ट्रक का टायर बदल रहा था, इसी दौरान जैक फिसलने से ट्रक शगीर के ऊपर गिर गया। ट्रक के नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। शगीर के घर मौजूद जलवार पंचायत पूर्व वार्ड सदस्य मोहम्मद शहाबुद्दीन ने बताया कि घटना के बाद जेसीबी बुलाई गई और करीब 20 मिनट बाद ट्रक के नीचे से शगीर की लाश निकाली गई। हादसे की सूचना के बाद शगीर के परिजन चेन्नई पहुंचे और एंबुलेंस के जरिए चार दिन बाद बेटे की लाश लेकर गांव आए। मोहम्मद शाहबुद्दीन ने बताया कि शगीर 5 भाइयों में से तीसरे नंबर का था। वो करीब 10 सालों से चेन्नई में एक कंपनी में ट्रक की मरम्मत का काम करता था। हालांकि, 2020 के लॉकडाउन के दौरान वो गांव आ गया था। इसके बाद सोभन में नेशनल हाइवे-27 के किनारे पंचर की दुकान खोली थी। जब दुकान नहीं चली, तो गांव में ही किसी का ऑटो लिया और उसे चलाने लगा। इससे भी कमाई नहीं हुई, तो चेन्नई लौटने का फैसला किया।

सरस्वती पूजा के लिए मूर्ति बुकिंग में आई गिरावट

बहन का जन्मदिन मनाकर लौट रहे थे, 80 से ज्यादा थी गाड़ी की स्पीड

समस्तीपुर। आगामी 2 फरवरी को वाली सरस्वती पूजा के लिए समस्तीपुर जिले में कुम्हार प्रजापति समाज के लोग मूर्तियों के निर्माण में जुटे हुए हैं, लेकिन इस बार बुकिंग में पहले जैसी रौनक नहीं दिखाई दे रही है। मूर्तिकार अब तक अर्ध निर्मित मूर्तियों को तैयार करने में लगे हैं, ताकि जब ग्राहक आएं तो वे इन मूर्तियों को देख सकें और बुकिंग करवा सकें। हालांकि, अभी तक कोई खास ग्राहक नहीं आया है। मूर्तिकार पप्पू पंडित, जो पिछले 20 सालों से मूर्तियों का निर्माण कर रहे हैं, बताते हैं कि पहले सरस्वती पूजा को लेकर लोग तीन-चार महीने पहले से ही मूर्तियों की बुकिंग करा लेते थे, लेकिन इस वर्ष अब तक बुकिंग की कोई शुरूआत नहीं हुई है। पप्पू पंडित का कहना है कि वह मूर्तियों को तैयार करने के बावजूद ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं।स्नातक छात्र अनीश कुमार ने कहा कि वह पूजा के मौके पर मूर्तियों की बुकिंग में मदद करने के लिए घर आए थे, लेकिन अब इस धंधे में घाटा हो रहा है। अनीश ने यह भी बताया कि वह अब सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं और इस धंधे में अपना भविष्य नहीं देखते। मूर्तिकारों के अनुसार, 2 से 3 फीट की मूर्ति बनाने में लगभग 500 रुपए का खर्च आता है, जबकि मूर्ति की बिक्री 700 से 800 रुपए तक होती है। एक मूर्ति तैयार करने में 15 से 20 दिन लग जाते हैं, लेकिन आमदनी केवल 200 से 300 रुपए तक होती है, जिससे उनका आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है।समस्तीपुर जिले में कुम्हार प्रजापति समाज की तीन लाख से अधिक आबादी है, जो ज्यादातर मूर्ति कला के रोजगार से जुड़ी हुई है।

लेकिन बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट के कारण उनकी स्थिति खराब हो गई है। बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत कुम्हार समाज को कोई लाभ नहीं मिल रहा है, जबकि अन्य राज्य जैसे बंगाल और उत्तर प्रदेश में माटी कला बोर्ड का गठन किया गया है, जिससे वहां के कुम्हारों को लाभ मिल रहा है।

बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति के जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पंडित ने बताया कि अगर इस समाज को बिहार लघु उद्यमी योजना में शामिल किया जाता, तो कुम्हार प्रजापति समाज के लोगों को बहुत फायदा होता।

इस बीच, कुम्हार प्रजापति समाज के लोग सरकार से मदद की उम्मीद लगाए हुए हैं।

फोटो फ्रेमिंग, किताब की दुकान में लगी आग

2 घंटे की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने पाया काबू, 6 लाख रुपए से अधिक का सामान जलकर राख

औरंगाबाद। में सदर अस्पताल के पास विश्वनाथ बुक बाइंडिंग एवं फोटो फ्रेमिंग सेंटर में बुधवार सुबह आग लग गई। आसपास के लोगों ने दुकान मालिक विश्वनाथ कुमार सिंह को इस बात की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही विश्वनाथ कुमार सिंह अपने अन्य साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और इस घटना की जानकारी अग्निशमन पदाधिकारी को दिया।

सूचना के बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।दुकान संचालक विकास कुमार ने बताया कि हमारे दुकान में सभी तरह का फोटो फ्रेम बनता था और जमीन की नक्शा खतियान एवं किताब की जिल्द मढाई होता था। हम लोग जब सोए हुए थे तो आसपास के लोगों ने जानकारी दिया कि आपके दुकान में आग लग गई है। घटना में दुकान में रखे फर्नीचर, इनवर्टर, फोटो फ्रेम, कई सरकारी दस्तावेज समेत अन्य जलकर नष्ट हो गए हैं। उन्होंने बताया कि आग लगने की घटना में करीब 6 लाख रुपए से अधिक का सामान जलकर राख हो गया है। आग लगने की घटना के कारणों के बारे में फिलहाल स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है।

पीड़ित दुकानदार ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

संक्षिप्त डायरी

रिश्तेदार बनकर आई महिला ने घर में की चोरी

बक्सर। के राजपुर थाना क्षेत्र के मंगराव गांव में रिश्तेदार बनकर आई एक महिला ने विश्वासघात करते हुए लाखों की चोरी कर ली। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर महिला को यूपी से गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद पुलिस आगे की करवाई में जुटी हुई है। राजपुर थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि घटना 26 दिसंबर की है। वह कैमूर के नुआंव थाना क्षेत्र के गारा गांव निवासी मंजू देवी उर्फ बताशा, मंगराव गांव निवासी ललन पांडेय के घर पहुंची थी। इसके बाद 27 दिसंबर की सुबह जब परिवार के अन्य सदस्य घर से बाहर गए तो उसने घटना को अंजाम दे दिया। इस दौरान उसने घर में मौजूद एक महिला को बेहोश कर दिया था। कुछ घंटे बाद महिला के पति ललन पांडेय घर आए तो घटना की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। राजपुर थाने की पुलिस ने मामले की जांच कर आरोपी महिला को उत्तर प्रदेश के रामनगर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद महिला को जेल भेजने की करवाई में जुटी हुई है।

एटीएम कार्ड बदलने वाला शातिर गिरफ्तार

पूर्णिया। पुलिस ने एटीएम कार्ड की फेरबदल कर अवैध निकासी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। शातिर एटीएम बदल कर बैंक के खाते से फर्जी तरीके से राशि की निकासी करते थे। पुलिस ने इस गिरोह के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया है। पकड़े गए जालसाज के पास से पुलिस ने 9 एटीएम कार्ड और कैश भी बरामद किया है। मामला बनमनखी थाना से जुड़ा है। बनमनखी एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया है कि पिछले 2 महीने में बनमनखी और जानकीनगर थाना में एक शातिर गिरोह कुछ लोगों का एटीएम बदलकर रुपए की निकासी कर रहा था। मामला सामने आने के बाद एसपी कार्तिकेय शर्मा के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया था। सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचना के आधार पर जानकीनगर थाना के लादुगढ वार्ड-9 से बब्बल ऋषि को पुलिस ने पकड़ा। तलाशी के क्रम में उसके पास से 9 एटीएम कार्ड, 2150 रुपए कैश, एक मोबाइल और एक पल्सर बाइक के साथ गिरफ्तार किया। गिरोह के शातिर बदमाश ने बताया कि जिन्हें एटीएम का इस्तेमाल करना नहीं आता था। जब भी कोई एटीएम कार्ड लेकर एटीएम पहुंचता और उनसे मदद मांगता वे अपनी बातों में उलझाकर एटीएम बदल देते थे और फिर बाद में उस एटीएम से रुपए की निकासी करते थे।

नालंदा में खाजा दुकानदार की हत्या

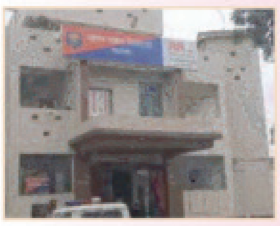

नालंदा। के तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार देर शाम खाजा दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान जहानाबाद जिला के ओखरी थाना क्षेत्र के पिरोजा गांव निवासी रंजीत कुमार के रूप में हुई है। मृतक रंजीत कुमार का अपने भाइयों से जमीन विवाद चल रहा था। इसी विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया है। रंजीत कुमार जब अपनी दुकान बंद करके घर जा रहे थे, तभी अज्ञात अपराधियों ने केला बिगहा पेट्रोल पंप के पास उन पर गोलियां बरसा दीं। गंभीर रूप से घायल रंजीत कुमार को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां दम तोड़ दिया।मृतक की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मृतक के भाइयों पर हत्या का आरोप लगाया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एसपी भारत सोनी ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

बहन से छेड़खानी, भाई की पिटाई

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार शाम घर के पास खेत में शौच करने गई एक युवती से छेड़खानी की गई। इस दौरान युवती ने जब विरोध किया गया तो उसके साथ मारपीट की गई।शोर पर जब युवती का भाई पहुंचा तो मनचलों ने उसकी भी पिटाई कर दी। हल्ला होने पर जब ग्रामीणों की भीड़ जुटी तो मनचले वहां से फरार हो गए। जख्मी भाई-बहन को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है उधर घटना की सूचना पर पुलिस मामले की जांच में छूट गई है।बताया जाता है कि चार-पांच युवकों ने मिलकर छेड़खानी की है। वे लोग उसके साथ गलत करने की कोशिश कर रहे थे। पीड़िता ने शोर मचाया तो भाई आ गया। जिसके बाद आसपास के लोग भी मौके पर जुटे। लोगों को देखकर बदमाश फरार हो गए। बाद में जख्मी भाई बहन को उपचार के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी सदर डीएसपी 2 विजय महतो ने कहा कि शौच करने गई युवती से छेड़खानी का मामला सामने आया है। छेड़खानी का जब विरोध किया गया है तो मारपीट की बात बताई जा रही है।

सड़क हादसे में पैक्स प्रबंधक की मौत

औरंगाबाद। भदवा पथ के रफीगंज थाना क्षेत्र के माड़ीपुर गांव के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन गया मगध मेडिकल रेफर कर दिया गया। जहां घायल के इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान रफीगंज थाना क्षेत्र के सिहुली पंचायत के नईकी गांव निवासी डॉ. उदय यादव के 25 वर्षीय बेटे राहुल कुमार के रूप में की गई है। मृतक गोरडिहा पंचायत के पैक्स प्रबंधक थे और करीब 2 साल से वह पैक्स प्रबंधक का कार्य कर रहे थे। घटना के संबंध में बताया जाता है कि औरंगाबाद से किसी कार्य को लेकर लौट रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ।मृतक राहुल कुमार की 3 साल पहले सोनाली कुमारी के साथ शादी हुई थी। एक बेटी है जो 14 माह की है। राहुल एक सामाजिक कार्यकर्ता थे। वे छात्र राजनीति में राजद पार्टी में सक्रिय रहे हैं। मां-पिता के इकलौते बेटे थे। घटना परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक के पिता डॉक्टर उदय यादव एक निजी क्लीनिक चलाते हैं।

घटना की जानकारी छात्र राजद नेता सोनू यादव ने दी।

20 फीट नीचे नहर में गिरी बाइक,3 भाइयों की मौत

बहन का जन्मदिन मनाकर लौट रहे थे, 80 से ज्यादा थी गाड़ी की स्पीड

सासाराम। में नए साल में सड़क हादसे में 3 भाइयों की मौत हो गई। तीनों देर रात करीब 2 बजे नटवार गांव से बहन का जन्मदिन मनाकर अपने गांव गुनसेज लौट रहे थे। इस बीच बाइक 20 फीट नीचे नहर में गिर गई। आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि गाड़ी की स्पीड 80 से ज्यादा रही होगी। बुधवार की सुबह बिहार पुलिस की तैयारी कर रहे युवक जब दौड़ने निकले तो उन्होंने नहर में पड़ी बाइक और युवकों को देखा। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। घटना के बाद सूर्यपुरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों की पहचान प्रियांशु कुमार (25) पिता मुद्रिका सिंह, अंकित कुमार (22) पिता संजय सिंह और शशिरंजन उर्फ मनु कुमार (23) पिता रामेश्वर सिंह के रूप में की गई है। तीनों रिश्ते में भाई थे। चाचा ने बताया कि 'तीनों आपस में भाई थे। एक ही गोतिया के थे। मंगलवार को शशिरंजन अपनी छोटी बहन अनु कुमारी का जन्मदिन मनाने के लिए नटवार गांव गया था। उसके साथ प्रियांशु कुमार और अंकित कुमार भी एक ही बाइक पर गए थे। तीनों साथ में पढाई करते थे और साथ ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी कर रहे थे। इसके अलावा प्रियांशु खनिता बाजार में मोबाइल शॉप भी चलाता था।' सूर्यपुरा थाना अध्यक्ष प्रिया कुमारी ने बताया 'घटना बक्सर लाइन नहर के हदहदवा पुल की है। पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। इसके बाद मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएगी।'

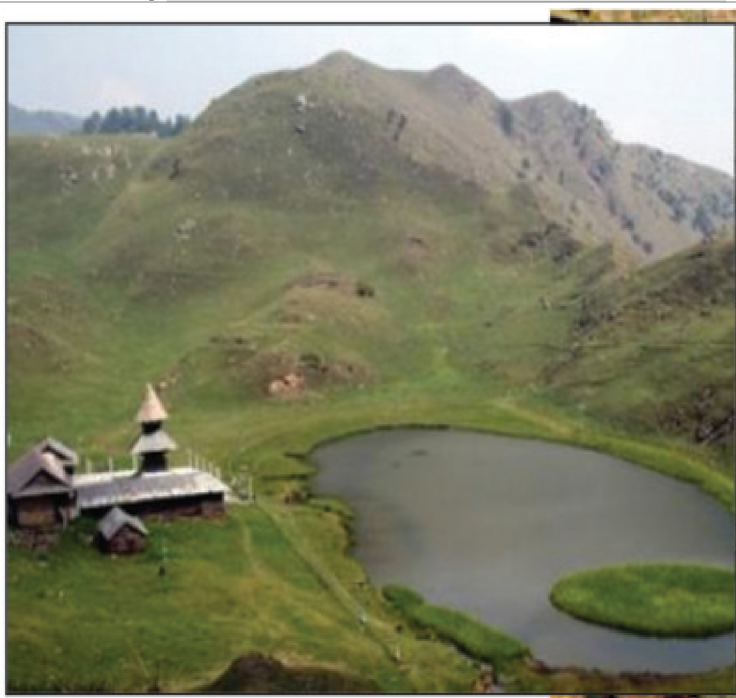

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

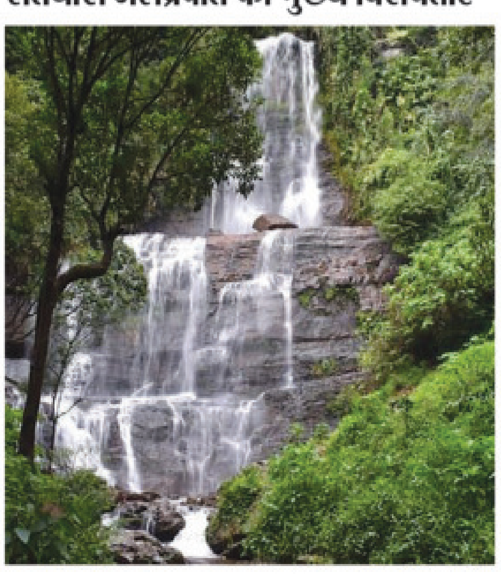

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिड़ियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित है। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती है, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

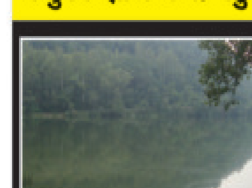

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते है।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

अब मुझे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कमी महसूस नहीं होती : धोनी

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने का कहना है कि उन्हें अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कमी महसूस नहीं होती है। पहली बार अपने संन्यास को लेकर धोनी ने कोई बात कही है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि मुझे और समय मिलेगा पर अब नहीं। मैं हमेशा मानता हूं कि आप कुछ सोच समझ कर अपने फैसले लेते हैं। उन्होंने कहा कि एक बार जब आपने फैसला ले लिया तो उसके बारे में सोचने का कोई अर्थ नहीं है। इसलिए मैं भगवान की कृपा से अपने देश के लिए जो कुछ भी कर पाया उससे बहुत खुश हूं। साथ ही कहा कि उन्होंने इस खेल से देश को गौरवान्वित करने की अपनी भूमिका निभा ली है। उन्होंने कहा कि पहले मैंने सोचा था कि मुझे और समय मिलेगा पर यह थोड़ी निराशा की बात है कि मुझे ज्यादा समय नहीं मिला।

धोनी ने कहा कि संन्यास से लाभ भी हुआ है। अब मैं दोस्तों के साथ काफी समय बिता पाता हूं। मैं काफी अधिक मोटरसाइकिल सवारी कर सकता हूं। यह हालांकि लंबी यात्रा नहीं होती है। यह मुझे अच्छी लगती है। धोनी ने कहा कि यह अच्छा रहा, परिवार के साथ समय बिता पा रहा हूं। धोनी ने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिनमें से उन्होंने 27 बार जीत हासिल की, 18 हारे और 15 ड्रा रहे। 45.00 के जीत प्रतिशत के साथ, वह सभी प्रारूपों में भारतीय टीम के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं।

धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान तक पहुंचा था। वह इतिहास में एकमात्र कप्तान है जिन्होंने आईसीसी के सभी तीन सीमित ओवरों के खिताब 2007 में टी20 विश्व कप, 2011 में एकदिवसीय विश्व कप और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीते हैं। धोनी ने 200 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी की। भारतीय टीम ने इसमें 110 मैच जीते, 74 हारे और पांच मैच ड्रा रहे। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 74 मैचों में भारत का नेतृत्व किया और टीम को 41 जीत दिलाई। धोनी ने जीवन में अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और करीबी दोस्तों को दिया है। संन्यास के बाद भी अब वह केवल आईपीएल ही खेलते हैं।

दो बार की ओलंपिक चैंपियन बीट्राइस चेबेट ने तोड़ा अपना ही विश्व रिकॉर्ड

बार्सिलोना (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक चैंपियन बीट्राइस चेबेट ने महिलाओं की पांच हजार मीटर की दौड़ का अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़कर कर्सा डेल्स नैसोस रोड रेस का खिताब जीता। बार्सिलोना में हुई इस दौड़ को 24 वर्षीय केन्याई खिलाड़ी ने 13 मिनट और 54 सेकंड में पूरा किया।

पेरिस ओलंपिक में पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर में स्वर्ण जीतने वाली चेबेट ने इसी दौड़ में एक साल पहले बनाए गए अपने पिछले रिकॉर्ड को 19 सेकंड से पीछे छोड़ दिया। दौड़ के बाद चेबेट ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं क्योंकि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ। मुझे लगा कि मैं 14 मिनट से कम समय में दौड़ सकती हूं और मैं ऐसा करने में सफल रही। बार्सिलोना में दो दौड़ और दो विश्व रिकॉर्ड, क्या मैं इससे अधिक की उम्मीद कर सकती हूं।'

उन्होंने कहा, 'मेरा ध्यान अगले वर्ष टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में पांच हजार मीटर और 10 हजार मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने पर है।'

ऑस्ट्रेलिया का भी डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना अभी तक पक्का नहीं

मेलबर्न (एजेंसी)। बॉक्सिंग डे टेस्ट में हार से जहां भारतीय क्रिकेट टीम के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम पर खतरा अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। अगर भारत सिडनी में ऑस्ट्रेलिया को ड्रॉ पर रोक देता है और उसके बाद श्रीलंका सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम को दोनों ही टेस्ट में हरा देती है तो श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगी और ऑस्ट्रेलिया बाहर हो जाएगी।

मेलबर्न में हार से भारतीय टीम के अंक प्रतिशत तालिका में 55.89 से गिरकर 52.78 हो गए है जबकि ऑस्ट्रेलिया के नाम पर अब 61.46 प्रतिशत अंक हैं।

वहीं पाकिस्तान पर जीत से दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारतीय टीम अगर सिडनी में जीत दर्ज करती है तो उसके 55.26 प्रतिशत अंक हो जाएंगे और ऑस्ट्रेलिया के 54.26 प्रतिशत अंक रह जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया अगर श्रीलंका में एक भी टेस्ट जीत लेता है तो उसकी डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से टक्कर तय हो जाएगी। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया की जीत ने उसकी डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को बढ़ाया है और टीम अगले साल लार्ड्स में होने वाले फाइनल में जगह बनाने से केवल एक जीत दूर है।

भारतीय टीम ने 2024-25 सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए बांग्लादेश को स्वदेश में 2-0 से हराया था। इसके बाद हालांकि भारत का अभियान पटरी से उतर गया। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ स्वदेश में तीन मैच की श्रृंखला में 0-3 से करारी का सामना करना पड़ा और अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम 1-2 से पिछड़ रही है। रोचक बात यह है कि सिर्फ भारत के ऊपर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से बाहर होने का खतरा नहीं है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया भी बाहर हो सकता है। अगर भारत मेजबान को सिडनी में ड्रॉ खेलता है और उसके बाद पैट कमिंस की टीम श्रीलंका में दोनों टेस्ट हार जाए तो श्रीलंकाई टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

बुमराह ने गेंदबाजी रैंकिंग में हासिल किए सबसे ज्यादा अंक, अश्विन का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में गेंदबाजों में 907 रेटिंग अंक का आंकड़ा छूकर नया भारतीय रिकॉर्ड बनाया। बुमराह ने हाल में संन्यास लेने वाले स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2016 में 904 अंकों की अपनी सर्वोच्च रेटिंग हासिल की थी।

बुमराह ने हाल में अश्विन की बराबरी की थी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन के दम पर वह नया भारतीय रिकार्ड बनाने में सफल रहे। बुमराह 907 रेटिंग अंकों के साथ सर्वकालिक सूची में इंग्लैंड के डेरेक अंडरवुड के साथ संयुक्त 17वें स्थान पर हैं। इस तेज गेंदबाज ने बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में नौ विकेट हासिल किए थे जिससे उन्होंने गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। भारत हालांकि इस मैच में हार गया था।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने एमसीजी में अपने छह विकेटों के दम पर 15 रेटिंग अंक हासिल किए जिससे वह एक पायदान चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। कमिंस ने चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 184 रन की जीत के दौरान दो पारियों में 90 महत्वपूर्ण रन बनाने के बाद टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में भी तीसरा स्थान हासिल किया।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की पहली पारी में 82 रन की पारी ने उन्हें 854 रेटिंग अंकों के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी के पहले टेस्ट शतक ने उन्हें टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 20 स्थान ऊपर 53वें नंबर पर पहुंचा दिया।

गंभीर ने टीम को आड़े हाथों लिया, बेहतर प्रदर्शन करें या बाहर होने तैयार रहें

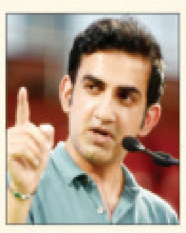

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन से मुख्य कोच गौतम गंभीर बेहद नाराज है और उन्होंने इसी कारण टीम को आड़े हाथों लिया। जिस प्रकार से भारतीय टीम ने मेलबर्न में हाथ में आया मैच खो दिया उससे कोच बेहद नाराज बताये गये हैं। मेलबर्न की हार से भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से भी तकरीबन बाहर हो गयी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी कारण भड़के गंभीर ने हर किसी को जमकर फटकारा और कहा, बस बहुत हो गया अब उन्हें संभल जाना चाहिये। गंभीर ने इस दौरान नाम लिए बिना ही स्वाभाविक गेम खेलने के नाम पर आउट होने के लिए अलग-अलग बहाने ढूंढने वाले खिलाड़ियों को भी चेतावनी दी। माना जा रहा है कि उनका संकेत विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और विराट कोहली की ओर था। गंभीर के कोच पद संभालने के बाद से ही से अब तक का टीम का सबसे खराब प्रदर्शन है। उनके कोच पद संभालने के बाद टीम को केवल बांग्लादेश पर जीत मिली। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर उसे हार का सामना करना पड़ा। ड्रेसिंग रूम में कोच ने एक लाइन में कहा कि अगर टीम की योजना के अनुसार नही चल सकते हैं तो बाहर जाने के लिए तैयार रहें। गंभीर ने कहा कि उन्होंने पिछले 6 महीने टीम को अपने अनुसार खेलने की आजादी दी थी पर उससे नुकसान ही हुआ है। अब टीम को उनके अनुसार खेलना होगा। मेलबर्न में हार के बाद भारतीय टीम को न केवल सिडनी में जीतना होगा, बल्कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज के परिणाम पर भी निर्भर रहना होगा।

जोकोविच ने कोच एंडी मर्रे के साथ मिलकर बनाई रणनीति, नए खिलाड़ियों को देंगे चुनौती

ब्रिस्बेन। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच वर्ष 2024 में पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक के रूप में एकमात्र खिताब जीत पाए थे लेकिन अब उन्होंने नए कोच एंडी मर्रे के साथ मिलकर यानिक सिनर और कार्लोस अल्कराज जैसे युवा खिलाड़ियों से मुकाबला करने के लिए नई रणनीति तैयार की है। वर्तमान में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी 23 वर्षीय सिनर ने बीते साल ऑस्ट्रेलियाई और अमेरिकी ओपन तथा 21 वर्षीय अल्कराज ने विंबलडन और फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल के खिताब जीते थे। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में अपने पहले दौर का मैच जीतने के बाद 37 वर्षीय जोकोविच ने कहा कि उन्होंने 12 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले मर्रे के साथ मिलकर अपने युवा प्रतिद्वंदियों के वीडियो देखकर उनके खेल का आकलन किया है। अपने 100वें एटीपी खिताब की कवायद में लगे जोकोविच ने ऑस्ट्रेलिया के वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले रिंकी हिजिकाटा को 6-3, 6-3 से हराने के बाद कहा कि वह मर्रे साथ मिलकर अपने खेल में छोटे-छोटे बदलाव करेंगे। जोकोविच ने कहा, 'मैं अपने खेल में आमूलचूल बदलाव करने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। मैं जियोवानी (फ्रांस का 21 वर्षीय स्टार जियोवानी एमपेत्शी पेरीकार्ड) की तरह नहीं बनने जा रहा हूं, जो पहले दो सर्विस करके नेट पर आ जाए।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं निश्चित रूप से सुधार करना चाह रहा हूं, भले ही यह मामूली हो। मैं शारीरिक और मानसिक रूप से भी प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हूं। चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े, चाहे युवाओं के साथ कितने भी घंटे खेलना पड़े।'

हेड ने अपने अजीब जश्न को लेकर सफाई दी

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने भारतीय टीम के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऋषभ पंत को आउट करने के बाद अपने अजीब से जश्न को लेकर सफाई दी है। हेड के इस जश्न को लेकर कई लोगों ने हैरानी जतायी थी। वहीं कई लोगों ने इसे विवादित बताते हुए सवाल भी उठाये थे। साथ ही कइने कहा कि यह बर्फ पर अंगुली का संकेत था। साथ ही कहा कि यह अजीब इशारा उन्होंने पहली बार श्रीलंका दौरे में दिखाया था। इस मैच में ऋषभ जब अच्छी बल्लेबाजी करने लगे थे और मैच को ड्रॉ कराने की ओर बढ़ रहे थे। तभी हेड ने उन्हें आउट कर मैच का रुख ही मोड़ दिया। भारतीय बल्लेबाज ने पुल शॉट खेलने का प्रयास किया था जिसपर वह कैच हो गये थे। इसके बाद हेड ने अपने बाएं हाथ की अंगुलियों को एक मोड़कर और दाहिने हाथ की तर्जनी अंगुली को उसमें डुबाकर इस क्षण का जश्न मनाया। हेड ने मेलबर्न टेस्ट के बाद कहा, 'फिंगर ऑन द आइस। मैंने इसकी शुरुआत श्रीलंका में की। मैं अपनी अंगुली बर्फ पर रखी और गेंदबाजी के लिए तैयार हुआ। मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस से जब हेड के इस अजीब से जश्न को इसके बारे में पूछा गया और उन्होंने कहा, 'मैं इसे समझा सकता हूं। उसकी अंगुली इतनी गर्म है कि उसे इसे एक कप बर्फ में डालना पड़ा। यही बात है। कमिंस ने कहा, 'यह आम तौर पर किया जाने वाला मजाक है हालांकि हेड का जश्न पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू को पसंद नही आया जिन्होंने इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के खिलाफ 'कड़ी कार्रवाई की मांग की और इसे 'घृणित बताया।

पंजाब किंग्स को इस साल आईपीएल खिताब जिता पायेंगे श्रेयस ?

मुम्बई । आईपीएल 2025 सत्र के लिए पंजाब किंग्स टीम के कप्तान बने श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह टीम को खिताब जिताने का पूरा प्रयास करेंगे। वह नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर लगातार दो विभिन्न फेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। अब तक खिताब नहीं जीत पायी पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में इसी कारण उन्हें खरीदा है। श्रेयस की कप्तानी में ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने साल 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में उनका प्रयास लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतकर रिकार्ड बनाना रहेगा। श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक शानदार वर्ष रहा है, उनकी कप्तानी में टीमों ने 4 ट्रॉफियां जीतीं। अय्यर को मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। साल 2024 में 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने से भी श्रेयस के हौंसले बुलंद हैं। ऐसे में उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्ग को खिताब दिलाना है। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टीम ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों को लेकर अय्यर आगामी आईपीएल सत्र को लेकर उत्साहित हैं। अय्यर ने एक वीडियो में कहा कि घरेलू क्रिकेट खिताबों के बाद अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

चैंपियंस ट्रॉफी के पुन: आयोजन पर बोले एफआईएच अध्यक्ष, हमें कैलेंडर में जगह चाहिए

राउरकेला (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम ने बुधवार को प्रतिष्ठित चैंपियंस ट्रॉफी को फिर से आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की लेकिन साथ ही उन्होंने पहले से ही व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में इस टूर्नामेंट को शामिल करने की मुश्किलों को भी उजागर किया।

चैंपियंस ट्रॉफी 1978 में एक सालाना टूर्नामेंट के तौर पर शुरू हुई और 2014 में यह द्विवार्षिक हो गई। यह टूर्नामेंट एक समय हॉकी की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में शामिल था जो केवल विश्व कप और ओलंपिक से पीछे था। इसका अंतिम चरण 2018 में आयोजित कराया गया था। इसके बाद एफआईएच ने इसे बंद कर दिया था।

इकराम ने एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, 'हम इस बात से इनकार नहीं कर रहे हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी या इसी तरह के किसी टूर्नामेंट को फिर से शुरू किया जा सकता है। लेकिन हमें कैलेंडर में जगह देखने की जरूरत है।' उन्होंने खिलाड़ियों के व्यस्त कार्यक्रम और उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए 'बेहतर और अधिक रोमांचक टूर्नामेंट' शुरू करने के महत्व पर प्रकाश डाला। इकराम ने हॉकी की वैश्विक पहुंच का विस्तार करने और शीर्ष नौ टीमों से परे देशों के लिए मौका प्रदान करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमारे पास दूसरे दर्जे के देशों के लिए कुछ नहीं था। शीर्ष नौ-10 देशों के बाद हमने अगले आठ देशों के लिए नेशन्स कप शुरू किया है। एफआईएच के लिए मेरा लक्ष्य है कि शीर्ष 35 देश एफआईएच टूर्नामेंट में शामिल हों, जो इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ है।'

उन्होंने कैलेंडर की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए एलीट और उभरते हॉकी देशों के बीच की खाई को पाटने के महत्व को रेखांकित किया। इकराम ने कहा, 'अंतर पाटने का एकमात्र तरीका है कि हमें अन्य देशों को भी शामिल करना होगा। इसलिए समस्या यह होगी कि आपका कैलेंडर अधिक भरा होगा।'

एफआईएच का एक प्रमुख टूर्नामेंट प्रो लीग 2019 से चल रहा है। इसके बारे में बोलते हुए इकराम ने 'प्रो लीग कनेक्ट' नाम की एक नयी परियोजना के शुरू होने की घोषणा की जिसका उद्देश्य शीर्ष हॉकी देशों के बाहर के देशों को शामिल करना है। इकराम ने इसके बारे में अधिक जानकारी दिये बिना कहा, 'पिछले साल के अंत में मैंने हमारे प्रतियोगिता विभाग और प्रो लीग टीम के साथ एक बैठक की थी। हम 'प्रो लीग कनेक्ट नामक' की एक परियोजना शुरू कर रहे हैं।'

इंग्लैंड के पूर्व किकेटर ने नितीश की तुलना डिविलियर्स से की

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व किकेटर मार्क निकोलस ने भारतीय टीम के युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की जमकर प्रशंसा की है। निकोलस ने कहा कि जिस प्रकार से नितीश ने मेलबर्न टेस्ट में बल्लेबाजी की थी उससे तय है कि वह विश्व क्रिकेट के दूसरे ए बी डिविलियर्स बनकर उभरेंगे। निकोलस ने इस प्रकार नितीश की तुलना डिविलियर्स से की है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण जाने जाते हैं। नितीश को लेकर निकोलस ने कहा कि, फ्रउनकी ट्रिगर मूवमेंट मुझे डिविलियर्स की याद दिलाती है जिस तरह से वह पीछे जाते हैं और आगे की ओर दबाव डालते हैं, वैसा डिविलियर्स ही करते थे। इसी कौशल से डिविलियर्स ने जमकर रन बनाये हैं। यही अब नितीश कर रहे हैं। साथ ही कहा कि मुझे उनका साहस और अपना समर्थन करने की क्षमता पसंद है। वह शीर्ष पर जाने और दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सामना करने में जरा भी संकोच नहीं करते हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आगे कहा कि अगले मैच में छह बल्लेबाजों और फिर पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों को रखना चाहिये और नितीश को शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल किया जाना चाहिये। इस सीरीज में नितीश ने अबतक खेले 4 मैच में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा 294 रन बनाये हैं।

सैमी अप्रैल में संभालेंगे पद

जमैका । वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डेरेन सैमी अप्रैल में वेस्टइंडीज टीम के कोच पद को संभालेंगे। सैमी ने वेस्टइंडीज की ओर से 232 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उनकी कप्तानी में वेस्टइंडीज ने दो बार टी20 विश्व कप जीता है। अब बोर्ड ने उन्हें तीनों प्रारुपों में कोच की जिम्मेदारी दी है। सैमी को 2023 में सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम में कोच बनाया गया था। सैमी को तब आंद्रे कोल की जगह एकदिवसीय और टी20 टीम का कोच बनाया गया था। इससे पहले सैमी लाल गेंद क्रिकेट में वेस्टइंडीज टीम के अंतरिम कोच थे। सैमी ने बतौर कोच जून में यूएई के खिलाफ एकदिवसय में पहली बार कोचिंग की। विंडीज के पूर्व विकेटकीपर कूले ने पिछले साल जुलाई में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में अंतिम बार कोचिंग की थी। सैमी के मार्गदर्शन में वेस्टइंडीजी ने सफेद गेंद क्रिकेट में यूएई के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीती थी जबकि बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ भी उसे जीत मिली थी। इसके बावजूद टीम विश्वकप क्वालीफायर के फाइनल में जगह नहीं बना पाई थी। टीम पिछले काफी समय से एक भी टेस्ट सीरीज नही जीत सकी है। उसे भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार मिली। वहीं उसने ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश से ड्रॉ खेला। उसका टेस्ट में सबसे अच्छा प्रदर्शन जनवरी 2024 में आया। तब उसने ने ऑस्ट्रेलिया को गाबा में हराया था। वेस्टइंडीज ने 2023-25 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में 11 में से सिर्फ 2 टेस्ट मैच जीते जबकि 7 में उसे हार मिली। डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में वेस्टइंडीज सबसे निचले स्थान पर है।

विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज : मैगनस कार्लसन और नेपोमनिशी सयुंक्त विजेता , महिला वर्ग मे वेंजून जीती , वैशाली को कांस्य पदक

न्यू यॉर्क (एजेंसी)। फीडे विश्व शतरंज ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप का समापन गत वर्ष की अंतिम संध्या को सम्पन्न हो गया और इस बार रोचक तौर पर पुरुष वर्ग में एक की जगह हमें दो विजेता मिले , नॉर्वे के मैगनस कार्लसन और रूस के यान नेपोमनिशी शतरंज के सबसे फटाफट फॉर्मेट के सयुंक्त विजेता रहे जबकि महिला वर्ग में यह खिताब चीन की मौजूदा क्लासिकल विश्व चैम्पियन जू वेंजून नें अपने नाम किया , भारत की वैशाली नें कांस्य पदक अपने नाम किया ।

पुरुष वर्ग में क्वाटर फाइनल में मैगनस कार्लसन नें यूएसए के नीमन हंस को 2.5-1.5 से और सेमी फाइनल में पोलैंड के यान डूडा को 3-0 से मात देते हुए फाइनल में प्रवेश किया , वहीं रूस के यान नेपोमनिशी नें क्वाटर फाइनल में हमवतन मुरजिन वोलोदर को 2.5-0.5 से और सेमी फाइनल मे यूएसए के वेसली सो को 3-2 से पराजित करते हुए फाइनल में जगह बनाई ।

बेस्ट ऑफ 4 के मुक़ाबले में कार्लसन नें पहले दो मुक़ाबले जीतकर 2-0 से बढ़त बना ली थी और नेपो की हार तय नजर आ रही थी पर नेपो नें शानदार वापसी करते हुए लगातार दो जीत के साथ स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया । इसके बाद टाईब्रेक के तौर पर लगातार तीन मुक़ाबले बेनतीजा रहे और उसके बाद मैगनस कार्लसन नें नेपोमनिशी को सयुंक्त विजेता बनने का प्रस्ताव दिया नेपो मान गए पर नियमानुसार परिणाम आने तक मुक़ाबले होने थे , दोनों ने यह प्रस्ताव फीडे को दिया और इसे स्वीकार कर लिया गया और दोनों को सयुंक्त विजेता घोषित कर दोया गया । इस परिणाम को लेकर दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों और शतरंज प्रेमियों के बीच एक नयी बहस छिड़ गयी है । सेमी फाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों यान डूडा और वेसली सो को कांस्य पदक दिया गया और इस तरह रजत पदक किसी को मिला ही नहीं !

महिला वर्ग में चीन की जू वेंजून नें हमवतन लेई टिंगजे को एक बेहद कड़े मुक़ाबले में 3.5-2.5 से पराजित करते हुए खिताब जीतकर अपना पहला ब्लिट्ज़ खिताब हासिल कर लिया । वेंजून नें क्वाटर फाइनल में रूस की गुनिना वालेंटीना को 2.5-0.5 से और सेमी फाइनल में भारत की आर वैशाली को इसी अंतर से पराजित करते हुए फाइनल में जगह बनाई जबकि लेई टिंगजे नें कज़ाकिस्तान की बीबीसारा को 2.5-1.5 और रूस की लागनों काटेरयना को 3.5-2.5 से मत देते हुए फाइनल में जगह बनाई थी ।

लीग चरण में शीर्ष में रहने वाली भारत की आर वैशाली को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा , पर शतरंज के इस फॉर्मेट में यह उनका पहला पदक है । भारत को कोनेरु हम्पी को भी रैपिड का स्वर्ण पदक दिया गया और इस तरह भारत नें दो पदको के साथ टूर्नामेंट और साल का अंत किया ।

मृतक इंजीनियर अतुल सुभाष के पिता सुप्रीम कोर्ट में जबाव दें, कर्नाटक हाईकोर्ट का निर्देश

बेंगलुरु । कर्नाटक हाईकोर्ट ने पिछले माह बेंगलुरु में आत्महत्या करने वाले इंजीनियर अतुल सुभाष के पिता को उनकी पुत्रवधू और मामले में आरोपी निकिता की न्यायिक हिरासत के बारे में सुप्रीम कोर्ट को जवाब देने का निर्देश दिया है सुप्रीम कोर्ट नाबालिग पोते की अभिरक्षा मांग रहीं सुभाष की मां की याचिका पर सुनवाई कर रही है। न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौदार ने निकिता की याचिका पर सुभाष के पिता को निर्देश दिया। कथित आरोपी निकिता ने खुद को गिरफ्तार करने और पति की मौत के बाद उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करने को चुनौती दी है। निकिता के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल की गिरफ्तारी गैर-कानूनी है और पुलिस गिरफ्तारी का आधार बताने में विफल साबित हुई है। कुमार ने निकिता को अंतरिम जमानत देने का अनुरोध कर कहा कि आरोपी को शीर्ष अदालत में खुद का बचाव करने की जरूरत है। हालांकि राज्य लोक अभियोजक-2 ने जांच का विवरण प्रदान करने के लिए छह जनवरी तक का समय मांगा। सुनवाई के दौरान निकिता के वकील ने कहा कि निचली अदालत ने उसकी और अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए चार जनवरी की तारीख तय की है।

जलगांव में मंत्री की कार से टक्कर लगने पर हंमागा, 6 गाड़ियां, 15 दुकानें फूंकी

जलगांव । महाराष्ट्र के जलगांव के पारधी में साल 2024 की रात मंत्री गुलाब राव पाटिल के समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद भीड़ ने 6 गाड़ियों और 15 दुकानों में आग लगा दी। फायर ब्रिगेड ने आग बुझाई। इसके बाद जलगांव में 2 जनवरी सुबह 6 बजे तक के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मंत्री गुलाब राव पाटिल की गाड़ी में उनका परिवार नए साल के जश्न में शामिल होने गया था। ड्राइवर ने हॉर्न बजाने और टक्कर लगने पर गांव वालों से बहस हो गई। झगड़े की खबर लगते ही गांव के कुछ लोग और शिवसेना के कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए। इसके बाद वहां खड़ी गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी गई। पुलिस ने 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने 8 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एडीशनल एसपी कविता नेरकर ने बताया कि 20 से 25 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धरणगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है। जलगांव के कई इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात है। स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है।

सलझंडी में सूर्यकिरण युद्धाभ्यास में जुटीं भारत-नेपाल की सेनाएं

नई दिल्ली। भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच सलझंडी (नेपाल) में सूर्यकिरण युद्धाभ्यास की शुरुआत हुई। यह 13 जनवरी 2025 तक चलेगा। सेना ने बताया कि दोनों देशों की पैदल सेना की बटालियन एक साथ अंतर-संचालनीयता और अनुभवों को साझा करने के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण करेंगे। युद्ध के अपरंपरागत खतरों जैसे आतंकवाद से मुकाबले, आतंकी अभियानों और मानवीय सहायता व आपदा राहत अभियान इसका हिस्सा होंगे। युद्धाभ्यास की शुरुआत के लिए नेपाली सेना की तरफ से एक पारंपरिक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें भारत और नेपाल के सैन्य दस्ते अपनी-अपनी सैन्य धुनों के साथ कदमताल करते हुए समारोह स्थल तक पहुंचे। नेपाल सेना के मध्य पश्चिमी डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल प्रेम बहादुर गुरुंग ने समारोह को संबोधित करते हुए दोनों सैन्य टुकड़ियों से एक-दूसरे के जरूरी अनुभवों से लाभ लेने की अपील की। युद्धाभ्यास से दोनों सेनाओं की अंतर-संचालनीयता से आपसी भाईचारे की भावना बढ़ेगी। मालूम हो कि भारतीय सेना की टुकड़ी 29 दिसंबर को नेपाल पहुंच गई थी।

नए साल के पहले दिन भूकंप से थर्राई कच्छ की धरती, कोई नुकसान नहीं

अहमदाबाद । नए साल 2025 के पहले दिन ही सीमावर्ती जिले में भूकंप का झटका महसूस किया गया। कच्छ के भचाऊ में भूकंप के झटके से लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि भूकंप मामूली तीव्रता का होने से किसी प्रकार के नुकसान की खबर नही है। जानकारी के मुताबिक आज नए साल 2025 के पहले दिन कच्छ जिले के भचाऊ में भूकंप से जमीन थर्रा उठी। भूकंप का केंद्र भचाऊ से 23 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में दर्ज किया गया। अचानक आए भूकंप के झटके के बाद लोग घर से बाहर निकल आए। हालांकि भूकंप से किसी संपत्ति को नुकसान नही पहुंचा। सुबह 10 बजकर 24 मिनट पर 3.2 तीव्रता का भूकंप आया।

मौसम विज्ञान विभाग का का दावा, 1901 के बाद से 2024 भारत में रहा सबसे गर्म साल

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 1901 में रिकॉर्ड रखने की शुरुआत के बाद से वर्ष 2024 को आधिकारिक तौर पर भारत में सबसे गर्म वर्ष घोषित किया गया है। देश में औसत न्यूनतम तापमान का अनुभव हुआ जो लंबी अवधि के औसत से 0.90 डिग्री सेल्सियस अधिक था, जो जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करता है। एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में, आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने खुलासा किया कि 2024 में वार्षिक औसत भूमि सतह हवा का तापमान दीर्घकालिक औसत (1991-2020 अवधि) से 0.65 डिग्री सेल्सियस अधिक था। इसने 2016 में बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जब औसत तापमान सामान्य से 0.54 डिग्री सेल्सियस अधिक था। यूरोपीय जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस के अनुसार, 2024 विश्व स्तर पर सबसे गर्म वर्ष होने की उम्मीद है, जिसमें औसत तापमान पहली बार पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस की महत्वपूर्ण सीमा को पार कर जाएगा। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन और क्लाइमेट सेंट्रल की एक संयुक्त समीक्षा में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि 2024 में पिछले वर्षों की तुलना में दुनिया भर में औसतन 41 अतिरिक्त दिनों की खतरनाक गर्मी देखी गई।

अब तक कुल 3 करोड़ 22 लाख घरों को मंजूरी, इसमें 2 करोड़ 68 लाख घर तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत अब तक कुल 3 करोड़ 22 लाख घरों को मंजूरी दी जा चुकी है। इसमें 2 करोड़ 68 लाख घर तैयार हैं। साल 2024 में 1 अप्रैल से मंजूर किए गए करीब 28 लाख घरों में से करीब 2 प्रतिशत का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि करीब 88 प्रतिशत के लिए अनुदान की पहली किस्त जारी की जा चुकी है। यानी 30 दिसंबर तक 54 हजार 582 घरों का निर्माण पूरा हो चुका है।

मोदी सरकार ने पीएम आवास योजना-ग्रामीण के तहत 2024 तक पानी, बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं से लैस 2 करोड़ 95 लाख पक्के घर लोगों को देने का लक्ष्य रखा था। अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने 9 अगस्त 2024 को योजना का विस्तार किया और वित्त वर्ष 2024-25 से लेकर वित्त वर्ष 2028-29 के बीच ग्रामीण इलाकों में 2 करोड़ और आवास बनाने की मंजूरी दी।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 30 दिसंबर 2024 तक राज्यों और

केंद्र शासित प्रदेशों को कुल 3 करोड़ 33 लाख आवास अलॉट हुए थे। इसमें से राज्यों की ओर से औपचारिकताएं पूरी करने पर 3 करोड़ 22 लाख घरों के लिए स्वीकृति मिल चुकी थी। इसके अलावा, 3 करोड़ चार लाख घरों के लिए अनुदान की पहली किस्त जारी की जा चुकी थी और 2 करोड़ 68 लाख घर बनकर तैयार हो चुके थे। मंत्रालय के मुताबिक, 2024 में 1 अप्रैल से 30 दिसंबर के बीच 28 लाख 17 हजार 22 मकानों की मंजूरी दी गई। इसमें से 22 लाख 97 हजार 880 के लिए अनुदान की पहली किस्त जारी की जा चुकी थी और 30 दिसंबर तक 54 हजार 582 घरों का निर्माण पूरा हो चुका था। पीएम नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को इस योजना के 10 लाख से अधिक लाभार्थियों को अनुदान की पहली किस्त जारी की थी और आवास प्लस ऐप भी लॉन्च किया था।

2024 में 242 गांवों में ऑल-वेदर रोड बनी

मंत्रालय ने बताया कि पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत 2024 में 242 गांवों में ऑल-वेदर रोड बनाई गईं। इस योजना के तहत कुल 21,584 किलोमीटर सड़कों और 427 पुलों की मंजूरी दी गई। इसमें 19,606 किलोमीटर सड़कें बनाई गईं और 3,489 पुलों का निर्माण किया गया। इस दौरान राज्यों की हिस्सेदारी सहित कुल 17,415 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

नए साल में राजद का नया नारा, आओ चलें तेजस्वी संग, सरकार बनेगी अबकी यंग

पटना । नए साल पर नए पोस्टर और नए नारे के साथ लालू यादव की पार्टी आरजेडी ने विधानसभा चुनाव की तैयारी का आगाज कर दिया है। पटना स्थित राजद मुख्यालय के बाहर पोस्टर लगा है। जिसमें एक कविता के साथ हाल ही में तेजस्वी ने जिन योजनाओं की घोषणा की थी, उनका जिक्र है। पोस्टर में लिखा है कि आओ चलें तेजस्वी संग, सरकार बनेगी अबकी यंग। पोस्टर में तेजस्वी की फोटो दिख रही है। ये पोस्टर आरजेडी के प्रदेश महासचिव भाई अरुण ने लगवाया है। पोस्टर के द्वारा लोगों को नए साल की बधाई भी दी है। राजद के नए पोस्टर में लिखा है नया साल है नई उमंग, आओ जुड़ें राजद संग। 2500 रूपए माई-बहिन को, 1500 बुजुर्ग अभिभावक को। युवाओं को रोजगार मिलेगा, मुफ्त 200 यूनिट बिजली संग। आओ चलें तेजस्वी संग, सरकार बनेगी अबकी यंग। पोस्टर के भी कई मायने निकल रहे हैं। दरअसल बीते कई दिनों से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी सीएम नीतीश पर हमलावर हैं। उन्हें थका हुआ बता चुके हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा था कि अब मुख्यमंत्री थक चुके हैं, खुद फैसले भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें हाईजैक कर लिया है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कहा था कि उन्हीं की पार्टी के चार नेता सरकार चला रहे हैं। बिहार चलाना अब उनके बस की बात नहीं है।

बांग्लादेशी हिंदुओं को लेकर सीएम सरमा का बड़ा बयान, पीएम मोदी स्थिति को सुधारने में जुटे

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बांग्लादेशी हिंदुओं के भारत में आने को लेकर बड़ा बयान दे दिया है। सीएम सरमा ने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं की संख्या बहुत कम है और जो आना चाहते थे, वे 40 साल पहले ही आ चुके हैं। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, मुझे लगता है कि हमें उन्हें भारत आने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार बांग्लादेश में सुरक्षा सुनिश्चित करने और वहां की स्थिति को स्थिर बनाने के लिए वहां की सरकार से संपर्क में हैं। बांग्लादेश के हिंदू भी परिपक्वता से काम कर रहे हैं।

असम सीएम ने दावा किया कि पिछले पांच महीनों में असम में किसी भी बांग्लादेशी हिंदू के आने की सूचना नहीं मिली है। मुख्यमंत्री का यह बयान अब आया है जब असम में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन (एनआरसी) का मुद्दा गरम है।

पिछले माह असम के मुख्यमंत्री ने कहा था कि असम पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में पांच बच्चों सहित 22 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु से गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद 16 बांग्लादेशियों को पकड़ा गया, वे दक्षिण सलमार जिले की ओर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि जांच के बाद पता चला कि पकड़े गए लोग बांग्लादेशी थे।

साल 2024 में यूपी पुलिस ने तीन आतंकियों समेत 217 का किया एनकाउंटर

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस के वार्षिक लेखाजोखा देर शाम को जारी किया गया। जिसमें पिछले सात साल के अंदर किये गये कार्यों का ब्योरा दिया गया था। सात साल में पुलिस ने 217 अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। इसी वर्ष पंजाब पुलिस के साथ यूपी पुलिस ने खालिस्तान के तीन आतंकियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया।

वहीं, गैंगस्टर के तहत माफिया व अन्य अपराधियों की 140 अरब रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त कर ली। साथ ही 7546 अपराधियों को सजा दिलाई है। यूपी पुलिस द्वारा जारी किये गये आंकड़ों के मुताबिक 20 मार्च 2017 से 28 दिसम्बर 2024 तक 217 अपराधी मुठभेड़ में ढेर किए गए। पुलिस ने 7799 बदमाश को पैर में गोली मार कर घायल कर गिरफ्तार किया। 17 पुलिसकर्मियों की जान चली गई और

1644 पुलिस कर्मी घायल हुए। 924 अपराधियों पर रासुका की कार्रवाई की गई।

लखनऊ के चिनहट स्थित आईओबी बैंक के दो बदमाशों को मार गिराया और कई आरोपितों को गिरफ्तार कर घटना का दो दिन में ही खुलासा कर दिया। पुलिस ने सुलतानपुर जिले में सराफा कारोबारी की दुकान में डकैती डालने वाले एक लाख रुपए के इनामी मंगेश यादव का भी एनकाउंटर किया। चिह्नित माफिया गिरोहों के 1391 सदस्यों को जेल भेजा गया। महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम कर रहे एंटी रोमियो टीम ने 18,926 आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की। पूरे प्रदेश में 212 अवैध टैक्सी स्टैण्ड हटाये गए। यूपी पुलिस कानून व्यवस्था के मामले में बेहतर रही है। वर्ष 2024 में अयोध्या राम मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा में यूपी पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था बेहतर रही है। वहीं टी-20 क्रिकेट मैच जैसे आयोजनों का सकुशल कराकर यूपी पुलिस ने काफी प्रशंसा बटोरी। बहराइच और संभल में हिंसा भड़कने पर पुलिस ने सक्रियता दिखाई। पुलिस ने तत्काल सख्त कार्रवाई करते हुए हालात पर काबू पाया।

वर्ष 2025 उत्तराखंड के लिए नई उपलब्धियों वाला ऐतिहासिक वर्ष होगा: सीएम धामी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नववर्ष के अवसर पर शुभकामनाएं दीं है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस वर्ष को नई उपलब्धियों के साथ ऐतिहासिक वर्ष बनाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस वर्ष उत्तराखंड पूरी तरह युवा हो जाएगा, क्योंकि राज्य अपने गठन के 25 वर्ष पूरे कर लेगा। उन्होंने कहा कि युवा राज्य पूरे जोश और उत्साह के साथ नई गति प्राप्त करेगा। एएनआई से बात करते हुए धामी ने कहा, 'मैं सभी को नए साल की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं... हम सभी को प्रधानमंत्री की प्रेरणा से इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाना है। उत्तराखंड का हर निवासी यह सुनिश्चित करने में योगदान देगा कि उत्तराखंड हर क्षेत्र में अग्रणी हो... नया साल नई उपलब्धियों के लिए होगा और हमारा संकल्प पूरा होगा और हम राज्य के रजत जयंती वर्ष में कई उपलब्धियां हासिल करेंगे।' उन्होंने कहा, 'हमारे सभी सरकारी विभाग भी इसमें पूरे मनोयोग से काम करेंगे। हम इस वर्ष को नई उपलब्धियों के साथ ऐतिहासिक वर्ष बनाएंगे, क्योंकि हम 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं और 25 वर्षीय उत्तराखंड आज पूरी तरह युवा हो गया है और युवाओं को पूरे जोश और उत्साह के साथ नई गति मिलेगी।' भारत ने वर्ष 2025 का स्वागत पूरे देश में जश्न के साथ किया, क्योंकि विभिन्न शहरों में लोगों ने इस अवसर को हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया। कई शहरों में पार्टियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लाइव संगीत प्रदर्शनों और थीम आधारित सजावट के साथ नए साल का जश्न शुरू हो गया। दिल्ली में हौज खास, कनॉट प्लेस और लाजपत नगर जैसी मशहूर जगहों पर नए साल का जश्न मनाने वालों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुरक्षित जश्न सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस ने पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम कर रखे थे। पंजाब के अमृतसर में लोग नए साल का स्वागत करने के लिए स्वर्ण मंदिर में एकत्र हुए। कई शहरों के होटलों में भी इस अवसर पर विशेष समारोह आयोजित किए गए। मध्य प्रदेश के भोपाल में लोग 2025 का स्वागत करते हुए सड़कों पर नाचते हुए देखे गए। इसी तरह लखनऊ में भी लोगों ने रात 12 बजते ही नाचते हुए जश्न मनाया।

सनातन धर्म वाली टिप्पणी पर कायम हूं, बीजेपी के हमलों के बीच पिनाराई विजयन ने एक फिर किया साफ

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन सनातन धर्म पर अपनी टिप्पणी पर अड़े हैं, जो उन्होंने शिवगिरी तीर्थयात्रा के उद्घाटन के दौरान की थी। तिरुवनंतपुरम में मुख्यमंत्री द्वारा बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन में पिनाराई विजयना ने कहा कि वह अपना बयान नहीं बदलेंगे। उन्होंने कहा मैंने कल जो कहा था, मैं उस पर कायम हूं। वे श्री नारायण गुरु को सनातन धर्म के प्रवक्ता के रूप में चित्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह सही नहीं है। उन्होंने भाजपा के उन आरोपों का भी जवाब दिया कि वह वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म का अपमान कर रहे हैं। अगर यह वोट-बैंक की राजनीति है, तो क्या मुझे कुछ और नहीं कहना चाहिए? मैंने जो कहा वह यह था कि श्री नारायण गुरु को संतान धर्म का प्रवक्ता बनाने का प्रयास न करें।

केरल के मुख्यमंत्री को तिरुवनंतपुरम जिले के वर्कला शहर में शिवगिरी तीर्थयात्रा के संबंध में एक कार्यक्रम में दिए गए अपने बयानों के लिए भाजपा नेताओं की भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। वार्षिक तीन दिवसीय शिवगिरी तीर्थयात्रा 30 दिसंबर को शुरू हुई, और यह श्री नारायण गुरु के अनुयायियों के लिए एक

महत्वपूर्ण त्योहार है। सनातन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण अंग 'चतुर्वर्ण्यम्' पर आधारित 'वर्णाश्रम धर्म' है। इसने क्या कायम रखा है? किसी की जाति के आधार पर नौकरियाँ। लेकिन श्री नारायण गुरु ने क्या किया है? उन्होंने किसी के धर्म के आधार पर नौकरी करने की धारणा को खारिज करने को कहा।

विजयन ने यह भी कहा कि (श्री नारायण) गुरु सनातन धर्म के प्रवक्ता या अभ्यासकर्ता नहीं थे। बल्कि, वह एक भिक्षु था जिसने उस धर्म को तोड़ा और नए युग के लिए नए युग के 'धर्म' की घोषणा की। वह समाज सुधारक को सनातन धर्म के समर्थक के रूप में चित्रित करने के प्रयास की निंदा कर रहे थे।

भाजपा सत्ता में आई तो संदेशखली मामले की जांच होगी और ममता जेल जाएंगी

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने पर भाजपा संदेशखली में हुए अत्याचारों की जांच के लिए एक आयोग का गठन करेगी और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को जेल भेजेगी। भाजपा नेता अधिकारी ने यह बयान संदेशखाली में दिया। ज्ञात हो कि एक दिन पहले सीएम ममता बनर्जी ने इस इलाके का दौरा किया था। संदेशखली में भाजपा के एक आउटरीच कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने सीएम ममता पर शाहजहां शेख जैसे स्थानीय टीएमसी नेताओं के खिलाफ विरोध करने के लिए लोगों को दंडित करने के लिए 2024 के चुनावों से पहले क्षेत्र में महिलाओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि बनर्जी ने लोगों से कहा है कि जो कुछ भी हुआ है उसे भूल जाएं, संदेशखली के लोग इसे नहीं भूलेंगे। मैं भी नहीं

भूलूंगा। अगर भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है, तो संदेशखली घटनाओं की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपने संदेशखली की महिलाओं को फंसाया था और जेल भेजा था, महिलाओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराने पर भाजपा आपको भी जेल भेजेगी। भाजपा नेता अधिकारी ने कहा कि हम कानून के आधार पर बदला लेंगे और संविधान की सीमा के भीतर रहेंगे।

फरवरी 2024 में संदेशखाली के इलाके में कुछ स्थानीय टीएमसी नेताओं पर आरोप लगे थे कि उन्होंने महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया था और जमीन हड़प लिया था। इस घटना का जिक्र करते हुए सीएम ममता ने सोमवार को कहा था, मुझे पता है कि इसके पीछे एक बड़ा खेल था और इसमें पैसे का प्रभाव भी था, लेकिन बाद में लोगों को एहसास हुआ कि पूरा मामला झूठा है। सच्चाई आखिरकार सामने आती है। जो बीत गई सो बात गई। मैं इन बातों को मन में नहीं रखना चाहती हूं।

मुंबई हमले का आरोपी जल्द लाया जाएगा भारत, अमेरिका अदालत ने दी प्रत्यर्पण की इजाजत

-राणा ने मुम्बई हमलों के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी

मुंबई (एजेंसी)। 26/11 मुम्बई आतंकी हमलों में शामिल तहव्वुर राणा को जल्द भारत लाया जा सकता है। राणा को भारत लाने की प्रक्रिया राजनयिक चैनलों के जरिए मिल रही है। बता दें अगस्त 2024 में अमेरिकी अदालत ने फैसला सुनाया कि राणा को दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। अदालत ने तब राणा की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने मुम्बई आतंकी हमलों में अपनी संलिप्तता के लिए भारत को प्रत्यर्पित करने का विरोध किया था। अदालत ने माना कि भारत ने राणा के खिलाफ पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत किए थे, जिससे यह साबित होता है कि प्रत्यर्पण आदेश सही था।

राणा का नाम मुम्बई पुलिस ने 26/11 हमलों के संबंध में अपनी चार्जशीट में शामिल किया था। उस पर पाकिस्तान की इंटरसर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक सक्रिय सदस्य के रूप में काम करने का आरोप है। चार्जशीट में कहा गया है कि राणा ने मुम्बई हमलों के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी, जिसने हमलों के लिए मुम्बई में जगहों की रेकी की थी।

अदालत ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रत्यर्पण संधि में नॉन-बिस इन आइडम अपवाद है। यह तब लागू होता है जब आरोपी को उस अपराध के लिए पहले ही दोषी ठहराया या बरी किया जा चुका हो। अदालत ने यह भी कहा कि राणा के खिलाफ भारत में लगाए गए आरोप अमेरिकी अदालतों में उनके खिलाफ चलाए गए मामलों से अलग हैं, इसीलिए नॉन-बिस इन आइडम अपवाद लागू नहीं होता।

26/11 मुम्बई आतंकी हमलों के करीब एक साल बाद एफबीआई ने शिकागो में राणा को गिरफ्तार किया था। राणा और उसके साथी डेविड कोलमैन हेडली ने मिलकर मुम्बई हमलों के लिए जगहों की रेकी की थी और पाकिस्तान के आतंकवादियों को हमले को अंजाम देने के लिए खाका तैयार किया था।

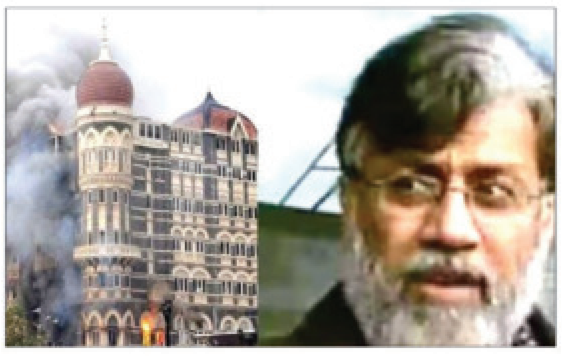

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**